THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 4 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.4 2082 मंगलवार, 1 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

श्रीनगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी। कटरा-श्रीनगर पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची।

यूओएच के छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुछ छात्र सोमवार को भी पुलिस की हिरासत में हैं, जिन्हें रविवार को कांचा गच्चीबावली में वन भूमि को साफ करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। छात्रों के अनुसार, रोहित बांड नामक छात्र को रविवार को पुलिस ने हिरासत में लिया था, लेकिन अभी तक उसे रिहा नहीं किया गया है। छात्रों ने बताया कि रोहित की हालत ठीक नहीं है और उसका रक्तचाप भी बढ़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए छात्रों को माधापुर पुलिस थाने से लाने गए एक अन्य छात्र एर्राम नवीन को भी हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।रविवार रात को, बीआरएस नेताओं द्वारा सभी बंदियों की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने के बाद, 28 छात्रों को माधापुर पुलिस स्टेशन से रिहा कर दिया गया। जबकि बीआरएस नेताओं ने विरोध वापस ले लिया, छात्रों ने सभी छात्रों की रिहाई की मांग करते हुए विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने सरकार से कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन की नीलामी के अपने फैसले को रद्द करने की भी मांग की, जो उनके अनुसार विश्वविद्यालय की है। छात्रों के अनुसार, 400 एकड़ की वन भूमि जैव विविधता से भरपूर है, जिसमें स्तनधारी, पक्षी और औषधीय और सुगंधित पौधे प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कोई भी निर्माण गतिविधि पारिस्थितिकी असंतुलन पैदा करेगी, वनस्पतियों और जीवों को नष्ट करेगी और शहर के लिए फेफड़ों की जगह को नुकसान पहुंचाएगी।

इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों के बाल पकड़कर घसीटा और उनकी पिटाई की। मामले में सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा- छात्रों को भड़काया जा रहा है। जमीन शहर के आईटी हब के तहत आती है। इसका यूनिवर्सिटी से कोई संबंध नहीं है। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने भी कहा कि 1974 से जमीन का मालिकाना हक सरकार के पास है।

तेलंगाना सरकार के पास 400 एकड़ जमीन-सीएमओ

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के सेरिलिंगमपल्ली मंडल में कांचे गच्चीबवली में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय की जमीन पर बीआरएस, भाजपा नेताओं की आलोचना पर तेलंगाना सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है। इसने स्पष्ट किया है कि 400 एकड़ जमीन सरकार की है और परियोजना में एचसीयू की कोई जमीन नहीं है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा सोमवार को यहां जारी एक बयान में बताया गया कि राज्य सरकार ने अदालत में कानूनी रूप से जमीन के स्वामित्व को साबित कर दिया है और कानूनी लड़ाई के माध्यम से 21 साल पहले एक निजी कंपनी को आवंटित की गई संपत्ति का अधिग्रहण किया है। इसने आगे कहा कि कार्यों के विकास और भूमि की नीलामी से चट्टानों सहित पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित नहीं होगा।

देशभर में ईद का जश्न मोदी ने बधाई दी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में आज ईद-उल-फितर (मीठी ईद) त्योहार मनाया जा रहा है। मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा करने का समय अलग-अलग है। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में महिलाएं भी नमाज अदा कर सकेंगी। इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- ईद का त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। ईद मुबारक! वाराणसी की जामा मस्जिद में एक साथ बड़ी संख्या में नमाजी पहुंच गए। इसके चलते सभी लोगों को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जगह नहीं मिली।

शिक्षा नीति में 3सी का एजेंडा : सोनिया

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। एक आर्टिकल में सोनिया गांधी ने लिखा केंद्र सरकार शिक्षा नीति के माध्यम से अपने 3सी एजेंडे (केंद्रीकरण, व्यावसायीकरण और सांप्रदायिकता) को आगे बढ़ा रही है। शिक्षा नीति भारत के युवाओं और बच्चों की शिक्षा के प्रति सरकार की गहरी उदासीनता को दिखाती है। सोनिया ने अपने लेख में केंद्र पर संघीय शिक्षा ढांचे को कमजोर करने का आरोप लगाया। लिखा कि मोदी सरकार राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों से बाहर रखकर शिक्षा के संघीय ढांचे को कमजोर कर रही है। शिक्षा नीति में केंद्र सरकार ने सारी ताकत अपने हाथ में ले ली है, और सिलेबस और संस्थानों में सांप्रदायिकता फैलाई जा रही है।

सोनिया ने शिक्षा नीति के लिए निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में राज्य सरकारों को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की बैठक सितंबर 2019 से नहीं हुई है। जिसमें केंद्र और राज्य दोनों के मंत्री शामिल हैं। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के लिए अनुदान रोककर राज्य सरकारों को पीएम-श्री (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लागू करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने लिखा, ये फंड राज्यों को कई सालों से बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम को लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता के हिस्से के रूप में दिए जा रहे हैं। शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति ने भी एसएसए निधियों को बिना शर्त जारी करने का आह्वान किया था। गांधी ने सरकार पर स्कूली शिक्षा के "अनियंत्रित निजीकरण" को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। आरटीई ने सभी बच्चों की पहुंच प्राथमिक स्कूलों तक सुनिश्चित की थी। इसके तहत एक किलोमीटर के भीतर एक निम्न प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I-V) और तीन किलोमीटर के भीतर एक उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI-VIII) होना चाहिए। एनईपी "स्कूल परिसरों" के विचार को बढ़ावा देकर आरटीई के तहत इन पड़ोस के स्कूलों की अवधारणा को कमजोर करता है। 2014 से देश भर में 89,441 पब्लिक स्कूलों बंद हो गए, जबकि 42,944 निजी स्कूल खुले है।

अरेस्ट करने का आधार बताना जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दिए फैसले में एक शख्स की गिरफ्तारी और रिमांड को रद्द कर दिया। इस फैसले में कहा गया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 के तहत गिरफ्तारी के आधार को लिखित रूप में प्रदान करना अनिवार्य है, अन्यथा गिरफ्तारी और रिमांड कानून की दृष्टि में अमान्य माने जाएंगे।

जस्टिस एमएम सुंद्रेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने पाया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को जो दस्तावेज दिया गया था, वह केवल एक गिरफ्तारी मेमो था, जिसमें उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों जैसी कोई ठोस जानकारी नहीं थी। इसमें केवल आरोपी का नाम, गिरफ्तारी का स्थान और यह उल्लेख था कि उसे सह-आरोपी के बयान के आधार पर गिरफ्तार किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 25 मार्च को दिए फैसले में कहा कि हम याचिकाकर्ता के वकील की उस दलील से सहमत हैं कि उक्त गिरफ्तारी मेमो को गिरफ्तारी के आधार के रूप में नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसमें अन्य कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। यह स्पष्ट रूप से सीआरपीसी की धारा 50 के अनिवार्य प्रावधान का उल्लंघन है, जिसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(1) को प्रभावी बनाने के लिए शामिल किया गया है। यानी गिरफ्तारी के वक्त गिरफ्तारी का वक्त बताना जरूरी है। इस मामले में, आरोपी को पिछले दिसंबर में भारतीय दंड संहिता की धारा 384, 420, 468, 471, 509 और 120बी यानी धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश रचने जैसे मामले में दर्ज एक एफआईआर के संबंध में गिरफ्तार किया गया था और उसे तीन दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया था।

'नफरत की राजनीति के बावजूद देश की दो-तिहाई आबादी हिंदू राष्ट्र के पक्ष में नहीं'

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि नफरत की राजनीति के बावजूद देश की दो-तिहाई आबादी हिंदू राष्ट्र के पक्ष में नहीं है। इसके साथ ही मणिशंकर अय्यर ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जहां सभी का खुले दिल से स्वागत होता है और सभी को गले लगाया जाता है। एक-दूसरे के साथ सद्भाव के साथ रहना चाहिए।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मैं भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण एशियाई देशों और दूसरे मुल्कों दुबई, सऊदी अरब, ब्रिटेन या अमेरिका में रहने वाले मुसलमान भाइयों और बहनों को ईद की मुबारकबाद देता हूं। मैं उस भारत से बोल रहा हूं, जहां की सरजमीं सबका स्वागत करती है। सब इस देश में खुशी से रहें, एक-दूसरे के साथ सब अमन से रहें और एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखना चाहिए। इस पर कोई नफरत की जरूरत नहीं है, देश में नफरत फैलाया जा रहा है। लेकिन, इसके बावजूद दो-तिहाई हिंदुस्तानी, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत हिंदू हैं, जिन्होंने उन सियासी शक्तियों को सहारा नहीं दिया कि इस देश को कभी हिंदू राष्ट्र बनाया जाए।

निधि तिवारी पीएम की प्राइवेट सेक्रेटरी बनीं

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी की रहने वाली आईएफएस अधिकारी निधि तिवारी को पीएम नरेंद्र मोदी का प्राइवेट सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग ने इस नियुक्ति की सूचना जारी की। निजी सचिव के तौर पर निधि तिवारी पीएम मोदी के कार्यक्रमों का समन्वयन, बैठकों का आयोजन और सरकारी विभागों के साथ संपर्क से संबंधित कामकाज देखेंगी। पीएमओ में पहले भी कई महिला अधिकारियों को अहम जिम्मेदारी दी गई है। वहीं निधि तिवारी को प्रधानमंत्री की निजी सचिव के रूप में पदोन्नत करने का एक संदेश महिला सशक्तीकरण को लेकर भी है। निधि तिवारी 2014 बैच की भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी हैं। वह नवंबर 2022 से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत थीं। इससे पहले, उन्होंने विदेश मंत्रालय के डिस-आर्मामेंट एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी अफेयर्स डिवीजन में अंडर सेक्रेटरी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।

निधि तिवारी ने सिविल सेवा परीक्षा 2013 में उत्तीर्ण की थी। इस परीक्षा को पास करने से पहले वह वाराणसी में असिस्टेंट कमिश्नर (कॉमर्शियल टैक्स) के पद पर कार्यरत थीं और नौकरी के साथ-साथ उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी की थी। पीएमओ में डिप्टी सेक्रेटरी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान निधि तिवारी ने 'विदेश और सुरक्षा' वर्टिकल में काम किया, जो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को रिपोर्ट करता है।

राज ठाकरे बोले-सोशल मीडिया से इतिहास न पढ़ें

> हमें पेड़ों-नदियों की फिक्र नहीं > औरंगजेब के कब्र की चिंता कर रहे हैं

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने औरंगजेब कब्र विवाद की निंदा की है। राज ने मुंबई के शिवाजी पार्क में गुड़ी पड़वा रैली में कहा कि लोग वॉट्सऐप पर फॉरवर्ड मैसेज से इतिहास न पढ़ें, सोशल मीडिया से नहीं, विश्वसनीय जगहों से इतिहास पढ़ें। उन्होंने कहा, इतिहास के नाम पर लोगों को लड़ाया जा रहा है, राजनेता इन मुद्दों को हवा दे रहे हैं ताकि विवाद को बढ़ाकर फायदा उठाया जा सके। हमें नदियों और पेड़ों की चिंता नहीं है, हम औरंगजेब की कब्र की फिक्र कर रहे हैं।

इस विवाद की शुरुआत सपा विधायक अबू आजमी के बयान से शुरू हुई। उन्होंने 3 मार्च को कहा- हमें गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए हैं। मैं उसे क्रूर शासक नहीं मानता। इसके बाद छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज और सातारा से भाजपा सांसद उदयनराजे भोंसले ने कहा कि एक जेसीबी मशीन भेजकर उसकी (औरंगजेब) कब्र को गिरा दो। इसके बाद 17 मार्च को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए प्रदर्शन किया था। नागपुर में हिंसा भड़क गई थी।

शिवाजी नाम के विचार को मारना चाहता था औरंगजेब

राज ठाकरे ने कहा, 'औरंगजेब ने महाराष्ट्र में 27 साल बिताए और वो मराठाओं से लड़ता रहा। वह शिवाजी की विरासत को मिटाना चाहता था, लेकिन आखिरकार वो हार गया। औरंगजेब उस विचार को मारना चाहता था, जिसका नाम शिवाजी था। शिवाजी की मृत्यु के बाद भी औरंगजेब महाराष्ट्र में रहा और उनके आदर्शों को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा।'

फिल्म देखकर जागने वाला हिंदू किसी काम का नहीं

ठाकरे ने कहा, 'हम मौजूदा समय के असली मुद्दों को भूल गए हैं। फिल्म देखकर जागने वाले हिंदू किसी काम के नहीं हैं। क्या आपको विक्की कौशल को देखकर संभाजी महाराज के बलिदान के बारे में और अक्षय खन्ना को देखकर औरंगजेब के बारे में पता चला? औरंगजेब का क्या मामला था किसी को पता है क्या?'

बच्चों को दिखाओ औरंगजेब को यहां दफनाया गया था

ठाकरे ने कहा कि बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और यह छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना नहीं हो सकता था। लोग उकसावे में न आएं।। शिवाजी से पहले और शिवाजी के बाद के युगों में सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियां अलग-अलग थीं। औरंगजेब की कब्र की जो सजावट की गई है, उसे हटा दो। सिर्फ कब्र को रखो, वहां पर बड़ा बोर्ड लगा दो। बोर्ड पर लिखो कि जो हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को जो मारने आया था, उसे महाराष्ट्र की भूमि में दफनाया। छोटे-छोटे बच्चों को दिखाओ औरंगजेब को यहां दफनाया था।

कोई देश धर्म के आधार पर प्रगति नहीं कर सकता है

राज ठाकरे ने कहा, 'औरंगजेब का जन्म गुजरात के दाहोद में हुआ था। जो लोग अपनी स्वार्थी राजनीतिक आकांक्षाओं के लिए लोगों को भड़काते हैं, उन्हें इतिहास से कोई सरोकार नहीं है।कोई भी देश धर्म के आधार पर प्रगति नहीं कर सकता। आप तुर्किये को देखिए कि कैसे उसने खुद को सुधार लिया। धर्म आपके घर की चारदीवारी के भीतर ही रहना चाहिए। एक हिंदू की पहचान हिंदू के रूप में तभी होती है, जब मुसलमान सड़कों पर उतरते हैं या दंगों के दौरान। नहीं तो हिंदू भी जाति के आधार पर बंटे हुए हैं।'

धर्म के नाम पर नदियों को दूषित न करें

ठाकरे ने एक वीडियो दिखाते हुए दावा किया कि शवों को जलाकर गंगा नदी में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा, यह कैसा धर्म है, अगर हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर रहे हैं। गंगा की सफाई पर 33,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और यह अभी भी जारी है। क्या हमें खुद में सुधार नहीं करना चाहिए। महाराष्ट्र की नदियां भी बेहद प्रदूषित हैं। देश की 311 सबसे प्रदूषित नदियों में से 55 महाराष्ट्र की हैं।

पालघर में टैंकर फ्लाईओवर से गिरा

केरोसिन सड़क पर फैलने से आग लगी

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर केरोसिन से भरा एक टैंकर फ्लाईओवर से नीचे गिर गया। इससे ट्रक में आग लग गई। घटना पालघर के मानोर इलाके में मसाण नाका के पास शाम लगभग 5 बजे की है। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई, और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। यह पूरी घटना पास लगे कैमरे में कैद हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं।

घटना स्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, ड्राइवर ने टैंकर पर कंट्रोल खो दिया था, जिससे बेकाबू टैंकर फ्लाईओवर के किनारे से टकराकर बीस फीट की ऊंचाई से सीधे पुल के नीचे सर्विस रोड पर जा गिरा और टैंकर में तुरंत आग लग गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को हादसे की जानकारी दी। जिसके बाद अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। हादसे की वजह से हाईवे 2 घंटे तक बंद रहा। इसके बाद हाईवे को दोबारा खोल दिया गया।

खबरें जरा हटके

3 सेकंड में तीन देश घूम आई लड़की, झूठ नहीं बिलकुल सच है मामला, हर कोई रह गया हैरान!

घूमने-फिरने के शौकीन लोगों की कोई कमी नहीं है. ऐसे लोग देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अक्सर घूमने निकल जाते हैं. देश के किसी भी कोने में घूमने जाने पर कोई पाबंदी नहीं है और ना ही किसी डॉक्युमेंट या परमिट की आवश्यकता है. लेकिन विदेशों में जब हम जाते हैं, तो वहां पर पासपोर्ट से लेकर वीजा तक की आवश्यकता होती है. कई देशों में वीजा ऑन अराइवल की सुविधा है, जिससे सफर थोड़ा आरामदायक हो जाता है. लेकिन कई देशों में पहले वीजा परमिट हासिल करना होता है. ऐसे में अगर आप एक समय में एक साथ दो-तीन देश घूमना चाहते हैं, तो डॉक्युमेंटेशन में ही काफी समय लग जाता है. लेकिन आज हम आपको जो वीडियो दिखाने जा रहे हैं, उस वीडियो में आप देखेंगे कि एक लड़की 3 सेकंड के अंदर ही तीन देशों को घूम लेती है. पहली बार में ये मामला झूठा लगेगा, लेकिन ये सच है. वीडियो देख आपको भी हैरानी होगी.

लेकिन जेहन में सवाल ये जरूर उठता है कि आखिर कैसे ये संभव है कि कोई तीन सेकंड में तीन देशों की सैर कर लेगा? इसके लिए आपको वीडियो देखना होगा. फिर हम आपको बताएंगे कि कैसे ये संभव हुआ. वीडियो में नजर आ रही लड़की का नाम समरांगी साधु झिलिक है. समरांगी ने वीडियो शेयर कर लिखा है, 'आचेन शहर के पास प्रसिद्ध तीन-देशों का पॉइंट.' दरअसल, इस वीडियो में समरांगी एक ऐसे पॉइंट पर खड़ी हैं, जहां तीन देशों का बॉर्डर मिलता है. वो देश जर्मनी, नीदरलैंड और बेल्जियम हैं. वो उछल-उछलकर तीन देशों में तीन सेकंड में घूम आती हैं. बता दें कि इस जगह पर किसी भी देश की कोई फौज नहीं है. इसके आधे हिस्से में जर्मनी है, तो बाकी के हिस्से में नीदरलैंड और बेल्जियम. यानी इस बिंदु से आप तीन तरफ तीन देशों में जा सकते हैं.

मौत को दी मात! स्काईडाइविंग के दौरान नहीं खुला पैराशूट फिर भी 14 हजार फीट की ऊंचाई से गिरकर भी जिंदा

कहते हैं, 'जाको राखे साइयां मार सके न कोय,' यह कहावत ऑस्ट्रेलियाई स्काईडाइवर एम्मा कैरी पर पूरी तरह से फिट बैठती है. स्काईडाइविंग के दौरान पैराशूट न खुलने के बावजूद उन्होंने 14,000 फीट की ऊंचाई से गिरने के बाद भी मौत को मात दे दी. उनकी यह चमत्कारी कहानी सुनने के बाद किसी को भी अपने कानों पर विश्वास नहीं होगा. दरअसल, यह घटना साल 2013 की है जब एम्मा स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रही थीं. उनके साथ उनकी दोस्त जेम्मा मर्डक भी थीं. स्काईडाइविंग करने का उनका कोई इरादा नहीं था, लेकिन आसमान में उड़ने और धरती पर उतरने का रोमांच देखकर वे खुद को रोक नहीं पाईं. आखिरकार, दोनों ने इस एडवेंचर में हाथ आजमाने का फैसला किया.

सब कुछ नॉर्मल था हेलीकॉप्टर ने ऊंचाई पकड़ ली थी और कुछ ही देर में एम्मा ने छलांग लगा दी. उनके हिसाब से 10 सेकंड की फ्रीफॉल के बाद उन्हें अपना पैराशूट खोलना था. लेकिन जब उन्होंने ऐसा किया, तो उनके पैरों में कुछ अजीब सा महसूस हुआ. अगले ही पल उन्हें एहसास हुआ कि पैराशूट उनके पैरों में उलझ चुका है. जब उनकी रुकी, तो उन्हें लगा कि वह मर चुकी हैं. लेकिन अगले ही पल असहनीय दर्द ने उन्हें एहसास दिलाया कि वह जिंदा हैं, हालांकि उनकी स्थिति बेहद खराब थी. तेजी से गिरने के कारण एम्मा की रीढ़ की हड्डी दो जगह से टूट गई थी. वह जमीन पर गिरीं, खून से लथपथ थीं और दर्द से कराह रही थीं. उनकी दोस्त जेम्मा, जो सुरक्षित लैंड कर चुकी थीं, तुरंत उनकी ओर दौड़ीं. वह स्थिति देखकर घबरा गईं लेकिन एम्बुलेंस को फोन करने में देरी नहीं की. जल्द ही एम्मा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनकी रीढ़ की हड्डी गंभीर टूट चुकी है. तुरंत सर्जरी की गई, लेकिन डॉक्टरों को भी उम्मीद नहीं थी कि एम्मा फिर कभी चल पाएंगी. सर्जरी के बाद एम्मा को ऑस्ट्रेलिया वापस भेज दिया गया, जहां उन्होंने अपने परिवार के साथ रहकर धीरे-धीरे रिकवरी शुरू की. उन्होंने न केवल दर्द को सहा बल्कि धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा होना भी शुरू कर दिया.

मंगल पर दिखे 'मकड़ी के अंडे', नासा के इस खोज ने उड़ाए होश, रहस्य ने सबको हिलाया!

मंगल ग्रह के रहस्यों का पिटारा एक बार फिर खुल गया है और इस बार नासा के परसिवियरेंस रोवर ने कुछ ऐसा देखा कि वैज्ञानिकों के होश उड़ गए. जेजेरो क्रेटर की विच हेजल हिल की ढलान पर रोवर की नज़र एक मकड़ी के अंडों जैसी आकृति पर पड़ी. उन्हें समझ ही नहीं आया कि आखिर ये अंडे कैसे पहुंचे? हालांकि, ध्यान से देखने के बाद पता चला कि ये अजीब से पत्थर हैं, जो देखने में सैकड़ों मकड़ी के अंडों के गुच्छे जैसा लगता है. इस पत्थर पर लाल रेत की हल्की परत जमी है और ये अपने आसपास की चीज़ों से बिल्कुल अलग दिखता है. नासा की टीम ने इसे "सेंट पॉल्स बे" नाम दिया है, लेकिन इसकी बनावट और मौजूदगी ने सबको उलझन में डाल दिया है. नासा के मुताबिक, ये एक "फ्लोट रॉक" है, यानी ये जहां मिला, वहां बना नहीं था. इसका मतलब है कि ये पत्थर कहीं और से यहां आया, लेकिन कैसे और कहां से, ये अभी रहस्य है, जिसने सभी को हिलाकर रख दिया है.

इसकी अजीब बनावट को समझने के लिए ज़रूरी संकेत गायब हैं. वैज्ञानिकों का कहना है कि ये पत्थर अपने मूल स्थान से हटकर यहां पहुंचा और इसकी यात्रा मंगल की भूगर्भीय कहानी को उजागर कर सकती है. क्या ये उल्कापिंड की टक्कर से बना था? नासा का अनुमान है कि शायद किसी उल्कापिंड ने मंगल की चट्टानों को भाप बना दिया, जो ठंडी होकर ऐसे छोटे-छोटे दानों में बदल गई. अगर ऐसा है, तो ये पत्थर अपने जन्मस्थान से बहुत दूर से आया होगा और ये बता सकता है कि मंगल पर उल्कापिंड सामग्री को कैसे इधर-उधर ले जाते हैं. एक और थ्योरी है कि ये पत्थर विच हेजल हिल से नीचे लुढ़ककर आया हो. नासा ने अंतरिक्ष से देखा है कि इस पहाड़ी पर कुछ गहरे रंग की परतें हैं.

पंजाबी बाग की एक इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी आग

झुलसकर दो बच्चों की मौत

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाबी बाग के मनोहर पार्क इलाके में एक इमारत की तीसरी मंजिल पर आग लग गई। आग में झुलसकर दो बच्चों की मौत हो गई, वहीं बच्चों को बचाने के दौरान मकान मालिक झुलस गए।घायल का आचार्य भिक्षु अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृत बच्चों की पहचान 14 साल की साक्षी और 7 साल के आकाश और घायल की पहचान संदीप पाठक के रूप में हुई है। दमकल विभाग के मुताबिक रात को 8.21 बजे दमकल विभाग को मनोहर पार्क के एक मकान की तीसरी मंजिल पर घर में आग लगने की जानकारी मिली।

सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। तब तक पुलिस आग में झुलसे तीन लोगों को पास के अस्पताल लेकर जा चुकी थी। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। जांच में पता चला कि मकान में लाल बहादुर अपनी पत्नी सविता और तीन बच्चों 14 साक्षी, 11 साल की मिनाक्षी और 7 साल के आकाश के साथ रहते थे। लाल बहादुर अशोक पार्क इलाके में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। रविवार रात सविता घर में खाना बना रही थी।

इसी दौरान सिलिंडर के रेगुलेटर से गैस रिसाव होने से आग लग गई। आग कमरे में फैल गई। आग लगते ही सविता और मीनाक्षी अपनी जान बचाकर घर से बाहर निकल गई, लेकिन साक्षी और आकाश कमरे में फंस गए। शोर शराबा होने पर मकान मालिक संदीप पाठक वहां पहुंचे और आग में फंसे बच्चों को निकलने की कोशिश की, इस दौरान वह भी आग की चपेट में आकर झुलस गए। पुलिस संदीप पाठक के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

जालंधर में बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति पर लिखे गए खालिस्तान समर्थक नारे

पन्नू ने ली जिम्मेदारी

जालंधर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर जिले के फिल्लौर में बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति पर खालिस्तानी स्लोगन लिखे जाने की घटना ने इलाके में तनाव पैदा कर दिया है। यह घटना फिल्लौर के मंड गांव में सामने आई, जहां शरारती तत्वों ने मूर्ति पर आपत्तिजनक शब्दावली लिखकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई। प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर इस घटना की जिम्मेदारी ली है। इसमें वो कहता हुआ सुना जा सकता है कि फिल्लौर के नंगल में बनी बाबा साहेब की मूर्ति पर खालिस्तानी स्लोगन उसकी शय पर लिखा गया है।

जालंधर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुरमीत सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मंड गांव में बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति शीशे से ढकी हुई थी, जिस पर कुछ अज्ञात लोगों ने गलत शब्दों का इस्तेमाल किया। पुलिस ने इस मामले में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की धाराओं के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसएसपी ने कहा कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और कुछ अहम सबूत भी मिले हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस मामले को सुलझाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसएसपी गुरमीत सिंह ने आगे कहा, यह शरारती तत्वों की साजिश है, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाकर पंजाब का माहौल खराब करना चाहते हैं। लेकिन पुलिस इस मामले को जल्द ट्रेस कर लेगी और किसी को भी राज्य की शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। ईद के मौके पर हुई इस घटना के बाद गांव नंगल और आसपास के इलाकों में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मूर्ति पर लिखे स्लोगन को मिटा दिया, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने से स्थिति और बिगड़ती जा रही है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है।

दलित समुदाय के लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। दलित समुदाय के नेताओं ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि भविष्य में बाबा साहब की मूर्ति का अपमान दोबारा हुआ, तो सड़कों पर प्रदर्शन किया जाएगा। समुदाय ने पुलिस को शिकायत सौंपकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एक प्रतिनिधि ने कहा, ईद के पवित्र अवसर पर हम सभी धर्मों के लोगों से भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हैं, लेकिन इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और जल्द ही इस घटना के पीछे शामिल लोगों को पकड़ने का दावा कर रही है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

डंकी रूट से अमेरिका भेजने वाला एजेंट अरेस्ट

अमृतसर, 31 मार्च (एजेंसियां)। डंकी रूट से अमेरिका भेजने की एवज में लाखों रुपए लेने और युवाओं को खतरे में डालने वाले एजेंट को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गगनदीप सिंह उर्फ गोल्डी है, जो दिल्ली के तिलक नगर का रहने वाला है। देश की राष्ट्रीय राजधानी में रहकर ये युवाओं को विदेश भेजने का लालच देकर लाखों रुपए इकट्ठे कर रहा था। मामला पंजाब के तरनतारन जिले के एक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसे दिसंबर 2024 में डंकी रूट के जरिए अमेरिका भेजा गया था। पीड़ित ने इस अवैध यात्रा के लिए आरोपी एजेंट को करीब 45 लाख रुपए दिए थे।

हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने 15 फरवरी को उसे भारत डिपोर्ट कर दिया। भारत लौटने के बाद पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पंजाब पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। घटनाओं को देखते हुए 13 मार्च को यह केस एनआईए को सौंप दिया गया। एनआईए ने 17 दिनों की कार्रवाई के बाद इस मामले में एजेंट का रोल अदा करने वाले गोल्डी को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए अब आरोपी से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। एनआईए जांच में खुलासा हुआ कि गोल्डी के पास विदेश भेजने का कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी।

ईद की नमाज के बाद भिड़ गए दो पक्ष, 10 से ज्यादा जख्मी

गुरुग्राम, 31 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में ईद पर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बिछोर थाने में आने वाले तिरवाड़ा गांव में हुई मारपीट की इस घटना में संबंधित दोनों पक्ष मुस्लिम समुदाय से संबंध रखते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी कोई रंजिश है। ईद के मौके पर सोमवार को जब एक पक्ष मस्जिद में नमाज करने के बाद वापस अपने घर जा रहा था, तब दूसरे ने उसपर हमला कर दिया। इस घटना में दस से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

मेरठ के सिवलखास में भी भिड़े दो मुस्लिम पक्ष

यूपी वेस्ट के सिवलखास से भी नमाज के बाद दो पक्षों के बीच संघर्ष की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां मुस्लिम समुदाय से जुड़े दो पक्षों में नमाज के बाद जमकर मारपीट हुई और मामला फायरिंग तक जा पहुंचा। यहां हुई घटना में आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह विवाद एक दिन पहले हुई किसी कहासुनी से जुड़ा था। इसी कहासुनी पर आज दोनों पक्ष ईद की नमाज के बाद भिड़ गए और इस वजह से मौके पर घटनास्थल पर भगदड़ मच गई।

सीएम ममता बोलीं-आज लाल और गेरुआ एक हुए

भाजपा-लेफ्ट पश्चिम बंगाल में दंगे भड़काना चाहते हैं, दोनों साथ मिलकर राजनीति कर रहे

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा जिले के मोथाबाड़ी में हुई हिंसा को लेकर भाजपा और लेफ्ट पर एक-दूसरे के साथ मिलकर राजनीति करने का आरोप लगाया। ममता ने बिना नाम लिए कहा कि ये दोनों पार्टियां मिलकर दंगे भड़काने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा- नवरात्रि चल रही है, मैं इसके लिए भी शुभकामनाएं देती हूं। लेकिन हम चाहते हैं कि कोई भी अशांति न फैलाए।

ममता सोमवार को ईद के अवसर पर कोलकाता में ईदगाह पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार दंगों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। वह सभी धर्मों के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार हैं।

ममता ने कहा- बहुमत का कर्तव्य अल्पसंख्यक की रक्षा करना है, और अल्पसंख्यक का कर्तव्य बहुसंख्यकों के साथ रहना है। हम किसी को दंगा नहीं करने देंगे। हमारी एक ही आवाज है, दंगे रोकना। दरअसल, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। इस दौरान भीड़ ने दुकानों, घरों और गाड़ियों में तोड़फोड़ और लूट की।

मोथाबाड़ी में 61 उपद्रवी गिरफ्तार, इंटरनेट बंद

राज्य के कानून-व्यवस्था के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) जावेद शमीम ने बताया कि मोथाबाड़ी में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और अब तक 61 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा- अब तक 19 मामले दर्ज किए गए हैं और 61 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जल्द ही स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। आज किसी भी तरह की हिंसा की घटना नहीं हुई है। हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को डीएम और एसपी से 3 अप्रैल तक एक्शन रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि राज्य को सावधानी से काम करना चाहिए। साथ ही हिंसा से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।

बीजेपी ने किया विरोध प्रदर्शन

मोथाबाड़ी हिंसा के खिलाफ बीजेपी ने विरोध प्रदर्शन किया था। बीजेपी का आरोप है कि राज्य सरकार हिंसा रोकने में नाकाम रही है। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा- 27 मार्च से मोथाबाड़ी में स्थिति तनावपूर्ण है। हिंदू मंदिरों और घरों में तोड़फोड़ की गई। उन्होंने कहा- मैंने राज्यपाल सीवी आनंद बोस से बात की है और गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय से भी संपर्क किया है। सवाल यह है कि बंगाल में ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। हमें शुक्रवार को हिंसा प्रभावित मोथाबाड़ी में जाने से रोका गया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने मोथाबाड़ी हिंसा को लेकर गवर्नर सीवी आनंद बोस को विट्ठी लिखी है।

शिवाजी पर टिप्पणी मामले में बुरे फंसे प्रशांत कोरटकर

कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर निवासी पूर्व पत्रकार प्रशांत कोरटकर की मुश्किलें लगातार बढ़ती ही रही है। जहां उनकी टिप्पणी पर मचे बयानबाजी के बीच कोल्हापुर की सत्र अदालत ने उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे छत्रपति संभाजी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस टिप्पणी के लिए कोरटकर को 24 मार्च को तेलंगाना से गिरफ्तार किया गया था।

बता दें कि रविवार को पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। चूंकि पुलिस ने उनकी आगे की हिरासत के लिए कोई दबाव नहीं डाला, इसलिए अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि सुरक्षा कारणों के चलते उन्हें कोल्हापुर की कलंबा जेल में एक अलग कोठरी में रखा जाएगा। गौरतलब है कि कोरटकर के खिलाफ 26 फरवरी को उनकी और कोल्हापुर के इतिहासकार इंद्रजीत सावंत के बीच हुई एक ऑडियो बातचीत के बाद मामला दर्ज किया गया।

बातचीत में कोरटकर ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसे सावंत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसके बाद कोरटकर की गिरफ्तारी की मांग उठी और उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। हालांकि इससे पहले, कोरटकर को गिरफ्तारी से बचाने के लिए 1 मार्च तक अंतरिम संरक्षण मिला था, लेकिन बाद में बॉम्बे हाई कोर्ट ने कोल्हापुर सत्र न्यायालय को मामले की सुनवाई करने को कहा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 1 अप्रैल, 2025

युविचार

आत्मविश्वास अगर कमजोर है तो उसे बढ़ाये बग़ैर इसके आप नहीं जीत पाओगे।

तेलंगाना ने दक्षिण-पूर्व एशिया में पहली खेप के साथ वैश्विक चावल निर्यात बाजार में प्रवेश किया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि तेलंगाना ने फिलीपींस को चावल की अपनी पहली खेप सफलतापूर्वक निर्यात की है, जो राज्य के अधिशेष धान के लिए वैश्विक बाजारों का दोहन करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। काकीनाडा बंदरगाह पर खेप को हरी झंडी दिखाने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि दिन में पहले ही 12,500 मीट्रिक टन चावल भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा, यह तेलंगाना के किसानों और हमारे कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि अनुकूल मिट्टी, जलवायु परिस्थितियों और कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदान किए गए सक्रिय समर्थन की बदौलत तेलंगाना एक प्रमुख धान उत्पादक राज्य के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि धान किसानों द्वारा उगाई जाने वाली मुख्य फसल है और उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, इस साल धान का वार्षिक उत्पादन लगभग 280 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) था, और हम अक्सर राज्य और केंद्रीय पूल के लिए आवश्यक से कहीं अधिक उत्पादन करते हैं। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार धान खरीद और संबंधित लागतों पर भारी खर्च कर रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की लागत प्राप्त करने में अनुचित देरी के कारण, हम ब्याज भुगतान के रूप में गंभीर वित्तीय बोझ का सामना कर रहे हैं। इस संदर्भ में, राज्य सरकार ने अधिशेष चावल को बेचने के लिए निर्यात विकल्पों की खोज की। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, हमें फिलीपींस के साथ एक अवसर मिला, जिसने तेलंगाना से चावल के नमूनों का गहन मूल्यांकन करने के बाद हमारे चावल के आयात में रुचि व्यक्त की। उन्होंने बताया कि तेलंगाना और फिलीपींस के अधिकारियों के बीच कई दौर की चर्चा हुई। उन्होंने बताया, गुणवत्ता की जांच करने के बाद, फिलीपींस सरकार ने तेलंगाना से शुरू में 1 एलएमटी चावल और 8 एलएमटी धान खरीदने का प्रस्ताव रखा। इसके आधार पर, एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (टीजीएससीएससीएल) और फिलीपींस सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले प्लांटर्स प्रोडक्ट्स इंक के बीच एक औपचारिक समझौता हुआ। समझौते में निर्दिष्ट किया गया है कि निर्यात किया जाने वाला चावल आईआर64/एमटीयू1010 किस्म का होगा, जिसमें 5 प्रतिशत टूटा हुआ, अच्छी तरह से पिसा हुआ, पॉलिश किया हुआ और सार्टेक्स गुणवत्ता वाला होगा। चावल को सख्त गुणवत्ता मापदंडों का भी पालन करना होगा, जिसमें न्यूनतम विदेशी पदार्थ, कम नमी सामग्री (14 प्रतिशत तक), और सीमित क्षतिग्रस्त, फीके और लाल दाने शामिल हैं। उन्होंने घोषणा की, निर्यात दर 36,000 रुपये प्रति मीट्रिक टन, काकीनाडा बंदरगाह को छोड़कर तय की गई। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना में 103 चावल मिलों ने इस निर्यात के लिए एमएसपी धान की पिसाई में भाग लिया। यह तो बस शुरूआत है। हमें पूरा विश्वास है कि तेलंगाना का चावल जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मजबूत पैठ बनाएगा, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा और इस उपलब्धि में उनकी भूमिका के लिए किसानों, चावल मिल मालिकों और नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि सरकार किसानों की आय में सुधार लाने और राज्य के वित्तीय बोझ को कम करने वाली पहलों का समर्थन करना जारी रखेगी।

निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण एवं कृमि मुक्ति शिविर

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वर्टेक्स पैनाचे कोकापेट, डॉ. सोनी पेट क्लिनिक में निवासियों और पालतू जानवरों की भलाई के लिए एक निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया गया। शहरी क्षेत्रों में रेबीज की रोकथाम की बढ़ती आवश्यकता को संबोधित करने के उद्देश्य से, अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार की कुत्तों की नस्लों को निःशुल्क टीका लगाया गया, जिसका संचालन हैदराबाद की वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. ऋचा सोनी ने किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया गया कि रेबीज़ एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनी हुई है, जिसके हर साल हज़ारों मामले सामने आते हैं।

डॉ. सोनी ने कहा कि इस घातक बीमारी को रोकने के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी तरीका है और इस तरह की पहल मनुष्यों और जानवरों दोनों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण हैं। बड़ी संख्या में निवासी अपने पालतू कुत्तों के साथ निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान का लाभ उठाने के लिए आए।

मुख्यमंत्री की गंदी भाषा में कोई बदलाव नहीं : जगदीश रेड्डी

सूर्यपेट, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता जगदीश रेड्डी ने आज आलोचना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की भाषा में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्हें गुस्सा इस बात पर आया कि मुख्यमंत्री यह भूलकर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं कि वे तेलंगाना के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की भाषा से उन्हें ही शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद पाने के बाद भी मुख्यमंत्री की मूर्खता कम नहीं हुई है। जगदीश रेड्डी हुजूरनगर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों से नाराज थे। उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री अपना समय उन्हीं सरासर झूठ और निरर्थक आरोपों में बिता रहे हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि सत्ता में आने के 15 महीने बाद भी मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बातों के बिना कोई विधानसभा नहीं हो सकती। यह केवल कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की छह गारंटियों के कारण है, राज्य के लोगों को रेवंत रेड्डी के मूर्खतापूर्ण शब्दों से नहीं, बल्कि धोखा दिया गया है। जगदीश रेड्डी ने कहा कि भले ही उन्होंने केसीआर को सौंपे जाने पर तीन दिनों में कालेश्वरम को पानी उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन सीएम रेवंत रेड्डी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में किसानों को फिर से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कहा कि किसान अपने खेतों पर आंसू बहा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि किसान और महिलाएं तंग आ चुके हैं, वे राज्य सरकार और सीएम रेवंत रेड्डी को कोस रहे हैं। सरकार किसानों की फसल ऋण माफी का कोई वादा नहीं कर रही है। कोई ऋतु भरोसा योजना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, राज्य में किसानों के लिए कोई बीमा योजना नहीं है। उन्होंने गुस्सा जताया कि सब कुछ छुपा दिया गया है और राज्य सरकार ने लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वास्तव में अनाज खरीद रही है क्योंकि उसे किसानों को बोनस देना है। उन्होंने कहा कि कितना अनाज उपलब्ध है, इस बारे में कहीं से कोई जवाब नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने विपक्षी नेताओं के फोन उठाने बंद कर दिए हैं। उन्होंने सवाल किया कि बारिश के मौसम में कितनी फसल खरीदी गई? उन्होंने मोटे चावल के लिए बोनस देने के वादे को बदलने पर गुस्सा जताया और कहा कि वह केवल अच्छे अनाज के लिए बोनस देंगे। उन्होंने कहा कि केसीआर पर जहर उगलकर सीएम के लिए सार्वजनिक क्षेत्र में रहना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग निडर होकर कांग्रेस सरकार के व्यवहार को सहन कर रहे हैं, जबकि उन्हें पता है कि वे अगले तीन साल तक सत्ता में रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रेवंत रेड्डी कह रहे हैं कि वह केसीआर को फांसी पर लटका देंगे और उन्होंने कहा कि वे दिन बहुत करीब हैं जब लोग रेवंत को फांसी देंगे। उन्होंने सलाह दी कि अगर लोग विद्रोह करते हैं, तो उन्हें पड़ोसी देशों को देखने पर पता चलेगा कि उनका क्या हाल हुआ है। जगदीश रेड्डी ने सुझाव दिया कि सीएम रेवंत रेड्डी को अपनी पद्धति और भाषा बदलनी चाहिए और किसानों से किए गए वादों को लागू करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सीएम को जवाब देना चाहिए कि उन्होंने पिछले साल कितनी अच्छी किस्म का धान खरीदा और कितना बोनस दिया, जबकि दावा किया कि रबी सीजन के धान की खरीद के लिए अभी तक कोई समीक्षा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर किसानों को पानी नहीं दिया गया तो वे अपने खेतों की खेती नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को पानी नहीं दिए जाने से हजारों एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है और कहा कि अगर उन्हें थोड़े समय के लिए पानी दिया जाता है, तो हजारों एकड़ फसल कट जाएगी। उन्होंने मांग की कि जमीन के आखिरी एकड़ तक पानी दिया जाए। वह चाहते हैं कि राज्य सरकार धान की खरीद पर तत्काल घोषणा करे। जगदीश रेड्डी ने याद दिलाया कि कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से मेडिगड्डा से 9 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारी कह रहे हैं कि कन्नेपल्ली पंप हाउस ठीक है, लेकिन उन्होंने कहा कि सरकार के पास इसे चलाने के साधन नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीएसए बहाने बनाकर कलेश्वरम में पानी आने से रोक रहा है। वह इस बात से नाराज हैं कि जब आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नियमों को रौंदकर पानी ले रहे हैं, तब यहां राज्य सरकार के पास साधन नहीं हैं। उन्होंने किसानों से जागने का आह्वान किया। उन्होंने कलेश्वरम परियोजना को जारी रखने के लिए एक और आंदोलन का आह्वान किया।

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को 7वीं डैन कराटे ब्लैक बेल्ट मिली

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) महेश कुमार गौड़ को सोमवार को हैदराबाद में ओकिनावा मार्शल आर्ट्स अकादमी द्वारा 7वीं डैन कराटे ब्लैक बेल्ट और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने वाईडब्ल्यूसीए में आयोजित तीन घंटे की प्रतियोगिता पूरी करने के बाद यह सम्मान अर्जित किया, जहां उन्होंने ब्लैक बेल्ट और प्रमाण पत्र दोनों हासिल किए। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने 7वीं डैन कराटे ब्लैक बेल्ट प्रमाण पत्र प्राप्त करने पर गर्व और खुशी व्यक्त की। कराटे मेरे जीवन का अभिन्न अंग है, और मैं अपने तनाव के स्तर की परवाह किए बिना हमेशा इसका अभ्यास करने के लिए समय निकालता हूं। उन्होंने आज के युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि कई माता-पिता शारीरिक गतिविधि की तुलना में प्रौद्योगिकी को प्राथमिकता देकर अपने बच्चों पर अनावश्यक मानसिक तनाव डालते हैं। टीपीसीसी अध्यक्ष ने जोर देकर कहा, शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए खेल और व्यायाम मौलिक होना चाहिए, और माता-पिता को अपने बच्चों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। कराटे एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में, उन्होंने कराटे प्रतियोगिताओं के आयोजन को प्राथमिकता देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में तीन लोगों को जेल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्मनगर पुलिस ने एक कार के चालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने तेज गति से गाड़ी चलाते हुए एक दुकान के सामने खड़ी दो बाइकों को टक्कर मार दी। जांच के दौरान पाया गया कि कार का चालक नशे में था और उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। एसएचओ फिल्मनगर पुलिस स्टेशन ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में बी. राज किरण, निवासी एनबीटी नगर, बंजारा हिल्स, बी. मल्लिकार्जुन, निवासी, बंजारा हिल्स, के. स्नेहित, निवासी , बंजारा हिल्स शामिल हैं। इनके पास से एक कार बरामद की गई है। जुबली हिल्स में काम करने वाले हशमतुल्लाह खान से शिकायत मिली, जिसमें उन्होंने कहा कि 28 मार्च को अपनी एक्टिवा बाइक को अपनी दुकान के सामने पार्क किया और काम पर चले गए। एक स्विफ्ट डिजायर कार तेजी से आई और बाइक को टक्कर मार दी। उनकी शिकायत पर पुलिस वहां पहुंची और कार के चालक को दो व्यक्तियों के साथ ले आई, जिन्होंने सभी ने शराब पी थी।

भीषण गर्मी से मिलेगी राहत

हैदराबाद में तापमान में गिरावट आने की संभावना

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लंबे समय से चली आ रही भीषण गर्मी के दौर के खत्म होने से हैदराबाद और तेलंगाना के जिलों के लोग इस सप्ताह तापमान में उल्लेखनीय गिरावट और बारिश के साथ अस्थायी राहत की उम्मीद कर सकते हैं। आईएमडी-हैदराबाद के सोमवार के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार से तेलंगाना राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने की उम्मीद है और यह शनिवार तक जारी रहेगा। मंगलवार को मौसम के अपरिवर्तित और शुष्क रहने की उम्मीद है। हालांकि, सोमवार को आईएमडी-हैदराबाद के अनुसार, बुधवार से शनिवार तक तेलंगाना में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट का अनुमान है।

आईएमडी-हैदराबाद ने बुधवार को तेलंगाना के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। निज़ामाबाद, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, जगतियाल और राजन्ना सिरसिला जिलों के अलग-अलग इलाकों में बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ बारिश होने की उम्मीद है। गुरुवार के लिए तेलंगाना राज्य के विकाराबाद, महबूबनगर, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गदवाल जिलों के लिए बिजली, तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) और ओलावृष्टि के साथ तूफान (उच्च तीव्रता) का नारंगी अलर्ट जारी किया गया है। उसी दिन (गुरुवार) को, तेलंगाना के निज़ामाबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, निर्मल, नलगोंडा, सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी, नगरकर्नूल जिलों के लिए बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी का पीला अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी-हैदराबाद द्वारा भारी तूफान, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के इसी तरह के पीले और नारंगी अलर्ट शुक्रवार और शनिवार के लिए बढ़ा दिए गए हैं।

3 अप्रैल को जाम्बुगा में आईटीडीए नर्सरी बाग की नीलामी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटीडीए परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने एक बयान में कहा कि आईटीडीए उटनूर क्षेत्र के अंतर्गत कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर मंडल में जम्बुगा बागवानी नर्सरी के आम के बागों की नीलामी 3 अप्रैल को होगी। उन्होंने कहा कि जाम्बुगा बाग में बंगिनापल्ली, दशहरी तोतापुरी, रसालू, हिमायत और लंगड़ा जैसी आम की संकर किस्में हैं। हालांकि, इस वर्ष की नीलामी तीन वर्षों के लिए आयोजित की जाएगी, अर्थात 2025, 2026 और 2027 फसल मौसम के लिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिसे भी बाग मिलेगा, उसे इन तीन वर्षों के दौरान उर्वरकों का प्रयोग तथा फसल सुरक्षा उपायों को पूर्ण पैमाने पर लागू करने जैसे प्रबंधन कार्य करने होंगे। इच्छुक व्यवसायी 5 लाख रुपये के लिए आवेदन कर सकते हैं। परियोजना अधिकारी ने सुझाव दिया कि बोलीदाता 3 अप्रैल को सुबह 11 बजे जम्बुगा गार्डन नर्सरी में आयोजित होने वाली सार्वजनिक नीलामी में 500 रुपये की बोली राशि के साथ भाग लें। 10,000/- (दस हजार रुपये) नीलामी में बाग जीतने वालों को आधी राशि तुरंत और शेष राशि एक सप्ताह के भीतर चुकाने की सलाह दी गई। यह स्पष्ट किया गया कि पूरी राशि का भुगतान होने के बाद ही मेवे तोड़ने की अनुमति दी जाएगी।

नया साल : प्रदूषण, साइबर अपराध, सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि की भविष्यवाणी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को शुरू हुए नए साल (विश्वावसु संवत्सरम) में देश में साइबर अपराध, प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं, तलाक की घटनाओं में वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है। यह भविष्यवाणी दिवंगत मुलुगु रामलिंगेश्वर वरप्रसादु सिद्धान्ती की बेटी, प्रसिद्ध ज्योतिषी मुलुगु शिवज्योति ने की है। अपने नए साल के पंचांग में, ज्योतिषी ने भविष्यवाणी की है कि वायु और जल प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में मिलावट और दुर्घटनाओं के कारण बड़े पैमाने पर जान जाने की संभावना है। साइबर ठगी करने वाले हर गुजरते दिन के साथ नए-नए तरीके ईजाद करेंगे और उन्हें रोकने का कोई तरीका नहीं है। लिए गए कर्ज को चुकाने में असमर्थता के कारण लोगों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ेंगी। तलाक की संख्या में भी वृद्धि होने की संभावना है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाएं आने की संभावना है, तथा समुद्र तट में भी बदलाव आने की संभावना है। तमाम विकासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाएं नहीं रुक पा रही हैं। हृदय संबंधी बीमारियां, मोटापा बढ़ने की संभावना है। भारतीय खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। महिलाओं को खेल, राजनीति और प्रशासन में भी पहचान मिलने की संभावना है। देश में बहुमूल्य हीरे, दुर्लभ धातुएं और खनिज मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बच्चों की खराब सेहत और बीमारियां विश्व में महत्वपूर्ण विषय बनने की संभावना है। मोटापा विश्वव्यापी समस्या बनने की संभावना है। इंडोनेशिया, मलेशिया, जापान, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका में प्राकृतिक आपदाएं आ सकती हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान में पानी की कमी होने की संभावना है। अमेरिका में तूफान, बाढ़ और भूकंप आने की संभावना है। विभिन्न देशों में आतंकवादी हमले बढ़ने की संभावना है।

बंडी संजय ने एचसीयू के छात्रों पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने आज हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों के आंदोलन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राज्य पुलिस द्वारा छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज क्रूर था।

सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना समाज में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जो एचसीयू भूमि मुद्दे और छात्रों पर आरोप के बारे में मीडिया में आए दृश्यों से आहत न हुआ हो। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा छात्रों को अमानवीय तरीके से हिरासत में लेना क्रूर था। उन्होंने यह भी कहा कि एचसीयू में एक भयावह माहौल बनाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को पुलिस द्वारा घसीटते हुए ले जाने के वीडियो देखना दर्दनाक था। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि रात में चोरों की तरह जेसीबी से विवादित भूमि को समतल किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस किस अधिकार से एचसीयू जा रही थी? उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को रोकना और गिरफ्तार करना क्रूर था, क्योंकि वे विश्वविद्यालय की भूमि नहीं बेचना चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन वीडियो को देखने के बाद हर कोई हैरान है। उन्होंने यह कहकर टिप्पणी की कि वे विश्वविद्यालय की 400 एकड़ जमीन बेच देंगे और राज्य पर शासन करेंगे। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना की कि यदि एचसीयू की जमीन नहीं बेची जाती तो वह तेलंगाना राज्य पर शासन करने की स्थिति में नहीं होती।

वह इस बात से नाराज थे कि राज्य सरकार एचसीयू की जमीन बेचने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक यार्ड रखने की स्थिति में भी नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी जमीनें बेच दी जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि न केवल एबीवीपी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, बल्कि उन्हें थाने में पीटा भी गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी बीआरएस पार्टी से ज्यादा अराजक है। उन्होंने मांग की कि एचसीयू की जमीनों की बिक्री तुरंत रोकी जाए। वह चाहते थे कि छात्रों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने सवाल किया कि अगर एचसीयू की जमीनें बेची जा रही थीं तो शिक्षा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने जवाब क्यों नहीं दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को ऐसी सरकार की जरूरत नहीं है जो राज्य की जमीन बेचकर शासन करे। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने कहा कि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय इस राज्य की राजधानी है। वह इस बात से नाराज हैं कि रेवंत सरकार कर्ज चुकाने के लिए एचसीयू की जमीन बेचने की सोच रही है। उन्होंने कहा कि वे दिन बीत रहे हैं जब कब्रिस्तानों और पार्कों के लिए जगह नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि रेवंत रेड्डी ऐसे बुरे फैसले क्यों ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिगामी फैसलों को छोड़कर कोई प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वह एचसीयू के छात्रों पर पुलिस के हमले की कड़ी निंदा करते हैं।

राजस्व अधिकारियों ने भूमि सीमांकन से किया इनकार

पर्यावरण संरक्षण का किया आह्वान

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 400 एकड़ भूमि का सीमांकन करने के लिए राजस्व अधिकारियों द्वारा जुलाई 2024 में विश्वविद्यालय परिसर का कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया था, जिसे राज्य सरकार ने 2006 में मेसर्स आईएमजी एकेडमीज भारत प्राइवेट लिमिटेड से वापस ले लिया था। यूओएच के रजिस्ट्रार डॉ. दिवेश निगम ने एक बयान में कहा कि अब तक की गई एकमात्र कार्रवाई भूमि की स्थलाकृति का प्रारंभिक निरीक्षण है। विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार से क्षेत्र में पर्यावरण और जैव विविधता को संरक्षित करने का भी आग्रह किया।

डॉ. निगम ने प्रेस में टीजीआईआईसी के इस बयान का खंडन किया कि विश्वविद्यालय भूमि के ऐसे सीमांकन के लिए सहमत है और कहा कि वास्तव में, भूमि का कोई सीमांकन नहीं किया गया है और न ही विश्वविद्यालय को सूचित किया गया है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने कहा कि विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि का कोई भी हस्तांतरण विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की औपचारिक सहमति से हो सकता है, जिसमें विश्वविद्यालय के विजिटर की हैसियत से भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त छह नामित व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय, जो एक प्रतिष्ठित संस्थान है, अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में राज्य सरकार से अपनी भूमि हस्तांतरित करने का अनुरोध कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हितधारकों के ज्ञापनों को सरकार के पास भेजेगा ताकि उठाए गए बिंदुओं पर पुनर्विचार किया जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी हितधारकों से सावधानी बरतने और असत्यापित जानकारी का प्रसार या समर्थन करने से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ उचित परामर्श के बिना इस तरह की गलत सूचनाओं का अनियंत्रित प्रसार दुर्भाग्य से एक आवर्ती मुद्दा बन गया है, जैसा कि हाल ही में कई मीडिया रिपोर्टों में उजागर किया गया है।

डिजिटल गिरफ्तारी मामले में महिला रियल एस्टेट एजेंट गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम के. रितिका (46) है, जो कोमपल्ली का एक रियल एस्टेट एजेंट है और कथित तौर पर पहले तेलंगाना के तीन मामलों सहित पूरे भारत में 32 मामलों में शामिल रहा है। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध महिला अपने साथियों के साथ मिलकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए अपने लक्ष्य से संपर्क करती है और खुद को सीबीआई, सीआईडी, साइबर क्राइम विभाग का अधिकारी बताती है। वे पुलिस की नज़रों से बचने के लिए पीड़ितों को सिर्फ़ इंटरनेट कॉल करते हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे पीड़ितों को यह कहकर धमकाते हैं कि वे धन शोधन, मानव तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों सहित गंभीर अपराधों में शामिल हैं और उन्हें डिजिटल रूप से गिरफ्तार किया जाता है। वे विभिन्न बहानों से पीड़ितों से पैसे ऐंठते हैं और फरार हो जाते हैं। यह धोखाधड़ी तब प्रकाश में आई जब हाल ही में हैदराबाद के एक पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके साथ 3.5 लाख रुपये की ठगी की गई थी। अन्य संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन रितिका को अब गिरफ्तार किया गया है।

छात्रों को तुरंत रिहा कराए सरकार

मानवाधिकार मंच ने की मांग

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मानवाधिकार मंच (एचआरएफ) हैदराबाद समिति ने सोमवार को तेलंगाना कांग्रेस सरकार से हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के सभी छात्रों को तुरंत रिहा करने की मांग की, जिन्हें रविवार को कांचा गच्चीबावली में वन क्षेत्र को साफ करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। यहां एक बयान में, एचआरएफ हैदराबाद के अध्यक्ष एम सुरेश ने प्रदर्शनकारी छात्रों की गिरफ्तारी सहित पुलिस की कठोर प्रतिक्रिया की निंदा की।

उन्होंने कहा कि कई छात्रों को जबरन विभिन्न पुलिस थानों में ले जाया गया, जबकि विभिन्न छात्र संगठनों के छात्र नवीन और रोहित पर गच्चीबावली पुलिस थाने में गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ इस तरह का दमन अस्वीकार्य है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। कांचा गाच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन की नीलामी के फैसले की निंदा करते हुए सुरेश ने नीलामी को तत्काल रद्द करने की मांग की। उन्होंने सरकार से 400 एकड़ जमीन विशेष रूप से यूओएच को आवंटित करने की मांग की। एचआरएफ हैदराबाद के महासचिव संजीव चाहते हैं कि पूरे विश्वविद्यालय की भूमि का व्यापक सर्वेक्षण किया जाए और भूमि को आधिकारिक तौर पर विश्वविद्यालय के नाम पर पंजीकृत किया जाए। उन्होंने क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन और ऐतिहासिक महत्व की रक्षा के लिए जैव विविधता का आकलन करने की भी मांग की।

ईद उल फितर पर सीएम योगी ने दी बधाई

बोले-ये प्रेम और भाईचारे का त्योहार

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद उल फितर की सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इसे खुशी और मेल मिलाप का संदेश देने वाला पर्व बताया है। त्योहार को देखते हुए प्रदेश भर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मुख्य मंत्री कार्यालय की तरफ से इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया गया। इस पोस्ट में ईद उल फितर की सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी गई। पोस्ट में कहा गया कि मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ईद-उल-फितर का त्योहार खुशी और मेल-मिलाप का संदेश लेकर आता है।

पोस्ट में आगे कहा गया कि खुशियों का यह त्योहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही, आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाता है। यह पर्व अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। इस पर्व पर सभी को सद्भाव तथा सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के मौलाना खालिद राशिद फिरंगी ने ईद-उल-फितर के मौके पर देशवासियों को मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश ईद का त्योहार मना रहा है। सुबह से ही बच्चे, बूढ़े और जवान नहा-धोकर ईदगाह की ओर जा रहे हैं। मौलाना ने लोगों से कुछ खास बातों का ध्यान रखने की अपील की। मौलाना ने कहा, "मैं सभी देशवासियों को ईद की दिली मुबारकबाद देता हूं। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया, फिरंगी महल, लखनऊ ने इस साल भी ईद एडवाइजरी जारी की है। मेरी गुजारिश है कि इसे मानें। जल्दी ईदगाह पहुंचें ताकि आपको वहां जगह मिल सके। जितना आगे खड़े होंगे, उतना ज्यादा सवाब मिलेगा। कोशिश करें कि नमाज ईदगाह के अंदर ही हो, सड़कों पर न पढ़ें। इससे कोई विवाद या परेशानी नहीं होगी।" उन्होंने आगे कहा, "ईद की नमाज से पहले गरीबों में फितरा जरूर बांट दें। इससे वे भी हमारी खुशियों में शामिल हो सकेंगे। ईद का दिन अल्लाह की ओर से रोजेदारों के लिए इनाम का दिन है। आज दुआएं कबूल होती हैं। अपने और परिवार के लिए दुआ करें, साथ ही देश की तरक्की और सुरक्षा के लिए भी दुआ मांगें।"

मौलाना ने इस मौके पर एकता और भाईचारे का संदेश दिया। मौलाना खालिद राशिद ने ईद को शांति और खुशी से मनाने पर जोर दिया। उनकी सलाह थी कि सड़कों पर नमाज से बचें, ताकि किसी तरह का विवाद न हो। ईद-उल-फितर के मौके पर संभल में पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शाही जामा मस्जिद में ईद की नमाज सुबह 9:30 बजे होगी। इस दौरान सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। यह मस्जिद पहले विवादों में रही है, इसलिए प्रशासन कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। नमाज सुबह 7:30 बजे से 8:30 बजे के बीच होगी। इसे शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि कोई परेशानी न हो।

चाक चौबंद कानून-व्यवस्था के बीच 31,500 जगहों पर हुई शांतिपूर्ण नमाज : डीजीपी

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की, जब पूरे प्रदेश में ईद की नमाज पूरी शांति और व्यवस्था के साथ संपन्न हुई। चाक चौबंद कानून-व्यवस्था के बीच 31,500 जगहों पर हुई शांतिपूर्ण नमाज अदा की गई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रदेशभर में 31,500 से अधिक स्थानों पर ईद की नमाज अदा की गई, और प्रशासन की पूर्व योजना एवं धर्मगुरुओं की अपीलों का सकारात्मक असर देखने को मिला। लोगों ने निर्धारित स्थलों पर ही नमाज पढ़ी, जिससे यातायात और आम जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ। ईद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशभर में व्यापक इंतजाम किए गए थे। सिविल पुलिस और पैरामिलिट्री बलों को तैनात किया गया, साथ ही ड्रोन के जरिए संवेदनशील इलाकों की निगरानी की गई। डीजीपी ने बताया कि पहली बार प्रदेशव्यापी स्तर पर टेथर्ड ड्रोन का उपयोग किया गया, जो पहले राममंदिर उद्घाटन और महाकुंभ 2025 जैसे बड़े आयोजनों में सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा चुका है।

अखिलेश बोले-पुलिस ने मुझे ईदगाह आने से रोका

आधे घंटे तक फ्लीट रोके रही; मैं तानाशाही समझूं या इमरजेंसी

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ईद पर लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया। कहा-जब मैं यहां आ रहा था तो जानबूझकर पुलिस ने मुझे रोक लिया। आधे घंटे तक मैंने बातचीत की। इसके बाद मुझे आगे जाने दिया गया। जब मैंने जानना चाहा कि आखिरकार ऐसा क्यों किया जा रहा है तो किसी अधिकारी के पास कोई जवाब नहीं था।

मैं इसे क्या समझूं? तानाशाही या इमरजेंसी। क्या ऐसा दबाव इसलिए बनाया जा रहा है कि हम दूसरे लोगों के समारोह में शामिल न हों? मुझे भी याद है कि मैं पहली बार पिताजी (मुलायम यादव) के साथ यहां आया था। तब से हर साल यहां आता हूं और लोगों को बधाई देता हूं। बीजेपी यह देश संविधान से नहीं चला रही है। वहीं, इस मामले में डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव से बात की गई तो उन्होंने कहा-हो सकता है किसी वजह से रुके हों, इसकी पूरी जानकारी मुझे नहीं है।

भगोड़ा आईएएस मुख्यमंत्री आवास में छिपा

आईएएस अभिषेक प्रकाश मुद्दे पर अखिलेश ने कहा-सीएम का सबसे प्रिय अधिकारी लापता है। भगोड़ा साबित हो गया है। मुझे किसी से जानकारी मिली है कि वह आईएएस अधिकारी सीएम आवास में छिपा हुआ है। गाय के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा-गाय के बारे में हमसे ज्यादा कौन जानता होगा? बीजेपी वाले गाय और सांड की गिनती नहीं बताएंगे। न मरने वाले की गिनती बताएंगे। बजट आखिर कहां खर्च हो रहा है, ये भी नहीं बताएंगे। बीजेपी सरकार सिर्फ चुनावी फायदे के लिए फैसले ले रही है। लोगों को मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है। यह सरकार इज ऑफ डूइंग करप्शन, इज ऑफ डूइंग एंड टेकिंग कमीशन, इज ऑफ डूइंग घोटाला को छिपा रही है। इस सरकार में जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही। पुलिस-प्रशासन से लेकर मीडिया तक को खरीदने की कोशिश हो रही है।

मैं चाहता हूं कि सीएम बिहार जाएं

ममता बनर्जी सही कह रही हैं, बिहार और बंगाल में बीजेपी झूठा प्रचार कर रही है। मैं चाहता हूं कि सीएम बिहार जाएं। बीजेपी ने अब तक जितने भी फैसले लिए हैं, वो सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए लिए हैं।ज्यादातर देश के दल वक्फ बिल के खिलाफ है। सपा भी इस बिल का विरोध करती है और ये बिल जब सदन में आएगा इसका विरोध किया जाएगा।

ताला कारीगर को इनकम टैक्स ने भेजा 11करोड़ का नोटिस

पत्नी टीबी की मरीज, पीड़ित बोला-वकील करने के लिए 100 रुपए भी नहीं है

अलीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ में जूस विक्रेता को आयकर विभाग से आए 7.76 करोड़ के नोटिस का मामला अभी शांत नहीं हुआ है कि अब किराए के मकान में रहने वाले ताला कारीगर को आयकर विभाग ने 11.11 करोड़ का नोटिस दे दिया है। जिस परिवार की दिनभर की 200 रुपए की भी कमाई नहीं है, आयकर का नोटिस मिलने के बाद पूरे परिवार के होश उड़ गए हैं।

पीड़ित कारीगर ने बताया कि वह ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है। जब नोटिस उसके पते पर आया तो उस पर हिंदी में आयकर विभाग लिखा था। लेकिन जब लिफाफा फाड़कर देखा तो वो अंग्रेजी में था। इसलिए हम पढ़ नहीं पाए। मैंने जब अपने जानने वाले एक लोग से इसे पढ़वाया तो तब जाकर पता चला कि यह तो आयकर विभाग से 11 करोड़ का नोटिस आया है। इसके बाद से ही पूरा परिवार परेशान है। अब हम रूखी सूखी रोटी भी नहीं खा पा रहे हैं। नौरंगाबाद के डिप्टीगंज निवासी योगेश शर्मा ताला कारीगर हैं। वह ताला फैक्ट्री में काम करते हैं और जो मजदूरी मिलती है। उसी से किसी तरह परिवार का भरण पोषण करते हैं। वर्तमान में योगेश किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। उनकी पत्नी बीमार रहती है और उनका इलाज चल रहा है। दो छोटे बच्चे हैं एक 3 साल का है और दूसरा 5 साल का है। पीड़ित योगेश ने बताया कि उनकी पत्नी प्रीती शर्मा को टीबी है। ढाई साल से उसका इलाज चल रहा है। कई बार ऐसा दिन भी देखना पड़ता है, कि घर में खाने तक के लिए भी रुपए नहीं बचते हैं। किसी तरह बच्चों को रूखा-सूखा खिलाकर सूला देता हूं। हम मियां-बीबी पानी पीकर ही सो जाते हैं। किराए के मकान में तो रह रहे हैं लेकिन मंहगाई इतनी है कि पूरा ही नहीं पड़ता है। बिजली का बिल भी नहीं दे पाए हैं। जिसकी वजह से मकान की बिजली भी कट गई है। इस परिस्थितियों में करोड़ों रुपए का यह नोटिस देखकर मेरा और मेरी पत्नी की हालत खराब हो गई है।

तालाब में डूबने से दो बच्चे की मौत

औरंगाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के औरंगाबाद के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नेहुटी गांव में तालाब में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों में प्रमोद प्रसाद गुप्ता के 7 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार और विनोद प्रसाद गुप्ता के 5 वर्षीय पुत्र राजकुमार शामिल हैं। सोमवार को दोनों बच्चे गांव की पानी टंकी के पास स्थित पोखर के किनारे खेल रहे थे।

जानकारी के अनुसार, खेलते समय अचानक प्रिंस का पैर फिसल गया और वह पोखर में गिर गया। पानी अधिक होने के कारण वह डूबने लगा और चीखने लगा। अपने भाई को बचाने के लिए राजकुमार ने भी पोखर में छलांग लगा दी, लेकिन गहरे पानी में दोनों डूब गए। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने बच्चों की खोजबीन शुरू की। खोज के दौरान पोखर में प्रिंस का शव तैरता हुआ दिखा।

महंत राजू दास का विवादित बयान

गाजी और पाजी का टाइम खत्म, अब राष्ट्रवादियों का दौर

सुल्तानपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या के हनुमानगढ़ी के प्रसिद्ध संत महंत राजू दास ने सुल्तानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि गाजी और पाजी का टाइम खत्म हो गया है, अब राष्ट्रवादियों का टाइम शुरू हुआ है। महंत ने कुशभवनपुर में लगने वाले मेले पर आपत्ति जताते हुए इसे चोर, नीच, लुटेरे, बलात्कारी और राष्ट्रद्रोही लोगों का मेला करार दिया और शासन-प्रशासन से इसे प्रतिबंधित करने की मांग की। महंत राजू दास ने मीडिया से बातचीत में कहा, जो पूर्ववर्ती सरकारें इस मेले को लगाने की अनुमति देती थीं, अब इसे बैन करना चाहिए। यह सभी सनातनियों, हिंदुओं और भारतवासियों की मांग है। ऐसे आतंकवादियों और अपराधियों का मेला लगना, जिन्होंने लाखों मंदिर तोड़े हों, मां-बहनों की इज्जत लूटी हो और कत्लेआम किया हो, कतई ठीक नहीं है। उन्होंने प्रशासन के हालियां प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वहां रोक लगाई गई और मेला रुका भी। महंत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में बालोचियों के साथ कत्लेआम हो रहा है, मां-बेटियों के साथ बलात्कार हो रहा है, उन्हें गोली मार दी जा रही है। यह नाइंसाफी है। मानवाधिकार कहां चला गया? बालोचियों के साथ दुर्व्यवहार पर सब चुप क्यों हैं? उन्होंने सिंध को अलग देश बनाने की वकालत करते हुए कहा,पाकिस्तान के तीन टुकड़े होने चाहिए। मैं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मांग करता हूं कि संयुक्त राष्ट्र में इस विषय को उठाया जाए और चर्चा हो। वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर महंत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे बकवास बोर्ड और जमीन हड़पने का बोर्ड करार दिया। उन्होंने कहा, देश सेक्युलर है, हिंदू हिंदुस्तान है। फिर भी यहां मुसलमान हैं। इस्लामिक कानून को बढ़ावा देना, वक्फ बोर्ड और मुसलमानों के अन्य कानून लागू करना ठीक नहीं है। जब एक देश, एक विधान, एक संविधान है और भारत को सेक्युलर बना दिया गया है, तो इस्लामिक कानून क्यों? उन्होंने मुस्लिम आबादी को लेकर भी सवाल उठाया, उनकी 40 करोड़ जनसंख्या हो गई है, फिर उन्हें अल्पसंख्यक क्यों कहा जा रहा है? यह बयान सुल्तानपुर के चौक में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान आया।

जिला युवा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संयोजकत्व में भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ और चैत्र नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में यह आयोजन रविवार रात को हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महंत राजू दास ने मां दुर्गा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। महंत राजू दास अपने विवादित बयानों के लिए पहले भी सुर्खियों में रहे हैं। अयोध्या के हनुमानगढ़ी के प्रमुख पुजारी के रूप में उनकी पहचान सनातन धर्म और राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रबल समर्थक की रही है। उनके इस ताजा बयान से एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में बहस छिड़ने की संभावना है।

प्रेमिका के चक्कर में अपराधी बना था शॉर्प शूटर अनुज

> मुख्तार गैंग में ऐसे हुआ था शामिल > एसटीएफ के हाथों ढेर

गाजीपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईएस-191 गैंग के सरगना मरहूम गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के शॉर्प शूटर एवं ढाई लाख के इनामी बदमाश अनुज कन्नौजिया को एसटीएफ के हाथों झारखंड में ढेर होने के बाद गाजीपुर जिले के अपराध जगत से लेकर पुलिस विभाग तक हलचल मच गई है।

शादी के बाद रीना को भी अपराध जगत में धकेला

अनुज पर गाजीपुर जिले में सात मुकदमे दर्ज हैं। इनमें एक ऐसी घटना भी शामिल हैं, जो 2009 में तब सार्वजनिक हुई। जब दुल्लहपुर में एक युवक की हत्या उसने दोस्तों के साथ मिलकर कर दी। उसने इस वारदात को अपनी प्रेमिका रीना राय के चक्कर में अंजाम दिया, जिसकी खूबसूरती का वह दीवाना था। बाद में अनुज ने रीना से शादी कर ली लेकिन अपने साथ उसे भी अपराध जगत में धकेल दिया।

अलग-अलग जिलों में दर्ज हैं 23 मुकदमे

मऊ जिले के चिरैयाकोट थानाक्षेत्र के बहलोलपुर गांव निवासी अनुज दोनों हाथों से पिस्टल चलाने में माहिर था। इसी खूबी के चलते वह मुख्तार अंसारी गैंग का सक्रिय सदस्य बन गया और शॉर्प शूटरों में गिना जाने लगा। उसके नाम हत्या, लूट, छिनैती, धमकी जैसे संगीन अपराधों की लंबी फेहरिस्त है। उस पर अलग-अलग जिलों और थानों में 23 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें सात मुकदमे गाजीपुर के थानों में ही दर्ज हैं। यहां उस पर गैंगस्टर से लेकर हत्या तक के आरोप हैं। एसटीएफ की ओर से जारी सूचना के मुताबिक वर्ष 2024 में शहर कोतवाली में उस पर गैंगस्टर सहित चार मुकदमे और 2009 में दुल्लहपुर थाने में तीन मुकदमे दर्ज किए गए। बताते हैं कि अनुज वर्ष 2009 तक दुल्लहपुर, चिरैयाकोट, आजमगढ़ इलाकों में सक्रिय था। यहां उसके गुर्गे भी अपराध में लिप्त थे। यहीं एक दुकान पर वह खूब आता था।

दुकानदार की पोती रीना राय की खूबसूरती का दीवाना था अनुज

दुकानदार की पोती रीना राय की खूबसूरती का वह दीवाना हो गया था। धीरे-धीरे दोनों की प्रेम कहानी शुरू हो गई, जिसका खुलासा 20 अप्रैल 2009 को हुई मनोज वर्मा की हत्या के पुलिस वर्कआउट के समय हुआ। रीना के दादा की दुकान के बगल में मेडिकल स्टोर है, जहां सिक्के वाला पीसीओ बॉक्स लगा था। पीसीओ पर अनुज का फोन आता और दुकानदार संजय वर्मा उसे बुलाता लेकिन कुछ दिन बाद बात बिगड़ गई। शक और गुस्से में आकर अनुज और उसके दोस्त 20 अप्रैल 2009 को संजय वर्मा के मेडिकल स्टोर पर धमक गए। इस साजिश में रीना भी शामिल थी लेकिन बदमाशों ने गलतफहमी में संजय की जगह उसके भाई मनोज वर्मा की हत्या कर दी। दुल्लहपुर बाजार में हुई यह घटना आज भी लोगों को याद है। मामले में अनुज कनौजिया और उसकी प्रेमिका रीना समेत उसके अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। उधर, व्यापारी वर्ग में बढ़ता आक्रोश देख पुलिस ने रीना और उसके कुछ साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मंत्री नंदी ने अखिलेश यादव पर किया कटाक्ष

प्रयागराज, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूपी सरकार में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर करारा प्रहार किया है। अखिलेश यादव द्वारा गौशालाओं को लेकर दिए गए विवादित और आपत्तिजनक बयान पर नंदी ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर आपत्ति जताई है।

एक्स पर उन्होंने लिखा-गाय के गोबर में दुर्गन्ध ढूंढना अखिलेश यादव के मानसिक दिवालियेपन का लक्षण है। उनकी बुद्धि कुंद तो पहले से ही थी, लेकिन तुष्टिकरण के दिमागी बुखार ने उसे शून्य कर दिया है। मंत्री ने कहा कि दुनिया भर में रहने वाले सनातनी गौमाता की पूजा मां के रूप में करते हैं। शास्त्रों के अनुसार गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास है। गौमाता के गोबर से बने गौरी-गणेश के बिना हर धार्मिक अनुष्ठान अधूरा है।

तीन तलाक, हलाला और श्रद्धा जैसे हत्याकांड पर अंकुश लगाएगा यूसीसी

बरेली में बोले उत्तराखंड के सीएम

बरेली, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून संविधान का मूल है, जिसे उत्तराखंड में लागू करके संविधान निर्माताओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। समान कानून से तीन तलाक, हलाला जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। लिव इन रिलेशनशिप पंजीकरण से दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड नहीं होंगे। कानून लागू करने की वजह ये भी है कि ऐसी घटनाओं को देख नहीं सकता। उम्मीद है कि देवभूमि की नदियों की भांति ये कानून भी पूरे भारत तक पहुंचेगा। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बरेली में स्वागत किया गया। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में सोमवार का आयोजित स्वागत और अभिनन्दन समारोह में धामी ने कहा कि कानून लागू होने के बाद से जब भी उत्तराखंड की मुस्लिम महिलाएं उनसे मिलती हैं तो आभार जताती हैं। क्योंकि इस कानून से एक धर्म विशेष में व्याप्त कुरीतियों से भी निजात मिल है है। मामूली बातों पर तीन बार तलाक कहकर घर से बाहर नहीं निकाला जा सकता। अब कोई आफताब किसी श्रद्धा को जाल में फंसकर टुकड़े-टुकड़े नहीं कर सकता। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम एक सशक्त भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में अनेक निर्णय लिए गए हैं। पीएम मोदी के कार्यों से प्रेरणा लेते हुए हमने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी के लिए एक समान व्यवस्था, एक समान कानून सुनिश्चित करना है। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं मेयर उमेश गौतम ने कहा कि उत्तराखंड में ऐसे देवस्थल हैं, जिनके बारे में लोगों को पता नहीं था, उसे छिपाकर रखा था।

सीएम नीतीश की पार्टी जदयू के एमएलसी पहुंचे लालू यादव के पास, गुलाम गौस ने मुलाकात की बताई वजह

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजनीतिक महकमे में पिछली बार सरकार के सहयोगी दल और विधायकों के इधर-उधर जाने की चर्चाएं जोरों पर थी। वह मकर संक्रांति का समय था। उस समय एनडीए के सहयोगी और चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस अंधेरे में लालू प्रसाद यादव से मिलने गये थे। खेमा बदलने की चर्चा इसलिए होने लगी थी क्यों कि पशुपति पारस पिछले दरवाजा से राबड़ी आवास प्रवेश किये थे। ठीक उसी तरह की चर्चा आज फिर उस समय होने लगी, जब जदयू एमएलसी गुलाम गौस राबड़ी आवास पहुँच गये और लालू प्रसाद यादव के साथ-साथ राबड़ी देवी से भी मुलाकात की। जी हां वह जदयू के एमएलसी गुलाम गौस हैं, जिन्होंने आज राबड़ी आवास में लालू यादव से मुलाकात की है। उनकी इस मुलाकात के अब कई मायने निकाले जा रहे हैं। राबड़ी आवास पर जदयू एमएलसी गुलाम गौस राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव से मुलाकात किये। बातचीत भी हुई। लालू प्रसाद यादव से मिलकर जब गुलाम गौस बाहर निकले तो पत्रकारों ने इस मुलाक़ात के मतलब पूछने लगे।

कलश शोभायात्रा पर पथराव : छह आरोपी गिरफ्तार, 45 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी-मुर्गा मारने के विवाद से भड़का तनाव

दरभंगा, 31 मार्च (एजेंसियां)। दरभंगा के कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के केवतगामा पंचायत के पछियारी टोला में कलश शोभायात्रा के दौरान पथराव की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने 45 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है, जबकि छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना को लेकर ग्रामीण एसपी आलोक ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पथराव से जुड़े वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है। ग्रामीण एसपी आलोक के अनुसार, इस विवाद की शुरुआत एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुई। कार्यक्रम के दौरान एक मुर्गे को मारने को लेकर दोनों समुदायों में कहासुनी हो गई, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए मारपीट और फिर पथराव में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। इलाके में फिलहाल पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। पुलिस ने स्थानीय पदाधिकारियों और चौकीदार की मदद से आरोपियों की पहचान की। पहचान किए गए 45 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनमें से छह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही, लेकिन पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से माहौल शांतिपूर्ण है। ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है। पुलिस प्रशासन ने साफ किया कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मोहम्मद शमी के बहन-बहनोई समेत 12 से होगी दस लाख की वसूली, केस में आया नाम

अमरोहा, 31 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेटर मोहम्मद शमी के बहन-बहनोई का पंजीकरण मनरेगा मजदूर के रूप में होने और उनके खाते में मजदूरी के पैसे आने के मामले में वसूली होगी। डीसी मनरेगा अमरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि जोया ब्लॉक के पलौला गांव में मनरेगा में गड़बड़ी की रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी। डीएम के निर्देश पर नोटिस और रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी। मोहम्मद शमी की बहन शबीना की शादी जोया ब्लॉक के पलौला गांव निवासी गजनबी के साथ हुई है। शबीना की सास गुले आयशा गांव की प्रधान हैं। कुछ दिन पहले यह जानकारी सामने आई थी कि शबीना, उसके पति और दो देवर का नाम मनरेगा मजदूर के रूप में दर्ज है। इस मामले की डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में यह जानकारी सामने आई कि मनरेगा में मजदूरी पाने को प्रधान के परिवार की और से फर्जीवाड़ा किया गया है। शबीना और गजनबी समेत परिवार के आठ लोगों ने मजदूरी हासिल की है। जांच में सामने आया है कि शबीना ने 71013, उनके पति गजनबी ने 66561, देवर शेखू ने 55312, नसरुद्दीन ने 71704, आमिर सुहेल ने 63851, ननद नेहा ने 55867, सरिया ने 54645 व सबा रानी ने 17020 रुपये की मनरेगा मजदूरी चार सालों में हासिल की है।

पीएम मोदी के संघ मुख्यालय दौरे को संजय राउत ने बताया रिटायरमेंट प्लान

सीएम फडणवीस ने किया पलटवार

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी के नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के दौरे को शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रिटायरमेंट प्लान बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी सितंबर में रिटायरमेंट लेने की योजना बना रहे हैं। वे पिछले 10-11 साल में आरएसएस मुख्यालय नहीं गए लेकिन अब वह यहां संघ प्रमुख मोहन भागवत को टाटा, बाय बाय बोलने गए थे। वहीं महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को उत्तराधिकारी की जरूरत नहीं है। वे कई वर्षों तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे।

संजय राउत ने यह कहा

शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा कि आरएसएस देश के राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव चाहता है। मोदी संभवतः सितंबर में अपना सेवानिवृत्ति आवेदन लिखने के लिए आरएसएस मुख्यालय गए होंगे। पीएम मोदी का समय समाप्त हो गया है। अब वह बदलाव चाहते हैं। इसके अलावा वह नए भाजपा अध्यक्ष को भी चुनना चाहते हैं। संजय राउत का इशारा भाजपा के कुछ नेताओं के 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होने की ओर था। पीएम मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे।

सीएम फडणवीस ने दिया जवाब

संजय राउत के बयान पर सीएम फडणवीस ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 2029 में हम मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखेंगे। उनके उत्तराधिकारी की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं और पद पर बने रहेंगे। सीएम ने कहा कि नेता के सक्रिय रहते हुए उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा करना भारतीय संस्कृति में अनुचित है। यह मुगल संस्कृति है। इस पर चर्चा करने का समय अभी नहीं आया है। वहीं वरिष्ठ आरएसएस नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री को बदलने की किसी चर्चा की जानकारी नहीं है।

पीएम मोदी गए थे संघ मुख्यालय

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को 11 साल बाद नागपुर स्थित संघ मुख्यालय गए थे। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को... हमारे राष्ट्र की चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां भी सेवा कार्य किया जा रहा है, वहां स्वयंसेवक हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी पहली बार आरएसएस मुख्यालय गए। इससे पहले भाजपा के दिग्गज नेता दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी ने 27 अगस्त, 2000 को प्रधानमंत्री रहते हुए यहां का दौरा किया था।

कुट्टू का आटा खाने से बीमार पड़े कई लोग

हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे सीएम धामी और स्वास्थ्य मंत्री

देहरादून, 31 मार्च (एजेंसियां)। कुट्टू का आटा खाने कई लोग बीमार पड़ गए। राजधानी के कोरोनेशन और दून अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज़ भर्ती हैं। सीएम धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने देहरादून जिला अस्पताल में जाकर बीमार हुए लोगों का हालचाल जाना।

इस दौरान उन्होंने मरीजों को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल प्रशासन को दिशा निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि कुट्टू का आटा खाने से फूड प्वाइजनिंग हुई है। लगभग सौ से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इस घटना के कारणों की जांच के लिए डॉ रावत ने स्थानीय प्रशासन को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं विकासनगर, पटेलनगर, कोतवाली क्षेत्र से देहरादून के विभिन्न स्टोरों ,गोदामों में कुट्टू का आटा वितरित किया गया है।

केंद्र की 'वैक्सीन कूटनीति' को थरूर ने सराहा

भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर बोले 'देर आए दुरुस्त आए'

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पीएम मोदी की वैक्सीन कूटनीति पर अब कांग्रेस के नेताओं का मन बदलने लगा है। कभी ये लोग वैक्सीन कूटनीति पर सवाल खड़े करते थे, लेकिन आज पीएम मोदी की तारीफ कर रहे हैं। अच्छी बात है, देर आए दुरुस्त आए। दरअसल, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की 'वैक्सीन कूटनीति' पहल की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने भारत की ग्लोबल सॉफ्ट पावर को मजबूत किया। शशि थरूर द्वारा पीएम मोदी की कोविड-19 वैक्सीन कूटनीति की प्रशंसा करने पर भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि शशि थरूर और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने हाल ही में मन बदल लिया है।

हाल ही में, उन्होंने स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में भारत की कूटनीति उचित थी। यदि आप दुनिया भर में किसी से भी पूछेंगे, तो वे इस बात से सहमत होंगे कि भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकट के दौरान छोटे देशों को सराहनीय सहायता प्रदान की। कांग्रेस नेता पहले इनकार करते थे।

कांग्रेस के लोग कहते थे कि यह सही दृष्टिकोण नहीं था। लेकिन आज, कांग्रेस के नेता भी इसे स्वीकार करने लगे हैं। अच्छी बात है, देर आए, दुरुस्त आए। बता दें, ये पहली बार नहीं है जब थरूर पीएम मोदी की नीतियों की प्रशंसा कर रहे हों। हाल ही में, उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की थी। केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा राज्य के सांसदों से वक्फ संशोधन बिल पर की गई अपील पर भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि प्रत्येक भारतीय- चाहे वह ईसाई, बौद्ध, सिख, हिंदू या मुस्लिम हो, उन्हें अपनी संपत्ति की रक्षा करने का समान अधिकार मिले। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि केरल के कांग्रेस पार्टी के सांसद, विशेष रूप से, इस अपील को सुनेंगे, सकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे और केरल और मुनंबम के लोगों के लिए जो सही है, वह करेंगे। उन्होंने आगे कहा, आज उनके लिए अपना कर्तव्य पूरा करने और मुनंबम के लोगों के साथ खड़े होने का अवसर है। लेकिन, विपक्ष तो इसे एक मुद्दा बनाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। मुस्लिम संगठनों ने भी यह माना है कि यह वक्फ संशोधन बिल हमारे खिलाफ नहीं है।

छह ड्रग तस्कर और पोस्त की खेती करने वाले चार लोग पकड़े

दो उग्रवादी भी किए गए गिरफ्तार

इंफाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बल लगातार नशा तस्करों और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। पुलिस ने सोमवार को छह ड्रग तस्कर, पोस्त की खेती करने वाले चार लोगों को पकड़ा। इसके साथ ही दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। कांगपोकपी जिले में छह ड्रग तस्करों और चार पोस्त की खेती करने वालों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि ड्रग तस्करों की पहचान खैखाओ किपगेन उर्फ जॉन (40), लेटगौमांग टौथांग उर्फ अमोन (33), आबी बराल (28), जितेन खरका (22), एल एच रानीरौ (42) और लिआ चाओ (44) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 174 साबुन के डिब्बों में छिपाया गया ब्राउन शुगर और एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया।

वहीं कांगपोकपी जिले के सोंगजांग गांव में अवैध पोस्त की खेती में शामिल होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जांगगौलेन किपगेन (41), लेटगिनलाल किपगेन (41), कामगिनलेन किपगेन (25) और थांगमिनलेन किपगेन (34) के रूप में हुई। उधर दो जिलों में प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने रविवार को जिरीबाम जिले के निंगसिंगखुल से थोइदम सुरेश सिंह उर्फ लेम्बा (34) नामक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। संगठन के एक अन्य उग्रवादी की पहचान सलाम मालेमंगनबा सिंह उर्फ वांगलेन (23) के रूप में हुई। उसे शनिवार को बिष्णुपुर जिले के उपोकपी से पकड़ा गया। इसके अलावा टेंग्नौपाल जिले में मोलनोम-सेनाम इलाके से आईईडी, हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया गया। आईईडी के अलावा तीन देशी भारी मोर्टार लांचर, दो 7.62 एमएम और 7.65 एमएम देशी पिस्तौलें और मैगजीन, चार एके-47, छह एसएलआर और छह 12 बोर कारतूस और 200 ग्राम बारूद जब्त किया गया।

केसीबीसी ने की वक्फ बिल का समर्थन करने की अपील

रिजिजू बोले-विधेयक किसी समुदाय के खिलाफ नहीं

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन की अपील की है। संगठन के इस कदम का केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विधेयक किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा कि मैं केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा केरल के सभी सांसदों से मंत्री और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के अनुरोध का स्वागत करता हूं। राजनीति में शामिल लोगों का यह कर्तव्य है कि वे हमारे लोगों की समस्याओं और चुनौतियों का ध्यान रखें और उनका समाधान करें।

रिजिजू ने कहा कि उदाहरण के लिए केरल के मुनंबम में सैकड़ों परिवार पीड़ित हैं और अपनी संपत्तियों और घरों की सुरक्षा के लिए समाधान की तलाश कर रहे हैं। यह अधिनियम किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह कुछ लोगों के दिमाग में जहर घोलने के लिए फैलाया जा रहा दुष्प्रचार है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और हमारी सरकार हर भारतीय नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने का प्रयास करती है और ऐसा करना जारी रखेगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि केरल के सभी सांसद सभी लोगों के हित में इस विधेयक का समर्थन करेंगे और तुच्छ तुष्टिकरण की राजनीति के लिए लोगों के हितों की बलि नहीं चढ़ाएंगे।

कुछ शक्तिशाली लोगों ने वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जो वक्फ विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे शक्तिशाली लोग हैं। उन्होंने वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है। वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि विधेयक असांविधानिक है। आलोचना करना सबका अधिकार है, लेकिन उसका कुछ सार होना चाहिए। धार्मिक रेखाओं से परे जाकर कई संगठन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। विधेयक गरीब मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में है। इससे वक्फ बोर्ड के तहत संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

निर्मला सीतारमण ने किया स्वागत

केसीबीसी के कदम का केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा उठाया गया यह एक स्वागत योग्य कदम है। केरल के कैथोलिक बिशपों ने केंद्र के वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन किया है।

जेपीसी ने इस बिल में 14 धाराओं और क्लॉज में कुल 25 संशोधन किए हैं। संशोधित बिल को19 फरवरी को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन किया जाता है, लेकिन भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अतिक्रमण की शिकायतें लगातार आती रही हैं। नए संशोधन बिल में इन समस्याओं को दूर करने के लिए डिजिटलीकरण, सख्त ऑडिट, पारदर्शिता बढ़ाने और अवैध कब्जे वाली संपत्तियों को वापस लेने के कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं।

विजिलेंस ब्यूरो का एक्शन : डेढ़ लाख रिश्वत मांगने वाले एसआई और एएसआई को दबोचा

सीएम से शिकायत पर कार्रवाई

होशियारपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने होशियारपुर के बुल्लोवाल पुलिस स्टेशन में तैनात सब-इंस्पेक्टर रमन कुमार और उसके अधीनस्थ सहायक सब-इंस्पेक्टर गुरदीप सिंह को एक लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सतर्कता ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि होशियारपुर जिले के असलपुर गांव के एक निवासी द्वारा मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार निरोधक कार्रवाई लाइन पर दर्ज कराई गई ऑनलाइन शिकायत की जांच के बाद यह गिरफ्तारियां की गईं हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भतीजे के खिलाफ उक्त थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज थी तथा उक्त पुलिसकर्मी उसके बेटे को एनडीपीएस एक्ट की धारा 29 के तहत इस मामले में फंसाने की धमकी दे रहे थे। शिकायत के अनुसार उक्त एएसआई ने एसएचओ की ओर से उसके बेटे को केस से हटाने की एवज में 1,50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

ट्रेन में छूटा लैपटॉप-कागजात से भरा बैग; देवदूत बनकर आए ट्रेन मैनेजर ने की यात्री की मदद

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रेल में आम तौर पर यात्राओं के दौरान मुसाफिरों को कई खट्टे-मीठे अनुभव होते हैं। इस मामले में एक यात्री का अनुभव डरावना होने के साथ-साथ रोमांचक और सकारात्मक भी रहा। दरअसल, नई दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस में गलती से चढ़े एक यात्री का बैग ट्रेन में ही छूट गया। बैग वापस पाने में मदद करने वाले ट्रेन मैनेजर ने शानदार समन्वय करते हुए यात्री को उसका बैग वापस पाने में मदद की। खबर के मुताबिक इस बैग में यात्री का महंगा लैपटॉप और महत्वपूर्ण दस्तावेज रखा था। नई दिल्ली स्टेशन पर छूटे बैग को अंबाला में बरामद किया गया।

किसानों का प्रदर्शन : मान सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, विधायकों और मंत्रियों के घरों का घेराव

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में किसानों ने अब पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने आज पूरे राज्य में विधायकों और मंत्रियों के घरों का घेराव किया है। मोगा में किसानों ने विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा के घर के बाहर धरना लगाया। किसानों ने कहा कि पंजाब पुलिस ने 19 मार्च को शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर किसानों के धरना को हटा दिया था। पंजाब पुलिस ने बॉर्डर खाली कराने के लिए किसानों को हिरासत में ले लिया था। इसके विरोध को लेकर किसानों ने आज पंजाब भर में कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के घरों का घेराव करने का ऐलान किया था। किसानों का आरोप है कि पंजाब सरकार ने उनके साथ जबरदस्ती की है। क्योंकि किसान अपनी मांगों को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर शांत तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। 19 मार्च को पुलिस ने बल पूर्वक किसानों को वहां से खदेड़ दिया। किसानों के टेंड उखाड़ दिए और उनके सामान को नष्ट कर दिया गया। इसके विरोध में किसान पंजाब के मंत्रियों और विधायकों के घरों का घेराव कर रहे हैं।

काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज

फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर-मंत्री बोले उन्माद की कोशिश बर्दाश्त नहीं

भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। देशभर के साथ मध्यप्रदेश में भी आज सोमवार को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जा रहा है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम समेत सभी शहरों के ईदगाह और मस्जिदों में सुबह नमाज-ए-खास अदा कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई। भोपाल में कई मुस्लिम धर्मावलंबी बांह पर काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने पहुंचे। वे वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध कर रहे थे। वहीं, ईदगाह के बाहर कुछ युवा फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर लेकर खड़े नजर आए। मोती मस्जिद में भी यमन और फिलिस्तीन के साथ वक्फ बोर्ड की जायदाद की हिफाजत के लिए भी दुआ पढ़ी गई।

वक्फ अमेंडमेंट बिल को लेकर मध्यप्रदेश के मुफ्ती-ए-आजम मौलाना मुशाहिद रजा कादरी ने विरोध जताया है। उन्होंने इस विधेयक को मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ बताया। जबलपुर में मीडिया से बातचीत में मुफ्ती-ए-आजम ने कहा कि सरकार समाज में विभाजन पैदा कर रही है। उन्होंने सरकार के बुलडोजर अभियान की भी आलोचना की। कहा कि जब अदालतें मौजूद हैं, तो इस तरह की कार्रवाई उचित नहीं है।

वैष्णो देवी में वाहनों की फिटनेस में कोताही नहीं

बैटरी कार सेवा की मुफ्त सुविधा; मैनुअल पासिंग होगी बंद

जम्मू, 31 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में वाहनों की मैनुअल आधार पर पासिंग बंद होगी। इसके स्थान पर अब स्वचालित परीक्षण केंद्र (ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन) में वाहनों की पासिंग की जाएगी। इसके लिए परिवहन विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने केंद्र शुरू करने के लिए इच्छुक लोगों से आवेदन मांगे हैं। हर जिले में एक केंद्र खोलने की योजना है, ताकि प्रदेश में वाहनों की फिटनेस जांच में पारदर्शिता लाई जा सके।

प्रदेश में बढ़ते सड़क हादसों को रोकने में यह योजना काफी मददगार साबित होगी। जिला स्तर पर वाहनों की जांच स्वचालित व वैज्ञानिक तरीके से करने के लिए नवीनतम उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। मशीन-आधारित परीक्षण से अधिक पारदर्शिता आएगी। मोटर वाहन निरीक्षकों (एमवीआई) की ओर से आरटीओ स्तर पर मैनुअल परीक्षण बंद किए जाएंगे।

इससे वाहनों की फिटनेस जांच में किसी तरह की कोताही नहीं होगी। अभी वाहनों की फिटनेस जांच मैनुअल होती है। एमवीआई वाहन के इंजन से लेकर अन्य पुर्जों की जांच स्वयं करता है। इस पर हमेशा से प्रश्न उठते रहे हैं। अब केंद्र खुलने से इस तरह की शिकायतें बंद होंगी। फिलहाल आवेदन मांगे गए हैं। सुविधा शुरू होने में समय लगेगा। परिवहन आयुक्त विशेषपाल महाजन ने कहा कि यह उन लोगों के लिए एक अवसर है, जो रोजगार प्रदाता बनना चाहते हैं। इससे सिर्फ योग्य वाहन ही सड़क पर दौड़ सकेंगे। लोग परिवहन आयुक्त कार्यालय जम्मू और श्रीनगर में आवेदन कर सकते हैं।

'संरक्षित स्मारक है, लेकिन महिमामंडन नहीं, औरंगजेब विवाद पर एक बार फिर बोले सीएम फडणवीस

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस बात पर पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी भी तेज है। इसी बीच एक बार इस मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। जहां सोमवार को उन्होंने कहा कि चाहे लोग मुगल बादशाह औरंगजेब को पसंद करें या न करें, उनकी कब्र एक संरक्षित स्मारक है और इसे नहीं हटाया जाएगा, लेकिन महिमामंडन भी नहीं होने दिया जाएगा। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने ये भी कहा कि कानून के दायरे से बाहर की संरचनाओं को हटाया जाना चाहिए।

औरंगजेब के कब्र पर तनाव जारी

बता दें कि फडणवीस का यह बयान उस समय आया है जब दक्षिणपंथी संगठन, विशेष रूप से विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी), छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद शहर में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग कर रहे हैं। इस मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए थे और अफवाहें थीं कि पवित्र शिलालेखों वाली चादर जलाए गए, जिसके बाद इस महीने की शुरुआत में नागपुर में हिंसा भी भड़क उठी थी। हालांकि अब नागपुर की स्थिति नियंत्रण में है। फडणवीस ने कहा कि कोई भी देशभक्त इसका समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को इस पहल के बारे में सही जानकारी लेनी चाहिए और इसे समर्थन देना चाहिए। साथ ही फडणवीस ने ब्रिटिश इतिहासकार टीबी मैकाले के एक लेख का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस पत्र में कहा गया था कि जब तक तत्कालीन शिक्षा प्रणाली में बदलाव नहीं किया जाता, तब तक अंग्रेज देश पर शासन नहीं कर पाएंगे। ध्यान रहे कि सोनिया गांधी ने नई शिक्षा नीति को लेकर आरोप लगाया था कि केंद्र शिक्षा को सांप्रदायिक बनाने का प्रयास कर रहा है। इसके अलावा, बैंकों में मराठी के उपयोग की मांग पर भी सीएम फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यक हो, वहां भाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए।

दुकानों के बाहर लिखा जाए मालिक का नाम, बीजेपी विधायक ने की सीएम रेखा गुप्ता से मांग

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में यूपी की तरह दुकाने में नेम प्लेट लगाने की मांग तेज हो गई है। दिल्ली में बीजेपी के विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने विधायक ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मांग की है कि नवरात्रि और ईद के चलते दुकानदारों को दुकान में नेम प्लेट लगाने को अनिवार्य किया जाए। सीएम रेखा गुप्ता को पत्र लिखे पत्र में बीजेपी विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा है कि दुकानदार नवरात्रि और ईद के मौके पर अपनी दुकानों के बाहर नेम प्लेट लगाएं। सरकार से इसके लिए गाइडलाइन जारी करने की मांग भी कर दी गई है। न्यूज एजेंसी ने तरविंदर सिंह मारवाह का सीएम रेखा गुप्ता को लिखा पत्र भी शेयर किया है। बीजेपी विधायक ने पत्र में लिखा कि जैसे-जैसे नवरात्रि और ईद नजदीक आ रही है, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उत्सव आपसी सम्मान और सद्भाव के साथ मनाए जाएं।

'मुख्यमंत्री और मंत्रियों की बयानबाजी ने बढ़ाई नफरत'

बीड विस्फोट मामले में सपा विधायक का तीखा हमला

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड में हुए मस्जिद विस्फोट मामले में राज्यभर में सियासी गर्माहट तेज है। वहीं अब इस मामले में विपक्षी नेता ने राज्य सरकार पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए है। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी ने भी महाराष्ट्र सरकार पर इस विस्फोट को लेकर निशाना साधा है। सोमवार को उन्होंने कहा कि यह विस्फोट मुसलमानों के खिलाफ राज्य के मंत्रियों और मुख्यमंत्री द्वारा की गई बयानबाजी का नतीजा है, जिसके कारण आम जनता में मुसलमानों के प्रति नफरत पैदा हुई है।

मंत्रियों के बयानबाजी को बताया जिम्मेदार

अबू आजमी ने आगे कहा कि जब मंत्री और मुख्यमंत्री रोज मुसलमानों के खिलाफ कुछ कहते हैं, तो इससे लोगों के मन में नफरत बढ़ेगी, और यही विस्फोट का कारण है। उन्होंने इस घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आजमी ने यह भी कहा कि अगर कोई मुसलमान ऐसा करता, तो जल्दी ही बुलडोजर की कार्रवाई होती, लेकिन लगता है कि इस मामले में कार्रवाई के लिए बुलडोजर पंचर हो गया है। इसके साथ ही आजमी ने कहा कि अगर मैं किसी को विस्फोट में शामिल देखता हूं, तो मैं सख्त कार्रवाई की मांग करूंगा। उन्होंने कहा कि एनआईए और एटीएस को इसकी जांच करनी चाहिए। अगर कोई मुस्लिम ऐसा करता, तो बहुत जल्दी बुलडोजर चला दिया जाता, लेकिन इस मामले में कुछ नहीं हो रहा।

वारिस पठाने ने भी उठाए सवाल

आजमी से पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने महाराष्ट्र सरकार से बीड में मस्जिद में हुए विस्फोट के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने सरकार से गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपियों के खिलाफ कड़ी सजा देने का आग्रह किया।

पठान ने भी भाजपा पर पर साधा निशाना

पठान ने भी एएनआई से बात करते हुए कहा कि विस्फोट करने वाले लोग भाजपा नेताओं द्वारा दिए जाने वाले नफरत भरे भाषणों से प्रेरित होते हैं। सरकार को इस मामले में आरोपियों के खिलाफ यूएपीए कानून लागू करना चाहिए, और उनके मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानबाजी के लिए भाजपा नेताओं को भी दंडित किया जाना चाहिए जो रोज़ नफरत फैलाते हैं। अगर ऐसा किया जाए, तो हम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोक सकते हैं।

बीड में मस्जिद विस्फोट, एक नजर

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के बीड जिले के अर्धा मसला गांव में रविवार सुबह एक मस्जिद में विस्फोट हुआ। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति ने मस्जिद में जिलेटिन की छड़ें रखी थीं, जिससे यह विस्फोट हुआ। घटना सुबह करीब 2:30 बजे हुई, लेकिन राहत की बात ये थी कि किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई। हालांकि विस्फोट से मस्जिद के अंदर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं जांच के बाद अब पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 1 अप्रैल - 2025

अफस्पा फिर बढ़ाया गया

पूरे मणिपुर सहित पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर्स एक्ट (अफस्पा) को छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। ये एक्ट सशस्त्र बलों को उथल-पुथल वाले इलाकों में खास ताकत देता है। जब तक सरकार मंजूरी न दे तब तक फोर्स पर कोई केस नहीं चलाया जा सकता। मणिपुर के 13 पुलिस स्टेशनों के इलाकों को इससे बाहर रखा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक अफस्पा कानून की मियाद नगालैंड के आठ जिलों और अन्य पांच जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्रों में भी छह महीने के लिए बढ़ाया गया है। ऐसे में सवाल है कि इसे बार-बार क्यों बढ़ाना पड़ रहा है? बता दें कि अफस्पा कानून उन इलाकों में लागू होता है जिन्हें सरकार अशांत मानती है। इसके तहत सेना बिना वारंट के तलाशी ले सकती है, किसी को गिरफ्तार कर सकती है और जरूरत पड़ने पर गोली भी चला सकती है। मणिपुर में मई 2023 से मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई, जिसमें 250 से ज्यादा लोग मारे गए। फिलहाल हिंसा कम जरूर हुई है लेकिन तनाव बरकरार है। नवंबर 2024 में जिरिबाम जिले में छह लोगों की हत्या ने फिर से माहौल गरमा दिया। इसके बाद लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया और नेताओं के घरों पर हमले भी हुए। ऐसी घटनाएं साबित करती हैं कि मणिपुर में हालात नाजुक है। रविवार को केंद्र सरकार ने मणिपुर के पूरे राज्य में अफस्पा कानून को बढ़ाया, सिवाय 5 जिलों के 13 पुलिस स्टेशनों के इलाकों के। नगालैंड के 8 जिलों और 5 अन्य जिलों के 21 पुलिस स्टेशनों में भी इसे बढ़ाया गया। अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग, लोंगडिंग और नामसाई जिले के कुछ हिस्सों में भी यह लागू रहेगा। पूर्वोत्तर के लोग लंबे समय से अफस्पा को काला कानून कहते हुए हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अफस्पा सेना को इतनी ताकत देता है कि कई बार आम लोगों के साथ नाइंसाफी हो जाती है। बता दें कि अफस्पा की जड़ें 1942 में अंग्रेजों के बनाए कानून से जुड़ी हैं, जब इसे क्विट इंडिया मूवमेंट को दबाने के लिए लाया गया था। 1958 में इसे नए रूप में लागू किया गया। नगालैंड में नगा आंदोलन के दौरान इसे पहली बार पूर्वोत्तर में लगाया गया। मणिपुर में 1980 से यह चल रहा है। मानवाधिकार संगठन इसे 'मानवाधिकारों का उल्लंघन' मानते हैं। दूसरी ओर सरकार का कहना है कि पूर्वोत्तर में उग्रवादी समूह अभी भी सक्रिय हैं। मणिपुर में हथियारों की लूट और हिंसा की घटनाएं आम बात है। सेना का मानना है कि बिना अफस्पा के वह प्रभावी तरीके से काम नहीं कर सकती। हाल ही में सेना ने मणिपुर के कुछ और इलाकों को अफस्पा कानून के दायरे में लाने की मांग की थी। सवाल यह है कि 40-50 साल से चल रहा यह कानून कब तक रहेगा? असम जैसे कुछ राज्यों से इसे धीरे-धीरे हटाया जा रहा है, लेकिन मणिपुर और नगालैंड में यह बार-बार बढ़ाया जा रहा है। मणिपुर में प्रदर्शनकारी कहते हैं कि हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकता। उनका मानना है कि सरकार को राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं का हल ढूंढना चाहिए, न कि सेना के भरोसे बैठना चाहिए। दिसंबर 2024 में इंफाल में हुए विरोध में लोगों ने कहा, हमें आत्मनिर्णय का अधिकार चाहिए, दमन नहीं। कई संगठन चाहते हैं कि सरकार बातचीत से रास्ता निकाले, न कि अफस्पा जैसे सख्त कानूनों से। इससे तो पूर्वोत्तर की हालत और भी बदतर होने की गुंजाइश से इनकार नहीं किया जा सकता।

कभी अन्नदाता तो कभी आमलोगों को रुलाता टमाटर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह कैसी विडंबना है कि टमाटर की खेती करने वाले काश्तकारों को आज टमाटर की लागत तो दूर तुड़वाई के पैसे भी नहीं मिल पा रहे हैं। मध्य प्रदेश की मण्डियों से आ रहे समाचार केवल मध्यप्रदेश के टमाटर उत्पादक किसानों की ही पीड़ा व्यक्त नहीं कर रहे अपितु देश की अधिकांष मण्डियों में टमाटर के भाव औंधे मुंह गिर गए हैं। कुछ समय पहले ही गृहणियों की रसोई में टमाटर का तड़का मुश्किल हो गया था और टमाटर के खुदरा भाव 200 रु. प्रति किलो को छू गए थे आज वहीं टमाटर देश की किसी किसी मण्डी में तो एक रु. प्रति किलो से भी कम में बोला जा रहा है। ऐसे में किसान अपनी बदनसीबी के आंसू बहाते हुए सड़कों पर फेंकने, पशुओं को खिलाने या मण्डियों में बिखेरने को मजबूर हो रहे हैं।

आज गली मौहल्ले में फेरी लगाकर बेचने वाले सब्जी विक्रेता ही 10 से 15 रु. किलों में टमाटर बेच रहे हैं। खुदरा में टमाटरों के भाव कम होने से आम नागरिकों को तो तात्कालीक फायदा हो रहा है पर उत्पादक किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। यह केवल इस बार की ही समस्या नहीं है अपितु प्रतिवर्ष इस तरह के हालातों से किसानों को दो चार होना पड़ता है। देखा जाएं तो टमाटर ना कोई से दोस्ती और ना कोई से प्रेम वाली कहावत को चरितार्थ करता रहा है। साल में मौका मिलने पर पहले आमनागरिकों को रुलाता है तो फिर आमलोगों को थोड़ी राहत देते हुए उत्पादक काश्तकारों को रुलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता।

लगभग यही स्थिति प्याज की कई सालों से चली आ रही है। जहां तक टमाटर के उत्पादन की बात है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक टमाटर उत्पादन करने वाला देश है। टमाटर के उत्पादन में भी चीन पहले पायदान पर है तो तुर्की, अमेरिका, मिस्र तीसरे, चौथे और पांचवें पायदान पर है। कहने को तो यह कहा जाता है कि टमाटर का उद्गम देश दक्षिणी अमेरिका, पश्चिमी तटीय प्रदेश माना जाता है। मैक्सिको से टमाटर सारी दुनिया में पहुंचा है। टमाटर धीरे धीरे रसोई का प्रमुख उपयोगी बन गया। यह भी माना जाता है कि 16 वीं शताब्दी में पुर्तगाली खोजकर्ताओं के साथ टमाटर ने हमारे देश में प्रवेश किया और आज यह घर घर की जरुरत बन गया। इसे विलायती भंटा या विलायती बैंगन भी कह कर पुकारा जाता रहा है। छत्तीसगढ़ के जशपुर टमाटर देश की सबसे बड़ी मण्डी मानी जाती है तो आंध्र प्रदेश टमाटर का सर्वाधिक उत्पादक प्रदेश माना जाता है। वैसे टमाटर की पैदावार समूचे देष में होती है और टमाटर के सहउत्पाद खासतौर से टमाटर कैचअप, टमाटर सॉस, टमाटर सूप आदि से कंपनियां बारे न्यारे कर रही हैं। जहां तक टमाटर की गणित समझने का सवाल उठता है विशेषज्ञों का मानना है कि टमाटर की खेती में काश्तकार की एक से दो लाख रु. तक की लागत प्रति एकड आती है और यह भी माना जाता है कि सामान्य परिस्थितियों में 400 से 420 क्विंटल टमाटर की पैदावार काश्तकार प्रति एकड़ तक ले लेते है। अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक बरसात और ओलावृष्टि से सबसे अधिक टमाटर की फसल प्रभावित होती है। कीट प्रकोप के कारण भी टमाटर की पैदावार पर सीध असर पड़ता है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि जब टमाटर की फसल तैयार होकर बाजार में आती है तो टमाटर की भावों में तेजी से गिरावट आने लगती है। इसका व्यापारी दोहरा लाभ उठाते हैं। एक तो ज्यादा से ज्यादा टमाटरों की खरीद कर निजी कोल्ड स्टोरेज में जमा कर देते हैं और मौके बेमौके बाजार में कृतिम अभाव पैदा कर दोहरा लाभ कमा लेते हैं।

नेपाल में बढ़ रही है हिन्दू राष्ट्र की मांग

अशोक भाटिया

पड़ोसी देश नेपाल में आगजनी ,हिंसा और तोड़फोड़ का दौर एक बार फिर शुरू हो गया हैं। दो लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों घायल हुए है। हालात को कंट्रोल करने के लिये कई जगहों पर कर्फ़्यू लगाया गया। प्रदर्शनकारी वहां पर पुरानी राजशाही बहाली की मांग कर रहे है। वह फिर से नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की स्थापना की बात कर रहे है। 'महल खाली करो, हमारे राजा आ रहे...', इस तरह के नारे लगाते हुए नेपाल में राजशाही की वापसी की मांग को लेकर लोग सड़कों पर हैं और लगातार लोकतांत्रिक सरकार का विरोध कर रहे हैं। पुलिस प्रदर्शनकारियों पर जमकर लाठियां बरसा रही है। वहीं सेना भी मोर्चे पर तैनात कर दी गई है, लेकिन उग्र भीड़ का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। बताया जाता है कि हिंसा में कई लोग घायल हुए है व दो लोग मरे भी जा चुके है . दरअसल, नेपाल में 2008 तक राजशाही थी और नेपाल हिंदू राष्ट्र था। राजशाही खत्म होने के बाद सरकारें कुछ खास बदलाव नहीं कर सकी, इसके उलट नेपाल में पलायन बढ़ गया। आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। एक अनुमान के मुताबिक विश्व के करीब 52 से अधिक देशों में हिन्दू रहते है जिसमे भारत , नेपाल , फिजी , सूरीनाम और मारीशस में हिन्दू बहुसंख्यक है । नेपाल में भारत की सीमा से लगे एरिया में कई हिंदू संगठन सक्रिय हैं और उन्ही के द्वारा देश को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर अभियान चलाये जा रहे हैं। इन संगठनों में विश्व हिंदू परिषद और हिंदू स्वयं सेवक संघ बड़े नाम हैं। तराई क्षेत्र खासकर जनकपुर वाले हिस्से में इन संगठनों की सक्रियता ज्यादा नजर आ रही है और इनकी ओर से की गईं ऐसी कई चीजें आपको दिखेंगी जो बताती हैं कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित कराने के लिए यह लोग कितने सक्रिय हैं। पर बड़ा सवाल ये है कि आखिर धर्म निरपेक्ष से अचानक नेपाल 'हिंदू राष्ट्रवाद' की तरफ क्यों बढ़ने लगा ? इसको समझने के लिए पहले नेपाल के पुराने इतिहास को समझना जरुरी है । ईसा से करीब 1000 साल पहले नेपाल छोटी-छोटी रियासतों और कुलों के परिसंघों में बंटा था। गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने 1765 में नेपाल की एकता की मुहिम शुरू की और 1768 तक इसमें सफल हो गए। यहीं से आधुनिक नेपाल का जन्म हुआ। राजवंश के पांचवे राजा राजेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने नेपाल की सीमा के कुछ इलाक़ों पर क़ब्ज़ा किया। 1815 में लड़ाई छिड़ी, इसका अंत सुगौली संधि से हुआ। 1846 में राजा सुरेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में, जंग बहादुर राणा एक शक्तिशाली सैन्य कमांडर के रूप में उभरे। कुछ दिन बाद राजपरिवार ने उनके आगे घुटने टेक दिए और उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया गया। इसके साथ ही इस पद को वंशानुगत मान लिया गया। 1923 में ब्रिटेन ने नेपाल के साथ एक संधि की और इसकी स्वतंत्रता को स्वीकार किया। 1940 के दशक में नेपाल में लोगों ने देश में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। तब भारत की मदद से राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम शाह नए शासक बने। नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र के समय में नेपाल में राजशाही के खिलाफ व्यापक आंदोलन शुरू हुआ। सन 1959 में राजा महेंद्र बीर बिक्रम शाह ने लोकतांत्रिक प्रयोग को समाप्त कर पंचायत व्यवस्था लागू की। 1972 में राजा बीरेंद्र बिक्रम शाह ने राजकाज संभाला। 1989 में लोकतंत्र के समर्थन में जन आंदोलन शुरु हुआ और राजा बीरेंद्र बीर बिक्रम शाह को सांवैधानिक सुधार स्वीकार करने पड़े। फिर मई 1991 में पहली बहुदलीय संसद का गठन हुआ। वहीं 1996 में माओवादी आंदोलन शुरू हो गया। एक जून 2001 को नेपाल के राजमहल में हुए सामूहिक हत्या कांड में राजा, रानी, राजकुमार और राजकुमारियां मारे गए। अब राजा के भाई ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने फ़रवरी 2005 में राजा ज्ञानेंद्र ने माओवादियों के हिंसक आंदोलन के दमन के लिए सत्ता अपने हाथ में ली और सरकार को बर्ख़ास्त कर दिया। नेपाल में एक बार फिर जन आंदोलन शुरू हुआ और अब राजा को सत्ता जनता के हाथों में सौंपनी पड़ी और यहां संसद को बहाल करना पड़ा। 28 मई 2008 में संसद ने एक विधेयक पारित करके नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया। हाल ही में अन्य धर्मों की आबादी बढ़ते देख हिंदू संगठन अब यहां ज्यादा सक्रिय हो गए हैं। यही नहीं हर सरकार खुले या छिपे तौर पर नेपाल को हिन्दू राष्ट्र के तौर पर देखती है। नेपाली कांग्रेस में भी इसके समर्थन वाले लोग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में, 1,500 पार्टी प्रतिनिधियों में से लगभग आधे ने हिंदू राज्य के पक्ष में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में हिंदू पहचान बहाल करने के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। 20 हिंदू धार्मिक संगठनों ने मिलकर एक हिंदू राज्य की इच्छा जताई। नेपाल में 80 फीसदी हिन्दू और 10 ईसाई हैं पर यहां पिछले कुछ साल में धर्मांतरण के मामले बढ़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा समय में दक्षिण कोरिया और पश्चिम बंगाल के अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन धर्मांतरण में लगे हैं। अभी नेपाल में ईसाई आबादी तेजी से बढ़ी है। नेपाल में 2021 में हुई जनगणना की रिपोर्ट से पता चलता है कि यहां मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ रही है । नेपाल के राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मुताबिक, नेपाल में तब 2.367 करोड़ हिन्दू, जबकि मुस्लिम 23.945 लाख हैं । प्रतिशत के हिसाब से देखें तो नेपाल में अभी 81.19% हिन्दू हैं, दूसरे नंबर पर 8.21% अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म दूसरे नंबर पर हैं। मुस्लिम आबादी में यहां तेजी से इजाफा हो रहा है और इनकी जनसंख्या का प्रतिशत 5.09% है।वहीं,1.76% ईसाईहैं। 2011 में हिन्दुओं की जनसंख्या 81.3% थी, मतलब हिन्दुओं की जनसंख्या 0.19% कम हुई है। वहीं बौद्ध समाज जनसंख्या का 9% हिस्सा था, इस हिसाब से बौद्धों की संख्या भी 0.79% कम हुई है। वहीं 2011 में मुस्लिम आबादी 4.4% थी जो 0.69% बढ़ी है। ईसाई पहले 0।5% ही थे, जो अब 1।26% ज़्यादा हो गए हैं ।अपने पिछले कार्यकाल के दौरान नेपाल के पीएम केपी ओली ने हिंदू राष्ट्रवादी भावना को खूब हवा दी। वह काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा करने वाले पहले कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री थे। उन्होंने मंदिर को 2. 5 मिलियन डॉलर का सरकारी धन भी दान दिया था। ओली ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर आयोजित पूजा समारोह के बाद मैडी में राम की मूर्ति स्थापित की। दूसरी तरफ नेपाली कांग्रेस में भी कई ऐसे नेता हैं जो धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में नहीं हैं। नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा ही जब भारत आए थे तो यहां उन्होंने वाराणसी का दौरा किया, जो एक प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल है। इसी तरह वर्तमान प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल ने अपनी भारत यात्रा के दौरान उज्जैन के एक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में ₹हिंदू पहचान बहाल करने₹ के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। लगभग उसी समय, अन्य 20 हिंदू धार्मिक संगठन ने एक हिंदू राज्य के रूप में नेपाल की स्थिति को बहाल करने के लिए देवघाट में एक संयुक्त मोर्चा बनाया। भारत में हिन्दूत्व कार्ड लगभग सभी पार्टियों द्वारा खेला जाना और फायदा मिलना भी एक कारण है कि नेपाल का हर नेता इस कॉनसेप्ट में विश्वास रखता है। इस बार जो अशांति का माहौल है और उसके लिए चीन की दखलअंदाजी को जिम्मेदार माना जा रहा है, जिसने पहले भी किसी सरकार को हिमालयी देश में स्थिर होने की इजाजत नहीं दी है और लगातार अड़चनें पैदा की हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, नेपाल में दंगा-रोधी पुलिस ने नेपाल के पूर्व राजा के हजारों समर्थकों को रोकने के लिए लाठियों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिन्होंने राजशाही की बहाली और देश की हिंदू राज्य की पूर्व स्थिति की मांग के लिए राजधानी के केंद्र तक मार्च करने का प्रयास किया था।

नक्सलवाद के खात्मे के लिए वैचारिक काउंटर भी जरुरी

मुनीष त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के केरलापाल इलाके में 29 मार्च को सुरक्षा बलों ने एक बड़ी मुठभेड़ में 18 नक्सलियों को मार गिराया है। क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया सूचना मिली थी। जिले के केरलापाल थानाक्षेत्र के गोगुंडा की पहाड़ी पर नक्सली कमांडर जगदीश के होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद डीआरजी और सीआरपीएफ के जवान रवाना हुए। इस एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने 18 नक्सलियों को ढेर कर दिया। हालांकि, मुठभेड़ में दो जवानों के घायल होने की खबर सामने आई है। मारा गया नक्सली जगदीश पर 25 लाख का ईनाम था, बीते 10 दिनों में छत्तीसगढ़ में 49 खूंखार नक्सली मारे गए जबकि इस साल में अब तक अकेले बस्तर इलाके में 100 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। इसके पूर्व बीते 20 मार्च को छत्तीसगढ़ में दो अलग अलग मुठभेड़ों में 30 नक्सली मारे गए हैं. बीजापुर जिले में 26 नक्सली मारे गए, जबकि कांकेर इलाके में बीएसएफ और राज्य पुलिस के डीआरजी कर्मियों की संयुक्त टीम ने चार माओवादियों को मार गिराया. बीजापुर में मुठभेड़ में एक पुलिस जवान भी शहीद हुआ था। राज्यसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। चर्चा के दौरान अमित शाह ने कई मुद्दों पर जवाब दिए जिसमें नक्सलवाद भी शामिल था ।उन्होंने राज्यसभा में बड़ा बयान देते हुए कहा '31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म होगा'। अमित शाह का यह बयान अहम माना जा रहा है, क्योंकि पिछले 2 सालों में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों और राज्यों की पुलिस ने तेजी से काम किया है. छत्तीसगढ़ देश का ऐसा राज्य है जो नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर सरकार का ये 'नक्सल मुक्त' लक्ष्य कितनी बड़ी चुनौती है, नक्सलियों का नेटवर्क कितना बड़ा है ? गृहमंत्री का दावा कितना खरा उतरेगा यह तो मार्च 2026 के बाद ही पता लग सकेगा। लेकिन देश के लिए अभी भी नक्सलवाद बड़ी चुनौती है। नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। किसानों के शोषण के विरोध में शुरू हुए एक आंदोलन ने इस उग्रवाद की नींव डाली थी। लेकिन देखते ही देखते नक्सलवाद ने देश के कई हिस्सों को अपनी जद में ले लिया। नक्सलवाद का एक मजबूत वैचारिक अधिष्ठान है। इसमें काफी उच्चशिक्षित लोग जुड़ते चले गए। विश्वविद्यालयों, एकेडमिक संस्थानों से छात्र और शिक्षक काफ़ी संख्या में नक्सल विचारधारा से जुड़े जिन्होंने भारत में नक्सली विचारधारा को विस्तारित करने में बड़ी भूमिका निभाई। 1967 से शुरू हुए इस उग्रवाद को कई चरणों में देखा जा सकता है। देश के कई हिस्सों में इसका प्रभाव धीरे-धीरे बढ़ने लगा था। लेकिन साल 2000 के बाद से नक्सलवाद का सबसे वीभत्स रूप सामने आने लगा। 1 अक्तूबर 2003 को नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायडू के काफिले पर हमला किया था। इसके बाद आंध्र सरकार ने राज्य में नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान छेड़ा था। इसी साल आंध्र प्रदेश में 246 नक्सलियों की मौत हुई थी। एक जमाना था ज़ब आंध्रप्रदेश के जंगलों में देश के टॉपमोस्ट नक्सली रहकर नक्सल आंदोलन को तेज कर रहे थे। आंध्र के अलावा कई राज्यों में नक्सलियों ने एक के बाद एक कई बड़े हमले किए। नक्सल का विरोध करने वालों को निशाना बनाया गया। बम धमाकों के जरिए पुलिस और सेना के जवानों को निशाना बनाया गया। कई बड़े नेताओं और पूर्व मुख्य मंत्री विद्याचरण शुक्ला की भी नक्सली हमले में मौत हुई। नक्सल के इस उभार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले ओडिशा में 2005 से लेकर 2008 के बीच 700 लोगों की मौत हुई थी। एक समय ऐसा भी था ज़ब देश के दस राज्यों के लगभग 70 जिले नक्सल हिंसा से प्रभावित थे। मसलन सम्पूर्ण भारत का लगभग 10 से 15 प्रतिशत भूभाग और जनसंख्या नक्सल हिंसा से प्रभावित थी।विकराल होती नक्सल हिंसा के मद्देनजर इसके खात्मे के लिए समय-समय पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कई बड़े ऑपरेशन चलाए । नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए भी कई अभियान चलाए गए हैं। 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा था कि विकास ही इस उग्रवाद को खत्म करने का सबसे पुख्ता तरीका है। लेकिन इस समस्या के पीछे विकास न होना एक कारण हो सकता है, यही एक मात्र कारण है ऐसा नहीं है। बड़े और शिक्षित नक्सली नेताओं के समय समय पर मीडिया में आये बयान कुछ और ही कारणों का खुलासा करते है। इन नक्सली नेताओं ने माना वे भारत की मौजूद व्यवस्था पर भरोसा नहीं करते है। मौजूदा पूरी व्यवस्था को ही वे शोषणकारी मानते है। उनका खुले तौर पर मानना है कि मौजूदा व्यवस्था के चलते गरीब लोगों को शोषण से नहीं बचाया जा सकता है। इसलिए सरकार को सशस्त्र अभियान चलाने के साथ साथ वैचारिक काउंटर करने की भी जरूरत है जिससे नक्सलवाद के वैचारिक अधिष्ठान पर चोट पहुंच सके।नक्सली हिंसा के आंकड़ों पर अगर गौर करें तो एक भयावह दृश्य सामने आता है। 1990 के बाद से ही नक्सलवाद का खतरनाक रूप सामने आने लगा था। 1996 में नक्सली हमलों में कुल 156 लोगों की जान गई थ। 1997 में ये आंकड़ा बढ़कर 348 तक पहुंच गया। फिर साल-दर-साल ये आंकड़ा बढ़ता ही रहा। 2009 और 2010 में नक्सली हमले में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई। दोनों ही साल ये आंकड़ा एक हजार के पार रहा। कुल आंकड़ों की बात करें तो 1995 के बाद से 2024 तक कुल 5490 नक्सली घटनाएं हुई हैं, जिसमें करीब साढ़े 5 हजार से ज्यादा आम नागरिकों की मौत हुई है। 3 हजार से ज्यादा जवानों की मौत हुई है। वहीं 5 हजार से ज्यादा नक्सली भी मारे गए है। यानी कुल मौत का आंकड़ा 14 हजार से ज्यादा का है।हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों को छोड़कर देश के बाकी हिस्से से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया गया है। गृहमंत्री के दावे का विश्लेषण करना भी जरुरी है। पिछले साल 7 अगस्त को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने नक्सलवाद या वामपंथी उग्रवाद से जुड़े आंकड़े संसद में रखे थे। इसमें उन्होंने बताया था कि 2010 की तुलना में 2024 में नक्सली घटनाओं में 73% की कमी आई है। इसी तरह से इन नक्सली घटनाओं में होने वाली मौतें भी 86% तक कम हुई हैं। 2010 में नक्सली घटनाओं में 1,005 मौतें हुई थीं, जबकि 2023 में 138 लोग मारे गए थे। इनमें सुरक्षाबलों के शहीद जवानों की संख्या भी शामिल है। उन्होंने बताया था कि 2013 तक देशभर के 10 राज्यों के 126 जिले कुछ न कुछ नक्सल प्रभावित थे। अप्रैल 2024 तक 9 राज्यों के 38 जिलों तक ही नक्सलवाद सिमट गया है।अब अगर राज्यवार नक्सल हिंसा पर गौर करें तो स्थिति संतोषजनक ही कही जाएगी।

जब शिक्षा अधिकार बनी विशेषाधिकार नहीं

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब 1 अप्रैल, 2010 को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम (आरटीई अधिनियम) लागू हुआ, तो यह केवल एक कानून का जन्म नहीं था-यह भारत के हर बच्चे के लिए एक सुनहरे भविष्य का वादा था। यह एक ऐसी क्रांति की शुरुआत थी, जिसने शिक्षा को विशेषाधिकार की बेड़ियों से मुक्त कर इसे हर बच्चे का अधिकार बना दिया। पिछले 15 वर्षों में इस अधिनियम ने भारतीय शिक्षा के कैनवास पर ऐसी अमिट रेखाएँ खींचीं, जो सपनों को हकीकत में बदलने की उम्मीद जगाती हैं। सरकार ने गरीबी की अंधेरी गलियों में भटकते लाखों बच्चों को स्कूल का रास्ता दिखाया, अनगिनत योजनाओं के जरिए उनके कदमों को कक्षा तक पहुँचाया। सरकारी और निजी स्कूलों में 25% आरक्षण की नीति ने सामाजिक असमानता को तोड़ने का साहसिक कदम उठाया। इसका परिणाम साफ दिखा-प्राथमिक शिक्षा में नामांकन की बाढ़ आई, स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई। यह बदलाव केवल आँकड़ों का खेल नहीं था, बल्कि उन मासूम आँखों में चमक थी, जो पहले स्कूल की चौखट को दूर से निहारती थीं। हालाँकि, यह राह सपनों जितनी रंगीन नहीं थी। ग्रामीण भारत में कई स्कूल आज भी उम्मीदों से कोसों दूर हैं-टपकती छतें, बिना बेंच की कक्षाएँ, और शिक्षकों की अनुपस्थिति ने इस क्रांति की रफ्तार को बार-बार रोका। शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठे, जिसके जवाब में सरकार को अपनी नीतियों को बार-बार तराशना पड़ा। शिक्षकों की भर्ती के लिए बड़े अभियान छेड़े गए, उनके प्रशिक्षण को नया आयाम दिया गया, ताकि कक्षा में पढ़ाई शब्दों का शोर न रहकर बच्चों के सपनों को उड़ान देने वाला प्रकाश बने। मगर संसाधनों की कमी और जमीनी हकीकत से दूरी ने इन कोशिशों पर बार-बार पानी फेरा। बिजली का अभाव, पानी की किल्लत, और किताबों-कॉपियों की कमी ने इस क्रांति को अधूरी कविता-सा बना दिया। सरकार की मंशा और बच्चों की उम्मीदों के बीच एक गहरी खाई बनती गई। फिर भी, माँ-बाप ने हार नहीं मानी। अपने बच्चों को स्कूल भेजा—पैरों में चप्पल न सही, मगर सपनों में उड़ान की चाह जरूर थी। लेकिन उनके मन में एक सवाल बार-बार कुलबुलाता रहा-क्या यह शिक्षा, जो टूटे स्कूलों और अधूरी व्यवस्थाओं के बीच पल रही है, उनके बच्चों की जिंदगी को सचमुच बदल पाएगी? क्या ये जर्जर दीवारें और खामोश कक्षाएँ उनके नौनिहालों के भविष्य को संवार सकेंगी? यह सवाल उनकी पुकार ही नहीं, बल्कि उस क्रांति की सच्चाई का आईना था, जो हर बच्चे को रोशनी देने का सपना लिए चल रही थी, पर हर कदम पर बाधाओं से जूझ रही थी। यह एक ऐसी कहानी थी, जिसमें कोशिशें थीं, जज्बा था, मगर मंजिल तक पहुँचने के लिए अभी लंबा रास्ता बाकी था।शहरों में चुनौतियाँ अलग रंग लिए थीं-ग्रामीण कठिनाइयों से भिन्न, मगर उतनी ही जटिल। 25% आरक्षण की नीति निजी स्कूलों के लिए एक अनसुलझी पहेली बन गई। कुछ स्कूलों ने इसे नकार दिया, मानो यह उनके चमचमाते गलियारों के लिए अनचाहा बोझ हो। कुछ ने प्रवेश के दरवाजे इतने संकरे कर दिए कि गरीब परिवारों की उम्मीदें बाहर ही दम तोड़ दें-कागजी जंजाल, जटिल नियम, और ऐसी शर्तें जो अभाव के आदी हाथों की पहुँच से परे थीं। सरकार ने इस रवैये को तोड़ने के लिए सख्ती बरती, निगरानी का जाल बिछाया, और कई राज्यों में यह नीति जमीन पर उतर आई। मगर यहाँ भी, संसाधनों की कमी ने कई बार सपनों को पंख लगने से पहले ही कतर दिया। डिजिटल युग की दस्तक ने इस अधिनियम को नया आलोक दिया। 1 अप्रैल, 2010 से शुरू हुआ यह सफर तकनीक की चमक से और निखर उठा। ऑनलाइन कक्षाओं ने दूरियों को पाटा, स्मार्ट बोर्ड ने कक्षाओं को जीवंत बनाया, और डिजिटल संसाधनों ने शिक्षा को नई सदी की सौगात से सजाया। यह बदलाव महज तकनीकी उछाल नहीं था-यह किताबों को स्क्रीन पर उतारने की जादुई कोशिश थी, जिसने हर बच्चे के मन में भविष्य की दौड़ में शामिल होने का हौसला भरा। जहाँ पहले स्लेट और चॉक की खड़खड़ाहट थी, वहाँ अब स्क्रीन की चमक और उंगलियों की थिरकन ने शिक्षा को नया रंग दिया-ऐसा रंग, जो हर बच्चे को आने वाले कल की संभावनाओं से जोड़ता था।हाल के वर्षों में इस अधिनियम के वादों को मजबूत करने के लिए नए कदम उठे। 'समग्र शिक्षा अभियान' ने शिक्षा को ऐसा कैनवास बनाया, जिसमें हर बच्चे की जरूरत और हर सपने की उड़ान शामिल हो। 'निपुण भारत' ने बच्चों के सीखने की नींव को अडिग बनाने का संकल्प लिया, ताकि हर कदम भविष्य की मजबूत इमारत का आधार बने। दिव्यांग बच्चों और वंचित समुदायों को शिक्षा की किरणों से जोड़ने के लिए विशेष कोशिशें हुईं-सुविधाओं ने उनकी राह आसान की, सहायक तकनीक ने उनके सपनों को पंख दिए, और संवेदनशील कदमों ने समाज के हर अंधेरे कोने को रोशन करने का इरादा दिखाया। यह सिर्फ नीतियाँ नहीं थीं, बल्कि एक ऐसा जज्बा था, जो हर बच्चे को मुख्यधारा की चमक में लाना चाहता था। मगर यह कहानी अभी अधूरी है।

आखिर हम कब सुधरेंगे ?

डॉ टी महादेव राव

भैया। मुझे लगता है कि सोच में बड़ा सा परिवर्तन आया है। देश से बाहर बहुत बड़े भैया ने साख बनाया है। इमेज को तराशा हैं। अब नई आशा है। हम दुनियां के उस्ताद होंगे। सारे जहां में आबाद होंगे। छोटू! क्या हो गया है तुम्हें जो आते ही शुरू हो गए। क्या विश्व गुरु की तरह तुम नगर गुरु हो गए? बात क्या है बताओगे या कविता सुना सुना कर सताओगे?भैया! नहीं हूं मैं नगर गुरु. बस बात करता हूं शुरू। कल से मेरे मन में यह बार कौंधी जा रही है कि देश में प्रगति औंधी जा रही है। बड़े भैया का अजब है सपना। अगला नोबल शांति पुरस्कार हो अपना। इसी में वे विदेशों की यात्रा दर यात्रा कर रहे हैं। अपनी उम्मीदों के पौधे को पानी से तर कर रहे हैं। इसी द्वंद्व में बेकारी और महंगाई के जंग में लोग मर रहे हैं। नेता गण यहाँ वहाँ का सफर कर रहे हैं जनता तकलीफ़ों से सफरः कर रहे हैं। छोटू! बड़े भैया के बारे में सुनो। फिर अपने ज्ञान से गुनो। तीसरी पारी खेलो या पहली जो प्रवृत्ति नस नस में समाई है उससे कैसे पार पाओगे। अब तो कपड़ों पर पैबंद जैसे बैसाखियों के सहारे सरकार चलाओगे। विदेश जाकर वाह वाही करवाओगे और देश को समस्याओं में झोंक जाओगे। हर जगह यहू थू की लहर है। चारों तरफ आलोचना की कहर है। यह अलग बात है हमारी खाल मोटी है। हमसे शरमोंहया कब की छूटी है। पता नहीं कब पैबंद लगे वस्त्रों से सरकार वस्त्रहीन हो जाए। पैबंद को सम्हालने में ही सारी ऊर्जा जाए। बेटियों की इज्जत लुटती रहे, उन्मादी आगजनी करते रहें, धन्ना सेठ देश लूटते रहे, बुद्धिजीवियों को पुलिस कूटती रहे, सारी कमान हाथ से छूटती रहे, हमारी फोटोई मुस्कान बनी हुई है। सिर्फ विपक्ष पर भृकुटी तनी हुई है। इसी में हमारी शान है। देश का कल्याण है।भैया। आप क्यों इस तरह नाराज हैं। दस सालों से टिकने का यही राज है। भक्तों की यह आवाज है। सत्ता ही उनके लिए दाद खुजली खाज है। विश्व पर छाना आपको नहीं भाता। उनके भजन उनका भक्त गाकर तर जाता। आपको क्या परेशानी है? क्यों याद आ रही नानी है? छोटू! एक परेशानी हो तो बताऊं। हल्की तकलीफ हो तो जताऊं। सामने वाले की आलोचना में ऊर्जा जा रही है। और जिताई हुई जनता महंगाई खा रही है। सारा ध्यान एक देश एक चुनाव है। उन्हें परमानेंट सत्ता से लगाव है। स्त्री सुरक्षा सिर्फ नारा है। महिला वंदन पर फेंके बहुत सारा है। एक हो तो बताऊं। कहां कहां तक गिनाऊं? शिशुपाल से ज्यादा पाप कर गए।

देवी दुर्गा ने यहां किया था महिषासुर का वध

472 सीढ़ियां चढ़ने के लिए घुटने में चाहिए दम

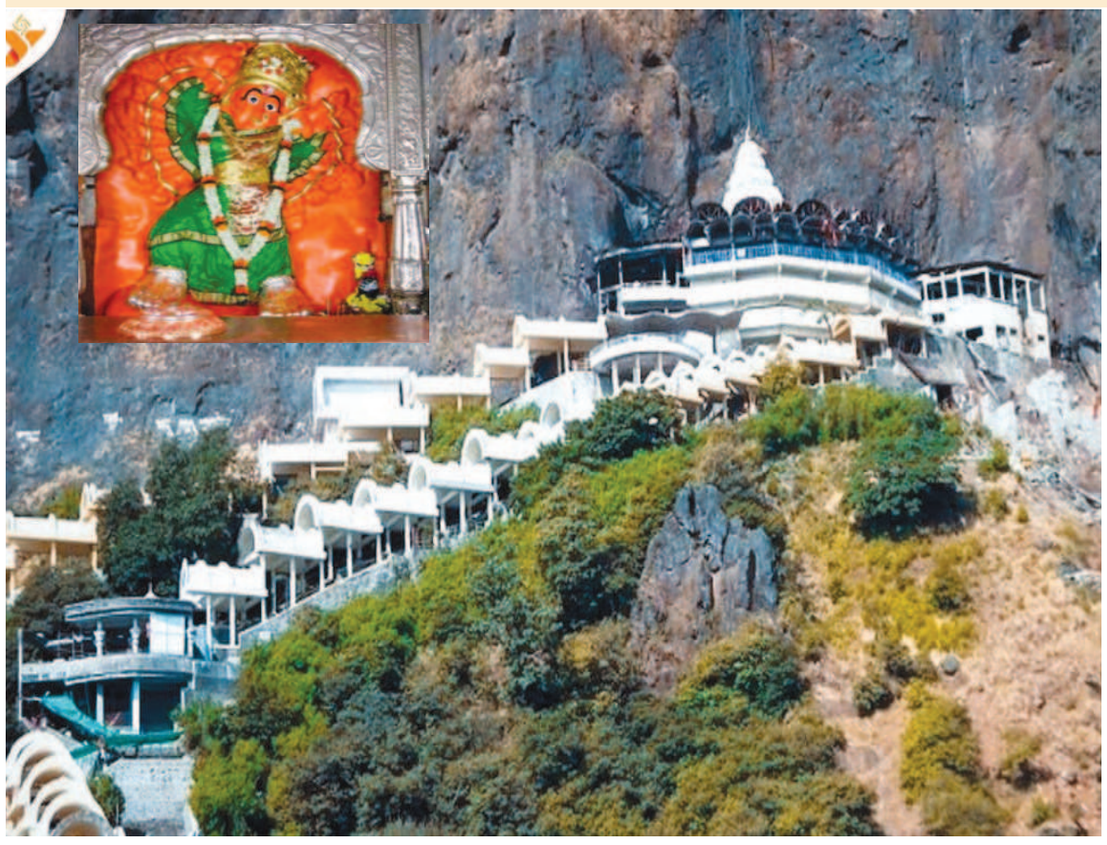

नवरात्रि में मां दुर्गा के भक्त उनके अनेक रूपों के दर्शन करने के लिए कई अलग-अलग मंदिरों में चाहते हैं। इनमें हर मंदिर की एक अलग कथा और महत्व है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं महाराष्ट्र के ऐसे प्राचीन मंदिर के बारे में, जो कई अद्भुत रहस्यों के लिए जाना जाता है। मां दुर्गा का एक प्राचीन मंदिर महाराष्ट्र में है, जहां पर मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। आइए, जानते हैं मां दुर्गा के इस प्राचीन मंदिर की खास बातें।

नासिक, महाराष्ट्र में है सप्तश्रृंगी देवी का मंदिर

महाराष्ट्र में सप्तश्रृंग पर्वत है, जिसकी ऊंचाई 4800 फुट ऊंची है। इस पर्वत पर ही मां भवानी का एक अद्भुत मंदिर है। इसे सप्तश्रृंगी देवी के नाम से जानते हैं। यह मंदिर महाराष्ट्र राज्य के नासिक से 65 किमी दूर वणी गांव में स्थित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार 108 शक्तिपीठों में से साढ़े तीन शक्तिपीठ महाराष्ट्र में स्थित हैं। बता दें कि आदि शक्ति स्वरूपा सप्तश्रृंगी देवी को अर्धशक्तिपीठ के रुप में पूजा जाता है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इस मां भगवती के दर्शन करने के लिए भक्तों 472 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ी पर पहुंचना पड़ता है। अब ऐसे में जाहिर-सी बात है कि इतने पहाड़ी पर स्थित मंदिर पर वही भक्त पहुंच सकता है, जिसके मन में सच्ची श्रद्धा और दृढ़ इच्छाशक्ति हो।

मां भगवती बदलती रहती है चेहरे के भाव

इस मंदिर में स्थित मां भगवती के बारे में कहा जाता है कि माता समय-समय पर अपने चेहरे के भाव भी बदलती रहती है। चैत्र नवरात्रि में मां भगवती प्रसन्न मुद्रा में दखिती हैं, तो वहीं अश्विन नवरात्रि में बहुत ही गंभीर मुद्रा में दिखाई देती हैं। भक्तों का मानना है कि अश्विन नवरात्रि में मां दुर्गा विशेष रूप से पापियों का संहार करने के लिए अलग-अलग रूप धरकर धरती पर निकलती हैं।

सात पर्वतों से घिरा है देवी सप्तश्रृंगी देवी का मंदिर

सप्तश्रृंग पर्वत पर स्थित इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 472 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। देवी का यह मंदिर सात पर्वतों से घिरा हुआ है इसलिए यहां की देवी को सप्तश्रृंगी अर्थात सात पर्वतों की देवी कहा जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इन सात पर्वतों पर होने वाली गतिविधियों पर माता पूरी निगरानी रखती हैं, इसलिए मां भगवती को सात पर्वतों की देवी भी कहा जाता है। मंदिर में 108 पानी के कुंड भी बने हुए हैं।

महिषासुर के कटे सिर की होती है पूजा

सबसे हैरानी की बात यह है कि इस मंदिर में महिषासुर की पूजा भी होती है। सप्तश्रृंगी मंदिर की सीढ़ियों के बाई तरफ महिषासुर का एक छोटा-सा मंदिर भी है, जहां पर माता के भक्त जाते-जाते महिषासुर के दर्शन भी करते हैं। इस स्थान पर मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था, इसलिए इस जगह महिषासुर के कटे सिर की यहां पूजा भी होती है। माता ने महिषासुर का वध त्रिशूल से किया था, जिससे पहाड़ी पर एक बड़ा छेद बन गया था। इस छेद को यहां आज भी देखा जा सकता है।

सप्तश्रृंगी देवी का मंदिर कैसे पहुंचे

आप भी अगर 472 सीढ़ियां चढ़ने की हिम्मत रखते हैं, तो आप सप्तश्रृंगी देवी मंदिर जाकर मां दुर्गा के दर्शन कर सकते हैं। सप्तश्रृंगी देवी का मंदिर पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन नासिक है। नासिक से सप्तश्रृंगी देवी का मंदिर 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आप नासिक पहुंचकर यहां से कैब, टैक्सी या निजी वाहन से यहां पहुंच सकते हैं लेकिन पहाड़ी पर चढ़ाई आपको पैदल ही करनी होगी।

देवी चंडी की महिमा है अपरंपार, 15 साल से मां के दर्शनों के लिए आता है भालुओं का परिवार

छत्तीसगढ़ के सुरम्य पर्वत की चोटी पर स्थित देवी चंडी (घुंचपाली) के भव्य मंदिर में पिछले 15 सालों से भालू का परिवार मां के दर्शन के लिए आता है। भक्त उन्हें प्रसाद खिलाते हैं फोटो खिंचवाते हैं। भालुओं की अठखेलियां देखने के लिए माता का ये मंदिर काफी प्रसिद्ध है।

छत्तीसगढ़ की देवी चंडी (घुंचपाली) की महिमा अपरंपार है। शहर, राज्य के अलावा अन्य दूरदराज के इलाकों से भी श्रद्धालु साल भर मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। शहर से पांच किमी की दूरी पर सुरम्य पर्वत की चोटी पर मां चंडी का भव्य मंदिर है। लोग यहां भालू को देखने भी आते हैं। भालुओं का परिवार साल भर हर शाम पूजा के समय यहां पहुंचता है। भक्त उन्हें प्रसाद खिलाते हैं, फोटो खिंचवाते हैं। भालुओं की अठखेलियां देखने के लिए माता का ये मंदिर काफी प्रसिद्ध है। भालू का परिवार करीब 15 साल से यहां नियमित रूप से आता है। अभी तक भक्तों को इनसे अब तक कोई नुकसान नहीं हुआ है। मंदिर के लिए लोग बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन से सीधे पैदल, ऑटो और अन्य वाहनों से घुंचपाली मंदिर पहुंच सकते हैं।

200 साल पुराना है मंदिर का इतिहास

छत्तीसगढ़ के मां चंडी घुंचपाली मंदिर ट्रस्ट के सचिव दानवीर शर्मा, पुजारी टिकेश्वर प्रसाद तिवारी, आचार्य स्वामी चैतन्य अग्निशिखा से मिली जानकारी के अनुसार मंदिर के इतिहास का अभी पता नहीं चला है। यह मंदिर दो सौ साल से भी ज्यादा पुराना है।

पहले यहां जमींदार पूजा करने आते थे। तब यह तंत्र ध्यान का केंद्र हुआ करता था। महिलाएं पुरुषों के साथ माता के मंदिर में पूजा करने आती थीं, लेकिन तब महिलाओं को यहां प्रसाद खाने की मनाही थी। हालांकि अब महिलाएं भी प्रसाद ग्रहण करती हैं।

यहां मनोकामनाएं जोत जलाई जाती है 1964-65 में थानेदार महाराज सिंह ने पहाड़ी पर मंदिर में पत्थर की व्यवस्था करवाई ताकि श्रद्धालु बैठ सकें। यहां मनोकामनाएं जोत जलाई जाती है, इस नवरात्र में यहां 6371 जोतें प्रज्वलित हो रही हैं।

1993: स्वामी चैतन्य अग्निशिखा महाराज के मार्गदर्शन में यहां एक समिति का गठन किया गया और मंदिर को बेहतर रूप देने का काम शुरू हुआ। क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण इलाकों के लोग मां में आस्था रखते हैं और शुभ कार्य शुरू करने के लिए मां चंडी के दरबार में पहुंचते हैं।

मंदिर की विशेषता

मंदिर के पुजारी टिकेश्वर प्रसाद तिवारी ने बताया कि यहां नवरात्र में हजारों भक्त अपनी मनोकामना जोत जलाकर जाते हैं। यहां भालुओं का आगमन, मुक्त आवाजाही, भक्तों को कोई नुकसान नहीं, सुंदर प्रकृति लोगों को आध्यात्मिक, आध्यात्मिक सुख प्रदान करती है।

देवी चंद्रघंटा

पिण्डजप्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता।।

अर्थ

श्रेष्ठ सिंह पर सवार और चंडकादि अस्त्र शस्त्र से युक्त मां चंद्रघंटा मुझ पर कृपा करें।

पूजा विधि

देवी चंद्रघंटा का ध्यान कर कलश पर चावल चढ़ाकर जल और कच्चा दूध छिड़कें। कलश पर सफेद चंदन, अबीर और अक्षत लगाकर पलाश के फूल और पूजन सामग्री चढ़ाएं। धूप-दीप अर्पित करें। दूध और मावे की मिठाइयों का भोग लगाएं।

छत्तीसगढ़ की निरई माता

साल में एक बार 5 घंटे के लिए खुलने वाला अनोखा मंदिर

देशभर में मां दुर्गा के 52 शक्तिपीठों के साथ कई मंदिर है। जहां चैत्र नवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में माता का एक ऐसा रहस्यमयी मन्दिर है जहां माता के मंदिर में पूजा-अर्चना के अलग तरीके है। इस मंदिर में पूजा के लिए महिलाओं को प्रवेश करने की इजाजत नहीं है। यहां केवल पुरुष ही अंदर जा सकते हैं और मंदिर में पूजा-पाठ कर सकते हैं। इस मंदिर की एक विशेष बात यह भी है कि यह वर्ष में एक दिन ही चैत्र नवरात्र में भक्तों के लिए खोला जाता है और पूजा अर्चना की जाती है।

चैत्र नवरात्र शुरू हो चुका है। पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ में चैत्र नवरात्र पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों में माता के भक्तों की भारी भीड़ दर्शन करने पहुंच रही है। इसी बीच आपको बता दें कि धमतरी जिले के मगरलोड ब्लॉक मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर सोंढूर, पैरी नदी के तट पर बसे मोहेरा के आश्रित निरई की पहाड़ी पर मां निरई विराजमान है।

चैत्र नवरात्रि में खुलेगा मंदिर

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी निरई पहाड़ी में स्थित मंदिर पर श्रद्धालुओं को सिर्फ 5 घंटे के लिए खुलेगा। इस दिन जातरा भी होगी। ऐसी मान्यता है कि मां निरई के दरबार में आकर बलि देने से उनकी मुरादें पूरी होती है। यह मंदिर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 109 किलोमीटर दूर स्थित है।

साल में एक दिन के लिए खुलता है माता का मंदिर

यह मंदिर अपने आप में एक प्राचीन इतिहास समेटे हुए हैं। यह मंदिर साल में केवल एक ही दिन खुलता है। वहीं, यह परंपरा कई वर्षों से

इसी तरह चलती आ रही है। निरई माता मंदिर में माता को सिंदूर, सुहाग, श्रृंगार, कुमकुम, गुलाल, बंदन नहीं चढ़ाया जाता। नारियल, अगरबत्ती माता को अर्पित किए जाते हैं। वहीं माता का मंदिर साल में सिर्फ एक दिन चैत्र नवरात्र के प्रथम रविवार को 4 घंटे के लिए खुलता है। इस बार निरई माता का जातरा 14 अप्रैल को सुबह 4 बजे से लेकर 9 बजे तक यानि केवल 5 घंटे के लिए ही खुलेगा।

बिना तेल ही जलती है चमत्कारिक ज्योति

बिना तेल के 9 दिनों तक माता की ज्योति जलते नहीं सुना होगा। कोई कहे भी तो आप कहेंगे यह कैसे जलती होगी। यहां यह अपने आप में माता का चमत्कार ही है जो यह ज्योति बिना किसी भी तेल के लगातार 9 दिनों तक प्रज्वलित होती रहती है। ऐसी मान्यता है कि इस देवी मंदिर में हर साल चैत्र नवरात्र के दौरान स्वतः ही ज्योति प्रज्ज्वलित होती है। इस दैवीय चमत्कार की वजह से भी लोग देवी के प्रति अपार श्रद्धा और भक्ति रखते हैं। कहा जाता है कि हर चैत्र नवरात्रि के दौरान देवी स्थल पहाड़ियों में अपने आप से ज्योति प्रज्ज्वलित होती है। ज्योति कैसे प्रज्ज्वलित होती है, यह आज तक लोगों के लिए पहेली बनी हुई है। ग्रामीणों की मानें तो यह निरई देवी का ही चमत्कार है कि बिना तेल के ज्योति नौ दिनों तक जलती रहती है।

महाकाली मंदिर हैदराबाद

भारत में स्त्री शक्ति का विभिन्न रूपों में उत्सव मनाया जा रहा है। उत्सव की छठी रात है और देवी की पूजा के लिए 3 दिन शेष हैं। ऐसी ही एक अनूठी पेशकश है नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा को दी जाने वाली उनजल सेवा, जो हिंदू महीने चैत्र की अमावस्या से शुरू होकर नौवें दिन तक देवी को बहुत प्रिय है। उनजल सेवा अनुष्ठान में, मां दुर्गा की मूर्ति को मंडप में उनजल या झूले पर बैठाया जाता है, जिसे चारों ओर जलते हुए दीपों और फूलों से सजाया जाता है ताकि देवी स्वरूपा को प्रसन्न किया जा सके और उसके बाद मंगल वाद्यम या पवित्र संगीत वाद्ययंत्रों के साथ वेदों के मंत्रोच्चार के साथ पूजा की जाती है।

मैं देवी माँ और मंदिर परिसर में मौजूद अन्य देवताओं की देखभाल करने का सौभाग्य प्राप्त करता हूँ। मैंने अपनी युवावस्था में अपने पूर्वजों से बहुत पहले ही शासन-प्रबंध संभाल लिया था, तब से मैंने अम्मावरु की सेवा में अपना दिल और आत्मा लगा दी है, तथा सदियों पुरानी विरासत को जीवित रखते हुए पूरे उत्साह के साथ सभी

अनुष्ठानों और परंपराओं का पालन किया है। उनके चेहरे को देखने मात्र से ही असीम आशीर्वाद मिलता है। देवी महाकाली के चेहरे का भाव आरती के प्रकाश के साथ सौम्य, रुद्र, हास्य और क्रोध रूप में बदल जाता है, जिससे वे पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गई हैं। भक्तों को जीवन में कम से कम एक बार उनका आशीर्वाद लेने के लिए अवश्य आना चाहिए। महाकाली देवालयम मंदिर की स्थापना 1809 में हैदराबाद के सबसे व्यस्ततम मार्ग मीरालम मंडी में एक छोटे मंदिर के रूप में की गई थी, जहां किसान अपनी सब्जियां बेचने आते थे और पेड़ के नीचे पूजा करते थे।

कई साल बाद 1986 में गजुला अंजैया ने शासन संभाला और मंदिर समिति के अध्यक्ष और अध्यक्ष बने। धीरे-धीरे समय और अपने समर्पण के साथ उन्होंने मंदिर परिसर का विकास किया और सभी परंपराओं का पालन करके आज तक विरासत को जीवित रखा है। यह शक्ति, धन और परोपकार की देवी के भारत में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है और नवरात्रि उत्सव के दौरान पूजा के लिए हजारों भक्त यहाँ आते हैं, जिसे धार्मिक उत्साह, धूमधाम और उत्सव के साथ मनाया जाता है।

महांकालेश्वर देवालयम

महांकालेश्वर देवालयम का प्राचीन मंदिर ऐतिहासिक रुचि की किंवदंतियों से भरा पड़ा है। नौ दिनों के दौरान, देवी दुर्गा को महा चंडी हवन, कुमकुमा पूजा, उनजाला सेवा और एकांत सेवा जैसी विशेष सेवाएं दी जाती हैं। वह शक्ति, प्रेम और सुंदरता का प्रतीक है। श्री सरस्वती, श्री महा लक्ष्मी, श्री बाला त्रिपुर सुंदरी, श्री राजराजेश्वरी, श्री महिषासुर मर्दिनी, श्री दुर्गा देवी, श्री अन्नपूर्णा देवी, श्री गायत्री, श्री ललिता त्रिपुर सुंदरी के उनके विभिन्न शानदार रूपों को देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाता है और वास्तव में धन्य महसूस करता है।

'देवी माँ जीवंत हो उठीं' प्रकृति और भी सुंदर लगने लगी

शक्ति और ताकत की देवी दुर्गा शायद हिंदुओं की सबसे महत्वपूर्ण देवी हैं। वह एक बहुआयामी देवी हैं, जिनके कई नाम, व्यक्तित्व और पहलू हैं। 'देवी माँ जीवंत हो उठती हैं' प्रकृति दीपों की रोशनी और फूलों की खुशबू के साथ और भी सुंदर दिखती है, जो हम में से हर किसी को मानव जीवन की सुंदरता का समर्थन करने वाली कई अविश्वसनीय चीजों के साथ उत्सव मनाने के लिए आकर्षित करती है।

पूरा ब्रह्मांड दिव्य माँ की भक्ति में डूबा रहता है, जिसमें माँ दुर्गा के प्रत्येक स्वरूप को फूलों और प्रसाद (लोगों द्वारा विशेष रूप से तैयार / पेश किया जाने वाला भोजन) के अनूठे प्रसाद के साथ नौ दिन समर्पित किए जाते हैं। उनके पसंदीदा फूलों से लेकर उनके सबसे शानदार श्रृंगार तक, जिसमें चांदी, सोना और कीमती रत्न शामिल हैं, उनके दिव्य स्वरूप की सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं। महिषासुरमर्दिनी या शक्ति के रूप में, वह बुराई का नाश करने वाली हैं – अपने दस शक्तिशाली भुजाओं में घातक हथियार लेकर वह विजयी होकर राक्षस महिषासुर का वध करती हैं। क्रूर माँ काली, जो रात की तरह काली हो जाती हैं और क्रोध और गुस्से में जीवन के सागर में सर्वशक्तिमान हैं, अपने क्रूर स्वरूपा के साथ अस्तित्व के प्राणियों को सुन्न कर देती हैं, जो उनके गले में एक कपाल की माला के साथ सजी हैं, से लेकर पार्वती की सबसे शांत, कैलाश पर्वत की बर्फीली चोटियों में भगवान शिव की सुंदर पत्नी के रूप में उनका एक और प्रकटीकरण है। वह भवानीथे हैं, जीवन का प्रतीक। वह सती हैं, मृत्यु की वस्तु। वह बसंती हैं, अंबा, जगद्धात्री, तारा, अंबिका और अन्नपूर्णा के अलावा वसंत ऋतु की संदेशवाहक। दुर्गा, अपने सभी रूपों के माध्यम से, मोक्ष और बलिदान का सार शामिल करती हैं देवी दुर्गा सर्वोच्च सत्ता की शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं जो ब्रह्मांड में नैतिक व्यवस्था और धार्मिकता को बनाए रखती है। कोई भी शब्द शक्ति की ज्ञानवर्धक और हमेशा आकर्षक सुंदरता को व्यक्त नहीं कर सकता है जो अदृश्य ऊर्जा का एक आदिम स्रोत है जो पूरे ब्रह्मांड को बनाए रखता है।

महाराष्ट्र का वज्रेश्वरी योगिनी देवी मंदिर

नवरात्रि का पावन त्योहार शुरू हो चुका है और इस खुशी के मौके पर देश के हर कोने से नवरात्रि की धूम रहती है। देश में तो एक से एक चर्चित और पवित्र दुर्गा मंदिर मौजूद हैं, जहां हर दिन हजारों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। महाराष्ट्र में मौजूद वज्रेश्वरी योगिनी देवी मंदिर भी एक ऐसा दुर्गा मंदिर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि नवरात्रि में यहां जो भी सच्चे मन से पहुंचता है, उसकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। वज्रेश्वरी देवी की खासियत बताने से पहले आपको यह बता दें कि यह पवित्र और प्रसिद्ध मंदिर महाराष्ट्र के वज्रेश्वरी में मौजूद है। वज्रेश्वरी शहर मुंबई से करीब 75 किमी की दूरी पर मौजूद है। वज्रेश्वरी योगिनी देवी मंदिर मुंबई के अलावा ठाणे से करीब 43 किमी, वसई से करीब 26 किमी और कल्याण से करीब 43 किमी की दूरी पर स्थित है। यह मंदिर आसपास के इलाकों में प्रसिद्ध है। वज्रेश्वरी देवी मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। माता दुर्गा को समर्पित वज्रेश्वरी देवी मंदिर के इतिहास को लेकर कई मिथक है। जी हां, इस मंदिर का इतिहास मराष्ट्रा साम्राज्य से लेकर पुर्तगालियों तक जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि वज्रेश्वरी देवी मंदिर का निर्माण चिमाजी अप्पा पेशवा ने करवाया था। कुछ लोगों का मानना है कि इस मंदिर को पुर्तगालियों ने नष्ट कर दिया था, लेकिन आब में जब चिमाजी अप्पा पेशवा ने वसई के किले को जीता तब इस मंदिर का निर्माण करवाया। कह जाता है कि इस मंदिर ने मराठा साम्राज्य के इतिहास को करीब देखा है। वज्रेश्वरी देवी मंदिर की पौराणिक कथा काफी रोचक है। कहा जाता है कि यह देवी वज्र से प्रकट हुईं थी और उन्होंने के कई राक्षसों का नाश किया था। मान्यता के अनुसार यहां जो भी सच्चे मन से दर्शन के लिए पहुंचता है, उसकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। यहां वज्रेश्वरी देवी के साथ-साथ रेणुका माता, कालिका माता और महालक्ष्मी माता की मूर्तियां भी मौजूद हैं।

वज्रेश्वरी देवी मंदि प्रागंण में एक गर्म गुंड स्थित है, इस कुंड के बारे में कहा जाता है कि इसमें स्नान करने से सभी दुखों का निवारण हो जाता है। खासकर, नवरात्रि के मसय यहां कई लोग स्नान करने के बाद भी माता का दर्शन करने पहुंचते हैं। वज्रेश्वरी देवी मंदिर पहुंचना बहुत ही आसान है। इसके लिए आप महाराष्ट्र के किसी भी शहर से बस या ट्रेन लेकर मुंबई पहुंच सकते हैं। मुंबई पहुंचने के बाद लोकल टैक्सी लेकर वज्रेश्वरी देवी मंदिर पहुंच सकते हैं, जो करीब 75 किमी है। महाराष्ट्र के ठाणे शहर से भी वज्रेश्वरी मंदिर पहुंच सकते हैं।

आमिर-सलमान का ईद सेलिब्रेशन

एक्टर ने गैलेक्सी की बालकनी से फैंस को वेव किया, दोनों बेटों के साथ दिखे मिस्टर परफेक्शनिस्ट

सोमवार को देशभर में ईद का त्योहार मनाया जा रहा है। बॉलीवुड के कई कलाकारों ने अलग-अलग तरह से ईद सेलिब्रेट की।

इसी बीच सलमान और आमिर ने अपने पुराने सेलिब्रेशन ट्रेंड को फॉलो किया है। सलमान खान हर बार की तरह इस बार भी गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी में आए।

वहीं, आमिर खान बेटे जुनैद खान और आजाद खान के साथ नजर आए। इस दौरान तीनों ने सफेद कुर्ता-पायजामा पहना हुआ था।

सलमान खान हर साल ईद के मौके पर पिता सलीम खान के साथ दिखाई देते हैं। लेकिन, इस बार वह बहन अर्पिता के बेटे आहिल और बेटी आयत के साथ बालकनी में नजर आए।

मोनालिसा के डायरेक्टर रेप केस में गिरफ्तार

युवती का आरोप- सनोज मिश्रा ने हीरोइन बनाने का लालच दिया, 3 बार अबॉर्शन कराया

मोनालिसा को फिल्म ऑफर करने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा (45) को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मोनालिसा मध्यप्रदेश के महेश्वर की रहने वाली है। प्रयागराज महाकुंभ में वह माला बेचने के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इसके बाद बॉलीवुड डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उसे फिल्म में काम करने का ऑफर दिया था।

28 साल की एक महिला ने सनोज मिश्रा पर रेप, हमला, अबॉर्शन कराने के लिए मजबूर करने और धमकी देने का आरोप लगाया था। वह पिछले 4 साल से मिश्रा के साथ मुंबई में लिव-इन रिलेशनशिप में थी।

महिला का आरोप है कि उसे 3 बार जबरन गर्भपात करवाने के लिए मजबूर किया गया। 18 फरवरी, 2025 को डायरेक्टर उसे दिल्ली के नबी करीम इलाके में स्थित होटल शिवा ले गया। वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब उसने शादी करने का वादा पूरा नहीं किया, तो पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने यूपी के मुजफ्फरनगर से अबॉर्शन से जुड़े मेडिकल दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी

दिल्ली हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका पहले ही खारिज कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने 30 मार्च, 2024 को गाजियाबाद से सनोज मिश्रा (45) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पहले से शादीशुदा है। वह अपने परिवार के साथ मुंबई में रहता है।

पीड़िता बोली- डायरेक्टर ने आत्महत्या की धमकी दी

28 साल युवती ने शिकायत में बताया- साल 2020 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक और इंस्टाग्राम के जरिए डायरेक्टर सनोज से पहचान हुई थी। उस समय मैं झांसी में रहती थी। कुछ समय तक हमारे बीच बातचीत होती रही।

डायरेक्टर ने 17 जून, 2021 को फोन कर बताया कि वो झांसी रेलवे स्टेशन पहुंचा है। जब सामाजिक दबाव का हवाला देते हुए मैंने मिलने से इनकार किया, तो उसने आत्महत्या करने की धमकी दी। डर की वजह से मैं उससे मिलने चली गई। अगले दिन 18 जून, 2021 को उसने फिर फोन किया और मुझे रेलवे स्टेशन बुलाया।

पीड़िता का कहना है कि झांसी से सनोज मिश्रा उसे रिसॉर्ट ले गया। यहां नशीला पदार्थ खिलाकर रेप किया। यही नहीं, वीडियो-फोटो भी बना लिए। धमकी दी कि अगर विरोध किया, तो सोशल मीडिया पर अपलोड कर देगा। इसके बाद उसने शादी का झांसा देकर कई बार अलग-अलग जगह बुलाकर रेप किया। उसे फिल्मों में काम दिलाने का लालच भी दिया। इसी उम्मीद में वह मुंबई आ गई और सनोज के साथ रहने लगी। इस दौरान उसने कई बार मारपीट भी की। पीड़िता का आरोप है कि सनोज ने 3 बार गर्भपात भी कराया। फरवरी, 2025 में उसे छोड़ दिया।

महाकुंभ- 2025 के दौरान वायरल हुई मोनालिसा को सनोज मिश्रा ने अपनी फिल्म ऑफर की थी। इसके बाद से ही वह सुर्खियों में आ गए थे। 'द डायरी ऑफ मणिपुर' में मोनालिसा अनुपम खेर की बेटी का किरदार निभाएंगी। एक महीने पहले ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है।

गर्ल मोनालिसा को फिल्म का ऑफर करने के बाद सुर्खियों में आए सनोज मिश्रा से जुड़े विवाद भी सामने आने लगे थे। उनकी पिछली फिल्म के प्रोड्यूसर वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र त्यागी ने तो यहां तक आरोप लगाए थे कि मिश्रा शराबी हैं।

सुशांत सिंह राजपूत पर बोलने की सजा मिली

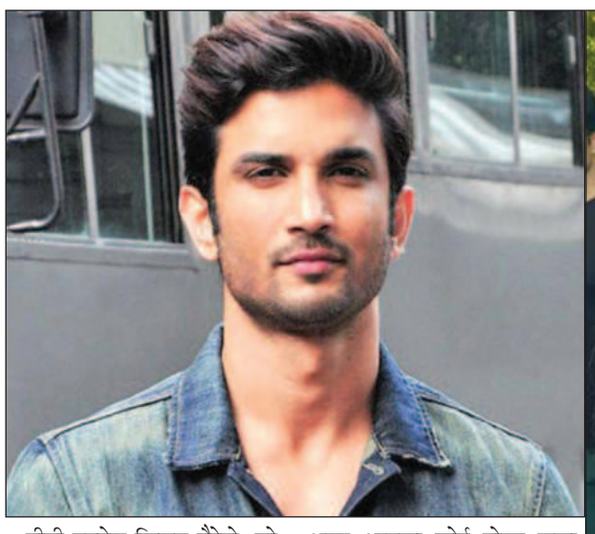

टीवी एक्ट्रेस क्रिसन बैरेटो, जो 'ससुराल सिमर का' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज में अपनी एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं, ने हाल ही में अपने स्ट्रगल को लेकर बड़ा खुलासा किया।

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के बारे में खुलकर बात की, तो इसका खामियाजा उन्हें अपने करियर में भुगतना पड़ा।

शार्दुल पंडित के शो 'अनसेंसर्ड विद शार्दुल' में बातचीत के दौरान क्रिसन ने बताया कि सुशांत के लिए बोलने के बाद उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्हें सिर्फ आलोचना ही नहीं झेलनी पड़ी, बल्कि प्रोडक्शन हाउसेज ने भी उन्हें काम देने से मना कर दिया।

उन्होंने कहा, 'इंडिया में अगर आप एक्टर हैं, तो आपको अपना दुख दिखाने का हक नहीं है। अगर आपका कोई दोस्त चला जाता है और आप उसके बारे में कुछ कहते हैं, तो लोग सोचते हैं कि आप अटेंशन के लिए कर रहे हैं। कैमरे के सामने रहने की वजह से लोग हमारी असली इमोशंस को भी एक्टिंग मानते हैं।'

दिवंगत एक्टर की दोस्त बोलीं- पब्लिसिटी के लिए कोई अपनी जिंदगी और करियर दांव पर नहीं लगाता

मैंने करियर और जिंदगी का रिस्क लिया

सुशांत के केस पर खुलकर बोलने के खतरे के बारे में क्रिसन ने कहा कि यह आसान फैसला नहीं था। 'कोई इस पर इसलिए नहीं बोल रहा था, क्योंकि इसमें रिस्क था। मैंने अपने करियर और जिंदगी का रिस्क ले लिया। मेरे घरवाले भी मुझसे नाराज हो गए थे कि मैंने ऐसा क्यों किया।'

बहुत कुछ खोया, बदले में कुछ नहीं मिला

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने सिर्फ अटेंशन के लिए सुशांत का नाम लिया, तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'कोई भी इतना बेवकूफ 9नहीं होगा कि अटेंशन के लिए अपनी जिंदगी का रिस्क ले। लोग नहीं समझते कि जब आप इस तरह का स्टैंड लेते हैं, तो आपके लिए कितने दरवाजे बंद हो जाते हैं। मेरे साथ भी यही हुआ। मुझे बहुत कुछ खोया, बदले में कुछ काम मिलना बंद हो गया।'

उन्होंने कहा कि उनका मकसद सुशांत के नाम पर पब्लिसिटी पाना नहीं था, बल्कि अपने दोस्त के लिए खड़ा होना था।

एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने बहुत कुछ खोया, लेकिन बदले में कुछ नहीं पाया। मैंने यह अपने दोस्त के लिए किया, नाम कमाने के लिए नहीं। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या खो रही हूं। मेरे दोस्तों ने भी मुझे कहा था कि मत बोलो,' लेकिन मैं चुप नहीं रह सकी।'

रैंप वॉक के लिए ट्रोल हुईं जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। इसमें उन्होंने रैंप वॉक की, लेकिन उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

जाह्नवी कपूर ने 29 मार्च को फैशन डिजाइनर राहुल मिश्रा के लिए लैक्मे फैशन वीक में बतौर शो स्टॉपर वॉक की। इस वॉक के समय एक्ट्रेस ने शिमरी ऑफ थाई हाई स्लिट गाउन पहना हुआ था। कई सोशल मीडिया यूजर्स को उनका वॉक पसंद नहीं आया। एक्ट्रेस अपनी वॉक के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रही हैं।

वॉक के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

एक्ट्रेस ने अपना लुक मिनिमल एक्सेसरीज के साथ एलीगेंट रखा था और सिर्फ स्टेटमेंट ईयरिंग्स कैरी किए थे। खुले बाल, स्मोकी आईज और मिनिमल मेकअप में जाह्नवी काफी स्टनिंग लग रही थीं। जाह्नवी कपूर के वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

यूजर्स के मिले-जुले रिएक्शन सामने आए

सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो पर लोगों के मिले-जुले रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कुछ लोगों को उनका कॉन्फिडेंस और लुक बहुत पसंद आ रहा है। लेकिन कुछ को उनके वॉक करने का स्टाइल बिल्कुल पसंद नहीं आया। एक यूजर ने लिखा, 'सक्सेसफुल है ना इसलिए थोड़ा कॉन्फिडेंस अच्छा है, वरना इसके पीछे वाली इससे ज्यादा खूबसूरत है।'

यूजर्स बोले- मॉडल काइली जेनर को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस की वॉक को सबसे खराब बताया

एक और यूजर ने लिखा, 'मुझे तो पीछे वाली मैडम को देखना था लेकिन वीडियो खत्म हो गया।' वहीं, एक ने कहा कि जाह्नवी फेमस मॉडल काइली जेनर को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं। कुछ लोगों ने उनकी वॉक को सबसे खराब वॉक भी बताया है।

बात करें जाह्नवी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की तो वह सनी संस्कारी, परम सुंदरी, तुलसी कुमारी और पेड्डी जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

एकता चाहती तो मेरा करियर बिगाड़ देतीं

एक्ट्रेस बरखा बिष्ट बोलीं- 23 साल की थी जब शो छोड़ने पर उन्होंने मुझ पर केस कर दिया

एक्ट्रेस बरखा बिष्ट लंबे समय से इंडस्ट्री में हैं। बरखा ने टेलीविजन के अलावा फिल्म और ओटीटी भी काम किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने करियर की शुरुआती दौर और उस समय मिली चुनौतियों पर बात की। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि बालाजी टेलीफिल्म्स का शो छोड़ने की वजह से एकता कपूर ने उन पर केस कर दिया था।

सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में बरखा बताती हैं- 'मैंने अपने करियर की शुरुआत एकता कपूर के साथ की थी। मैं 23 साल की थी, जब एकता कपूर ने मुझे पर मुकदमा ठोक दिया। उनके वकील मुझे नोटिस भेज रहे थे। मैं परेशान होने लगी लेकिन मैंने अपने घर में किसी को भी नहीं बताया। मैंने खुद एक वकील किया और एक साल तक केस लड़ी। मैं घर से लड़कर एक्ट्रेस बनने आई थी। ऐसे में मैं वापस जाकर उन्हें शिकायत नहीं कर सकती थी। मैं घरवालों को बोलकर आई थी, जो करूंगी खुद करुंगी। मैं अपने नए शो की शूटिंग के साथ-साथ कोर्ट की सुनवाई में जाती थी। मैं शुक्रगुजार हूं कि वक्त के साथ एकता ने केस वापस ले लिया। ये वो दौर था, जब एकता चाहतीं तो मेरा करियर बन और बिगड़ सकती थीं। आज भी वो इतनी ही पावरफुल हैं।'

बरखा ने साल 2004 में एमटीवी इंडिया के शो 'कितनी मस्त है जिंदगी से' अपनी करियर की शुरुआत की थी। ये एक टीन ड्रामा था। एकता की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्मस इस शो को प्रोड्यूस किया था। बरखा ने साल 2004 से 2005 तक एकता के साथ कई शो में काम किया था। फिल्मों की बात करें तो एक्ट्रेस ने प्रकाश झा की फिल्म 'राजनीति' में एक आइटम नंबर किया था। उसके बाद वो कई फिल्मों में नजर आईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो बरखा हाल ही में एकता कपूर की ही वेब सीरीज 'पावर ऑफ पांच' में नजर आईं थीं।

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा फिर फिल्मों में

अब्बास-मस्तान के साथ करेंगे वापसी, क्या 'किस किसको प्यार करूं 2' बचा पाएगी डूबता फिल्मी करियर?

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा एक बार फिर फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। उनकी सुपरहिट फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का सीक्वल 'किस किसको प्यार करूं 2' (केकेपीके 2) आने वाला है। फिल्म का पहला लुक रिलीज हो चुका है, जिसमें कपिल एक मिस्ट्री गर्ल के साथ नजर आ रहे हैं।

लंबे वक्त बाद किसी फिल्म में लीड रोल करने जा रहे कपिल को लेकर ऑडियंस में

उत्सुकता तो है, लेकिन बड़ा सवाल ये है- क्या फ्लॉप फिल्मी करियर की नैया को 'किस किसको प्यार करूं 2' से पार लगाएंगे कपिल?

कपिल ने 2017 में 'फिरंगी' बनाई, जो उनकी पहली प्रोड्यूस की हुई फिल्म थी। इस बार उन्होंने अपनी पहचान वाली कॉमेडी से हटकर एक गंभीर कहानी चुनी, लेकिन यह प्रयोग सफल नहीं हुआ। करीब 25-30 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म सिर्फ 10 करोड़ रुपये ही कमा पाई।

रेप के बाद 5वीं मंजिल से फेंकी गई थी टिकटॉक स्टार

जिंदा बचीं लेकिन इज्जत के नाम पर पिता-भाई ने नींद में ही गोलियों से भून डाला था

इराक का एक शहर है कुर्दिस्तान। वैसे तो ये शहर खूबसूरत इमारतों और रिच कल्चर के लिए जाना जाता है, लेकिन इस शहर में महिलाओं की स्थिति बद से बदतर है। साल 2023 में इस शहर में 30 औरतों की ऑनर किलिंग हुई । 2022 में ये आंकड़ा 23 था और 2017-19 के बीच यहां 200 महिलाओं को इज्जत के नाम पर बेरहमी से कत्ल कर दिया गया।

किसी का कसूर था जबरदस्ती की शादी से इनकार करना, तो कोई पढ़ना चाहती थी। किसी ने कुछ कर दिखाने के सपने देखे, तो कोई सिर्फ इसलिए मारी गई क्योंकि वो कट्टरपंथियों के सांचे में सटीक नहीं बैठती थी।

ये आंकड़े हम आपको इसलिए बता रहे हैं क्योंकि आज जो कहानी हम बता रहे हैं वो भी एक इराकी इन्फ्लुएंसर की है, जिसका सिर्फ इसलिए कत्ल कर दिया

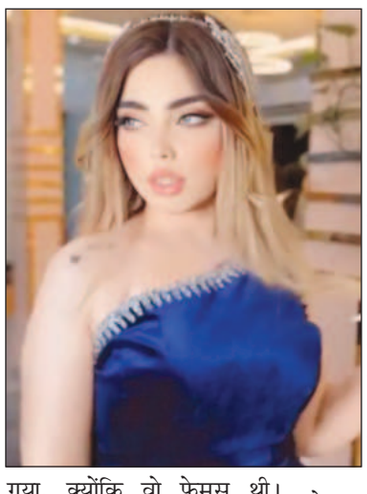

गया, क्योंकि वो फेमस थी। उसका कत्ल करने वाला कोई अनजान नहीं बल्कि उसके अपने पिता, भाई और रिश्तेदार थे। नींद में ही गोली मारकर उसे छलनी कर दिया गया था।

ये कहानी है टिकटॉक स्टार फैरूज आजाद की। फैरूज परिवार के हाथों मारे जाने से पहले भी मौत का सामना कर चुकी थीं। कुछ महीने पहले उनका रेप हुआ था और उन्हें 5वीं मंजिल से फेंक दिया गया था। जैसे-तैसे वो सर्वाइव कर गईं, लेकिन इस दर्द को भूलने से पहले ही उनका कत्ल हो गया।

आज अनसुनी दास्तान के 3 चैप्टर्स में पढ़िए इन्फ्लुएंसर फैरूज आजाद के कत्ल की सिहरन पैदा करने वाली कहानी-

फैरूज आजाद का जन्म साल 2003 में इराक के कुर्दिस्तान रीजन के इरबिल में हुआ था। उनका एक बड़ा भाई भी था। फैरूज कम उम्र की थीं, जब उनके पेरेंट्स ने तलाक ले लिया। बड़ा भाई पिता के साथ चला गया और फैरूज अपनी मां नाजा फरहाद के साथ रहने लगीं। जब वो बड़ी हुईं तो मां ने इरबिल के शाहीन नहरो से शादी कर ली। इस शादी से भी उन्हें एक बेटा हुआ। शुरुआती पढ़ाई के बाद कम उम्र से ही फैरूज को तस्वीरें लेने और वीडियोज बनाने का बड़ा शौक था। वो अक्सर सज-धजकर अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाला करती थीं। समय के साथ उनके फॉलोअर्स में भी इजाफा होने लगा और शहर में भी उन्हें खासी पहचान मिलने लगी।

अभिषेक-ऐश्वर्या कजिन की शादी में शामिल हुए

बेटी आराध्या भी नजर आईं, बीते दिनों तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में था कपल

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय कुछ समय पहले तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में थे। इन अफवाहों पर कपल ने कोई बयान नहीं दिया था। लेकिन, इसके बाद दोनों को कई मौके पर साथ देखा गया। हाल ही में अभिषेक-ऐश्वर्या बेटी आराध्या के साथ एक शादी में शामिल हुए थे। परिवार की फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

अभिषेक-ऐश्वर्या रविवार को पुणे में एक्ट्रेस की कजिन श्लोका शेट्टी के भाई की शादी में शामिल हुए थे। शादी के कुछ फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। तस्वीरों में आराध्या को व्हाइट लहंगा पहने देखा जा सकता है। आराध्या ने अपने देसी लुक को मिनिमल मेकअप के साथ लिंक किया। ऐश्वर्या ग्रीन कलर के अनारकली सूट में दिखाई दीं, जबकि अभिषेक पीच कलर का इंडो-वेस्टर्न सूट पहने नजर आए। ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन कुछ हफ्ते पहले डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोणार्क की शादी में मुंबई में शामिल हुए थे। ऐश्वर्या ने आशुतोष गोवारिकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म जोधा अकबर (2008) में काम किया

था। इससे पहले दिसंबर में दोनों को एक हाई-प्रोफाइल पार्टी में साथ देखा गया था। साथ ही अपनी बेटी आराध्या की बर्थडे पार्टी में भी दोनों साथ नजर आए थे। कुछ समय पहले ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन तलाक की खबरों को लेकर चर्चाओं में थे। दोनों के तलाक की अफवाह जब सामने आई तब जुलाई में अनंत-राधिका की शादी में दोनों ने अलग-अलग एंट्री ली और पूरी शादी में दोनों साथ नहीं दिखे। इसके बाद ऐश्वर्या राय अपनी बेटी के साथ वेकेशन पर भी गई थीं, तब भी उनके साथ अभिषेक मौजूद नहीं थे।

डाइट और लाइफस्टाइल से दूर होगा इंफ्लेमेशन

डॉक्टर बोले– 70% बीमारियां इससे जुड़ीं, इन 5 फूड से बनाएं दूरी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, 70% मॉडर्न लाइफ स्टाइल बीमारियों की मुख्य वजह इंफ्लेमेशन है। इंफ्लेमेशन का शाब्दिक अर्थ है सूजन। अक्सर लोगों को यह कनफ्यूजन होता है कि शरीर के अंदर सूजन कैसे हो सकती है। आसान भाषा में इंफ्लेमेशन को ऐसे समझिए कि जब हमारे शरीर में संक्रमण बढ़ता है तो खुद को बचाने के लिए भीतरी अंगों के चारों ओर एक तरह की सूजन हो जाती है। इंफ्लेमेशन इस बात की निशानी है कि आपके शरीर के भीतर संक्रमण हो रहा है और आपको सेहत के प्रति सावधान होने की जरूरत है। क्रॉनिक इंफ्लेमेशन गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। 60-70% मामलों में इंफ्लेमेशन की वजह हमारा भोजन है। अगर कोई लंबे समय तक ऐसा भोजन कर रहा है, जिससे इंफ्लेमेशन हो सकता है तो भविष्य में उसे कई क्रॉनिक डिजीज हो सकती हैं। क्या खाने से बढ़ता है इंफ्लेमेशन? बहुत मीठा खाने से, रिफाइंड कार्ब्स और तला-भुना खाने से इंफ्लेमेशन बढ़ता है।

शुगरी फूड्स और ड्रिंक्स

ज्यादा मात्रा में चीनी युक्त खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थों का सेवन इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकता है और शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ा सकता है। समय के साथ अधिक चीनी लेने से मोटापा और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। साल 2024 नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, सूजन और मेटाबॉलिक बीमारियों के बीच दोहरा संबंध हो सकता है। इसका मतलब है कि मोटापा और इंसुलिन रेजिस्टेंस भी सूजन को बढ़ा सकते हैं। रिफाइंड कार्ब्स का मतलब है कि ऐसे फूड्स, जिनसे ज्यादातर फाइबर हटा लिया गया है। रिफाइंड कार्ब्स बहुत जल्दी पच जाते हैं और इन्हें ज्यादा खाने की आदत बन सकती हैष इन्हें रेगुलर खाने से वजन बढ़ता है और इंफ्लेमेशन हो सकता है। अवॉइड करें रिफाइंड कार्ब्स वाले ये फूड्सः सफेद ब्रेड, सफेद चावल, पास्ता ,मीठे सीरियल, पेस्ट्री। रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट में सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है, जिससे वजन बढ़ने और इंफ्लेमेशन होने का खतरा रहता है। इसके अलावा नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, हाई टेम्प्रेचर पर मीट पकाने से कुछ ऐसे तत्व बनते हैं, जिनसे सूजन बढ़ सकती है। भोजन बहुत तलने से उसमें मौजूद पानी सूख जाता है और उसकी जगह फैट भर जाता है। इसके कारण उन फूड्स की कैलोरी ज्यादा हो जाती है और यह इंफ्लेमेशन का कारण बन सकता है। इनमें ओमेगा-6 फैटी एसिड अधिक होता है, इसकी मात्रा ज्यादा होने पर इंफ्लेमेशन हो सकता है।

बहुत तली हुई चीजें खाने से गट बैक्टीरिया प्रभावित हो सकते हैं, जिससे शरीर में सूजन हो सकती है। तली हुई वनस्पति खाद्य सामग्री में एक्रिलामाइड बन सकता है, जिसे कैंसर के खतरे से जोड़ा जाता है। सिगरेट और शराब से टॉक्सिक केमिकल्स निकलते हैं, जो हमारे शरीर को खासा नुकसान पहुंचाते हैं। इससे इंफ्लेशन हो सकता है। ज्यादा शराब पीने से शरीर की कोशिकाओं को नुकसान होता है, ऐसे में इम्यून सिस्टम प्रभावित होने से भी इंफ्लेमेशन हो सकता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, ज्यादा शराब पीने से लिवर में इंफ्लेमेशन हो सकता है। इसके अलावा शराब ब्लड वेसल्स के जरिए शरीर के सभी अंगों तक पहुंचती है। इसलिए पूरे शरीर में इंफ्लेमेशन हो सकता है।

जिंदगी में तनाव आ जाए तो उसका मिल कर हल खोजें

शादी एक ऐसा बंधन है, जिसमें दो लोग जीवन के हर मोड़ पर एक-दूसरे का साथ देने का वादा करते हैं। यह एक ऐसा सफर है, जिसमें दोनों पार्टनर के साथ-साथ उनके घर, विचार और अनुभव भी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इसमें प्रेम, विश्वास और साझेदारी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। हालांकि कई बार छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते में तनाव आ जाता है। ऐसे में शादीशुदा जीवन को लंबे समय तक खुशहाल बनाए रखना चैलेंजिंग हो जाता है। हालांकि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो रिश्ता लंबे समय तक चल सकता है। जब एक कपल की नई-नई शादी होती है तो कुछ दिनों तक दोनों का रिश्ता बहुत खुशहाल तरीके से चलता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, वे एक-दूसरे को 'टेकेन फॉर ग्रांटेड' लेने लगते हैं। कई बार तो वे एक-दूसरे से बातें करना भी उचित नहीं समझते हैं। आगे चलकर यही चीजें रिश्ते में दरार की वजह बन जाती हैं। ऐसे में शादीशुदा जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। किसी भी रिश्ते में कम्युनिकेशन बेहद जरूरी है। इसलिए पार्टनर से अपनी भावनाएं, विचार और चिंताएं साझा करें। उनकी बातों को भी ध्यान से सुनें और उसे समझने की कोशिश करें। नियमित रूप से बात करने से एक-दूसरे के करीब रहेंगे और गलतफहमियों से बचेंगे। हर व्यक्ति की

भावनाएं अलग होती हैं। इसलिए अपनी शादीशुदा जिंदगी को खुशहाल बनाए रखने के लिए पार्टनर की भावनाओं का सम्मान करें, चाहे वे आपकी भावनाओं से मेल भले ही न खाती हों। उन्हें समझने की कोशिश करें। आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल में एक-दूसरे के लिए समय निकालना मुश्किल हो सकता है। लेकिन यह बहुत जरूरी है। साथ में कुछ खास पल बिताएं, चाहे वह एक साथ खाना बनाना हो, फिल्म देखना हो या सिर्फ बात करना हो। अपने पार्टनर की छोटी-छोटी जरूरतों और इच्छाओं का ध्यान रखें। उन्हें बताएं कि आप उनकी केयर करते हैं। अगर उनको कोई हेल्थ इश्यू है तो उसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। पार्टनर को सरप्राइज देने से रिश्ते में नयापन बरकरार रहता है। यह कोई जरूरी नहीं है कि सरप्राइज महंगे हों। हाथ से लिखा हुआ लेटर या एक फूल भी बहुत मायने रखता है। हर रिश्ते में विवाद होते हैं, लेकिन महत्वपूर्ण ये है कि आप उसे कैसे हैंडल करते हैं। विवादों को जल्दी सुलझाने की कोशिश करें और एक-दूसरे को माफ करने के लिए तैयार रहें। किसी भी विवाद को लंबा न खींचें। ईमानदारी और विश्वास किसी भी रिश्ते की नींव होते हैं। अपने पार्टनर से हमेशा सच बोलें और उन पर विश्वास करें। कोई भी बात छिपाने की कोशिश न करें। छोटी-छोटी बातें भी रिश्ते में दरार पैदा कर सकती हैं। अगर कोई गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करने में हिचकिचाएं नहीं। अपनी गलती के लिए माफी मांगें और उसे सुधारने का प्रयास करें। अपने पार्टनर के सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उन्हें प्रेरित करें। उनकी क्षमताओं पर विश्वास रखें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं। हर परिस्थिति में एक-दूसरे का साथ दें। जब पार्टनर मुश्किल दौर से गुजर रहा हो तो उसे अकेला न छोड़ें। उसके साथ रहें, उसे सहारा और हिम्मत दें। उसकी बातों को ध्यान से सुनें और उसे महसूस कराएं कि आप उसके साथ हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में शारीरिक संबंध भी जरूरी होता है। अपने पार्टनर की शारीरिक जरूरतों का ख्याल रखें और उनके साथ प्यार और सम्मान से पेश आएं। उन्हें गले लगाएं, उनका हाथ थामें और उन्हें बताएं कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं।

बच्चों में भी बढ़ रहा है 'काला मोतियाबिंद' का खतरा

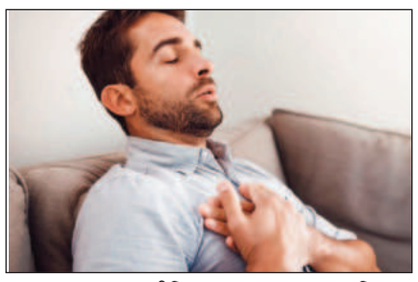

आंखों से संबंधित समस्याएं वैश्विक स्तर पर बढ़ती जा रही हैं, बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भारत में धुंधला दिखाई देने, ड्राई आइज, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, तथा एज-रिलेटेड मैक्यूलर डिजनरेशन का खतरा पिछले कुछ वर्षों में काफी तेजी से बढ़ा है। हालिया रिपोर्ट्स में स्वास्थ्य विशेषज्ञ ओपीडी में ग्लूकोमा के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जता रहे हैं। ग्लूकोमा को आम बोलचाल की भाषा में काला मोतियाबिंद के नाम से भी जाना जाता है। ग्लूकोमा आंखों की बीमारियों का एक समूह है जो ऑप्टिक नर्व्स को नुकसान पहुंचाती है, जिसके परिणामस्वरूप आंखों की रोशनी जाने या अंधेपन का खतरा हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को कम उम्र से ही आंखों की इस समस्या से बचाव को लेकर सावधानी बरतते रहना चाहिए। आमतौर पर ये समस्या वयस्कों में देखी जाती रही है पर बच्चे भी इसका शिकार हो सकते हैं। ग्लूकोमा या काला मोतियाबिंद आंखों की एक गंभीर बीमारी है, जो आंखों में तरल पदार्थ के बढ़ते दबाव के कारण होती है। दरअसल, आंखें एक तरल पदार्थ से भरी होती है, जो उसे पोषण और आकार देता है। पुराना तरल आंखों में मौजूद एक जालीदार परत और एक छोटे से छेद से बाहर निकल जाता है और नया तरल इसकी जगह ले लेता है। जब किसी वजह से आंखों का यह तरल पदार्थ बाहर नहीं निकल पाता है, तो आंख के अंदर दबाव (इंट्राओक्युलर प्रेशर) बढ़ने लगता है। इस दबाव के कारण आंख के पीछे की नसें क्षतिग्रस्त होने लगती हैं और इनके काम करने की क्षमता खत्म हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अनयमित जीवनशैली और नशे की आदत को ग्लूकोमा का खतरा बढ़ाते हुए देखा जा रहा है। अगर शुरुआत में ही इसकी पहचान हो जाए तो इससे होने वाली दृष्टिहीनता से बचा जा सकता है। ग्लूकोमा की समस्या पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए या फिर इसका उपचार न कराया जाए तो यह दृष्टिहीनता का भी कारण बन सकता है। आंखों की अन्य बीमारियों में खोई हुई रोशनी इलाज से वापस लाई जा सकती है, लेकिन ग्लूकोमा में आंखों की रोशनी का आना मुश्किल होता है। बच्चों में ग्लूकोमा के मामले वयस्कों की अपेक्षाकृत कम होते हैं, लेकिन फिर भी इसके लक्षणों को जांचते रहें। बच्चों में इसके लक्षणों की बात करें तो, उनकी आंखें बड़ी लगने लगती हैं। लगातार आंसू आते रहते हैं। रोशनी में उन्हें आंखें खोलने में दिक्कत होती है। पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में ये दिक्कत तेजी से बढ़ी है। ग्लूकोमा आनुवांशिक, आंख पर चोट, उम्र का बढ़ना, हाई बीपी, डायबिटीज और आंखों में संक्रमण की वजह से हो सकता है। अगर किसी के परिवार में पहले से ग्लूकोमा इतिहास रहा है तो उन्हें आंखों से जुड़ी जांच करवाते रहना चाहिए। आंखों की चोट से ग्लूकोमा का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए खेलकूद और अन्य गतिविधियों के दौरान चश्मा पहनें। ग्लूकोमा से पीड़ित अधिकांश लोगों को शुरुआत में कोई भी समस्या महसूस नहीं होती है। समस्या अत्यधिक बढ़ने पर इसके संकेत दिखते हैं।ग्लूकोमा के कारण अक्सर सिरदर्द होना, आंखों में तेज दर्द या भारीपन, धुंधला दिखना, अचानक दृष्टि का जाना, मतली या उल्टी, बार-बार चश्मे का नंबर बदलना, रात को कम या न दिखना, आंखें लाल हो सकती हैं।

डायबिटीज या हार्ट के हैं मरीज तो व्रत के दौरान बरतें ये सावधानियां, वरना बिगड़ सकती है तबीयत

चैत्र नवरात्रि रविवार (30 मार्च) से आरंभ हो गई है। यह हिंदी कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष का शुभारंभ भी है। मां शक्ति को नौ रूपों की आराधना और भक्ति के लिए लोग देशभर में नवरात्रि का व्रत करते हैं। नवरात्रि के उपवास का आध्यात्मिक महत्व तो होता ही है साथ ही व्रत करने को सेहत के लिए भी बहुत लाभप्रद माना जाता है। नवरात्रि आध्यात्मिक चिंतन और भक्ति का समय है। अगर आप भी नवरात्रि का व्रत कर रहे हैं तो व्रत के साथ अपनी सेहत का भी जरूर ध्यान रखें। मेडिकल साइंस मानता है कि व्रत करना शरीर को डिटॉक्स करने और मन को शांत-एकाग्र करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। हालांकि व्रत के दौरान सेहत को लेकर बरती गईं असावधानियां आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती हैं। नवरात्रि व्रत के दौरान डायबिटीज या हृदय रोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप इस तरह की समस्याओं से परेशान हैं तो बिना डॉक्टरी सलाह के ज्यादा देर खाली पेट रहना स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। डायबिटीज के मरीजों को उपवास के दौरान शुगर लेवल को नियंत्रित रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। ज्यादादेर तक कुछ न खाने से हाइपोग्लाइसीमिया (ब्लड शुगर कम होना)

या हाइपरग्लाइसीमिया (ब्लड शुगर अधिक होना) दोनों का खतरा हो सकता है। इसलिए अगर आपको हाई डायबिटीज रहती है तो बिना डॉक्टरी सलाह के व्रत नहीं करना चाहिए। अगर आपको डायबिटीज है, फिर भी व्रत कर रहे हैं तो ब्लड शुगर की नियमित जांच करें, जिससे पता चल सके कि शुगर बढ़ या कम तो नहीं रहा है। उपवास के दौरान संतुलित आहार लें। साबूदाना, आलू जैसे हाई कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन से बचें क्योंकि ये रक्त शर्करा को तेजी से बढ़ा सकते हैं। साबुत अनाज (राजगिरा, सिंघाड़े का आटा) और फाइबर युक्त फल-सब्जियां जैसे सेब, नाशपाती, पपीता खा सकते हैं। व्रत के दौरान हाइड्रेशन का ध्यान रखना जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने से डायबिटीज की जटिलताएं काफी बढ़ सकती हैं। डायबिटीज की तरह हृदय रोगों के शिकार लोगों को भी उपवास के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। गलत खानपान या ज्यादा देर तक कुछ न खाने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। फलाहार के दौरान लो-फैट और लो-सोडियम वाली चीजें खाइए। तले-भुने खाद्य पदार्थ से बचें क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकते हैं। घी और मक्खन वाली चीजें खाने से बचिए इससे भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, मधुमेह रोगियों को ज्यादा देर खाला पेट नहीं रहना चाहिए। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो पहले डॉक्टर से परामर्श ले लें। यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन के अनुसार, हार्ट के मरीजों को उपवास के दौरान लो-सोडियम और हाई-फाइबर डाइट अपनानी चाहिए ताकि कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहे। इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों को इंटरमिटेंट फास्टिंग से पहले उनके इंसुलिन और दवा के डोज को एडजस्ट करना चाहिए ताकि शुगर लेवल स्थिर रहे। इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

पीठ के दर्द के लिए आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न. मेरी उम्र 54 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं। – श्रीनिवास राव, वारंगल

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रताल़ू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं। - भूपेंद्र रेड्डी, हैदराबाद

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में गठिया रोग कहते हैं । इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर यदि रहता है तो यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द होने लगता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकल पाना है । कई तरह के पदार्थ जैसेः सभी प्रकार की दालें , डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम ,मटर बीन्स आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इन से दूर रहें। जैतून तेल, ईसबगोल, ओट्स ,टमाटर ,अंगूर, चेरी ,मेवे, कद्दू, तुरई , घीया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदूरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है। ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशौर गुग्गुलु, ऊंझा संशमनी वटी ,ऊंझा अमृतारिष्ट आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय - तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन के पहले संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 28 वर्ष है। मुझे नजले की शिकायत है । नाक हमेशा बहती रहती है। नाक से पीले रंग का गाढा रेशे जैसा तरल पदार्थ निकलता रहता है । सिर व आंखों में भी दर्द रहता है। कृपया उपचार बताएं। - मनोज कुमार वर्मा, महबूबनगर

उत्तर : नजला या दुकान आयुर्वेद का 'प्रतिश्याय' रोग है। इसमें नाक बहना , छींके आना , सर्दी लगकर बुखार आना, नाक में संक्रमण होना, नाक में सूजन आना, नाक बंद रहना या नासामल से भरी रहना, सिर व आंखों में भारीपन के साथ दर्द होना- यह सब प्रतिश्याय के लक्षण हैं। साधारण औषधि योग में त्रिकटु चूर्ण (सोंठ , काली मिर्च एवं पिपली का समभाग चूर्ण) सबसे सरल व कारगर योग है ।इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में शहद में मिलाकर लेने से लाभ मिलता है। ऊंझा लक्ष्मी विलास रस की गोली को सादे पान के पत्ते में रखकर खाने से भी नजला ठीक होता है। ऊंझा चौंसठ प्रहरी पीपल टिकिया, ऊंझा काफकेतु रस के संग ऊंझा चंद्रामृत रस टिकिया को गुनगुने पानी से देना परम गुणकारी नतीजे देता है।

भोजन के बाद द्राक्षारिष्ट को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में समभाग गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम के पार्श्व प्रभाव जल्दी ही ठीक हो जाते हैं। इसमें खासकर ठंडी चीजों एवं कफ वर्धक आहार - विहार से बचें। तेज धूप से आते ही तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए । थोड़ी देर ठहर कर पसीना सूखने के बाद ही पानी पीना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

इस बार गर्मी तोड़ सकती है कई रिकॉर्ड्स, डॉक्टर्स बोले अभी से हो जाइए सावधान, इन चीजों का कम कर दें सेवन

अप्रैल आते-आते देश के ज्यादातर हिस्सों में गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। राजधानी दिल्ली में औसत तापमान अभी से 33-35 के बीच बना हुआ है, विशेषज्ञों का मानना है कि अप्रैल में तापमान 40 तक पहुंच सकता है जिसके कारण स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के बढ़ने का खतरा हो सकता है। कई रिपोर्ट्स इस बात को लेकर भी लगातार चिंता जताते रहे हैं कि इस बार की गर्मी पुराने कई रिकॉर्ड्स को तोड़ सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपनी रिपोर्ट में पहले ही बताया है कि साल 2025 की फरवरी अब तक की तीसरी सबसे गर्म फरवरी रही है। मौसम के पूर्वानुमानों के आधार पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस बार अप्रैल के अंत से ही हीटवेव को लेकर सभी लोगों को सावधान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि देश के अधिकतर राज्यों में फरवरी में तापमान सामान्य से कम एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस तरह बढ़ता तापमान स्वास्थ्य संबंधित कई प्रकार की दिक्कतों को भी बढ़ाने वाला हो सकता है। बढ़ते तापमान को ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक जैसे गंभीर समस्याओं के साथ मृत्यु दर को भी बढ़ाने वाला माना जाता रहा है। बच्चे और बुजुर्गों के लिए ये और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए सभी लोगों को अभी से अपनी सेहत को लेकर सावधान हो जाना चाहिए। गुरुग्राम स्थित एक अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन के डॉ. अभय गोयल बताते हैं, जलवायु परिवर्तन की वजह से वैश्विक तापमान में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है, इससे गंभीर बीमारियों के बढ़ने का भी खतरा हो सकता है। हमारा शरीर एक नियत ताप सहन करने की ही क्षमता रखता है। सामान्यतौर पर हमारा शरीर 43-45 डिग्री तापमान को कुछ समय तक सहन कर सकता है, हालांकि जैसे-जैसे इसमें बढ़ोतरी होती जाती है, इसके कई प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। जब शरीर लंबे समय तक उच्च तापमान के संपर्क में रहता है, तो इसके कारण आप हीट एग्जॉशन के शिकार हो सकते है। इसके कारण कमजोरी, चक्कर आने, मतली और सिरदर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यदि इसका समय पर इलाज न किया जाए तो इससे हीट स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं गर्मी के दिनों में सभी लोगों को चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक के सेवन से बचना चाहिए। इनमें कैफीन की अधिकता होती है। अगर आपको लगता है कि गर्मी से बचाने में कोल्ड ड्रिंक्स मददगार हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। इसके सेवन से राहत नहीं, बल्कि शरीर में पानी की मात्रा कम होने की आशंका ज्यादा रहेगी। डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पीना की कमी होने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

सिर्फ व्यायाम और अच्छी फिटनेस हृदय के लिए काफी नहीं

स पिछले एक दशक में हृदय रोगों के मामले जिस तरह से बढ़े हैं, विशेषतौर पर जिस तरह से कम उम्र के लोग इसका शिकार हो रहे हैं यह स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता बनती जा रही है। आमतौर पर माना जाता रहा है कि हृदय रोगों की समस्याएं उम्र बढ़ने के साथ होती हैं पर पिछले कुछ वर्षों में आपने भी 30 से कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के न सिर्फ मामले सुने होंगे, बल्कि इसके कारण मौत की खबरें भी पढ़ी-सुनी होंगी। हृदय रोगों को लेकर एक अवधारणा ये भी रही है कि जो लोग फिजिकली फिट होते हैं, नियमित व्यायाम करते हैं, उनमें हार्ट की समस्याएं कम देखी जाती हैं। पर ये थ्योरी भी अब बहुत फिट नहीं बैठती है। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध योग गुरु और वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा. पवन सिंहल की हाल ही में साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो गई। डॉ. पवन सिंहल अपनी सादगी और स्वस्थ जीवन शैली के लिए मशहूर थे। डॉ. सिंहल ने वर्ष 2022 में 11 घंटे में 100 किमी की दौड़ का रिकॉर्ड बनाया था। वह नियमित रनिंग और योग करते थे। इसी तरह एक अन्य मामले में बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर तमीम इकबाल को भी एक मैच के दौरान हार्ट अटैक हुआ, तुरंत उपचार मिलने के कारण वह फिलहाल ठीक हैं। हालांकि क्रिकेट जैसे खेल जिसमें फिटनेस बहुत मायने रखती है।

बीटीए पर भारत-यूएस की बात होना शेष

इंडिया ने व्हाइट हाउस को क्या भेजा संदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। अगले 72 घंटों में अमेरिका का रेसिप्रोकल टैरिफ भारत समेत पूरी दुनिया पर लागू हो जाएगा। जिसका बड़ा असर भारत के एक्सपोर्ट पर पड़ेगा जो बीते कुछ समय से कम हुआ है।

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि कि 2 अप्रैल को रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की अमेरिकी डेडलाइन से पहले भारत ने वाशिंगटन को बोला है कि व्यापार संबंधों का फोकस बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट यानी बीटीए पर होना चाहिए, ताकि टैरिफ पर किसी भी चिंता का समाधान किया जा सके। बीटीए पर बातचीत करने के लिए पिछले सप्ताह दिल्ली आए अमेरिकी अधिकारियों ने अपने भारतीय समकक्षों से कहा कि यह संदेश व्हाइट हाउस को दिया जाएगा, लेकिन फाइनल डिसीजन वहीं लिया जाएगा। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच बीटीए पर चर्चा करने के लिए 26-29 मार्च तक भारत में थे।

95 अरब डॉलर का बाइलेटरल ट्रेड

वार्ता के बाद शनिवार को जारी संयुक्त वक्तव्य में रेसिप्रोकल टैरिफ का उल्लेख नहीं किया गया। मामले से परिचित एक व्यक्ति ने कहा कि भारत ने बताया है कि रेसिप्रोकल टैरिफ की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि बीटीए पर चर्चा शुरू हो चुकी है और इन्हें व्यापार संबंधों का आधार बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई आश्वासन नहीं दिया गया है। इस पर फैसला व्हाइट हाउस लेगा। यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय उद्योग शुल्क से बचना चाहता है और अमेरिका भारत का टॉप ट्रेडिंग पार्टनर है, इसलिए उसने इसके प्रभाव से सुरक्षा के लिए सरकार से संपर्क किया है। अप्रैल-दिसंबर 2024-25 में भारत-अमेरिका बाइलेटरल ट्रेड 95 बिलियन डॉलर का था।

ट्रंप ने फिर दोहराई वही बात

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय उद्योग शुल्क से बचना चाहता है और यदि शुल्क लगाया जाता है, तो उद्योग इसके प्रभाव से सुरक्षा चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दोहराया कि भारत दुनिया में "सबसे अधिक शुल्क लगाने वाले देशों" में से एक है। अधिकारियों ने कहा कि बीटीए पर लिस्ट एक्सचेंज की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि शर्तों पर अभी भी काम चल रहा है। उद्योग अधिकारियों ने कहा कि टैरिफ रियायत से संबंधित कोई भी घोषणा सितंबर के बाद की जाएगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस सप्ताह की वार्ता ने बर्फ तोड़ने का काम किया, और बाद में ठोस बातचीत शुरू होने की उम्मीद है। चर्चाओं के बावजूद, अमेरिका स्टील, एल्युमीनियम, ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स जैसे भारतीय एक्सपोर्ट पर अतिरिक्त टैरिफ लगाना जारी रखेगा।

भारत का 2030 टारगेट

भारत और अमेरिका का लक्ष्य 2030 तक बाइलेटरल ट्रेड को 500 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना है, जिसमें बीटीए भी शामिल है। उनका लक्ष्य इस साल विंटर तक बीटीए के पहले चरण पर बातचीत करना है, जिसमें टैरिफ रियायतों और वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अमेरिका ऑटोमोबाइल, वाइन और स्पिरिट्स, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, डेयरी और सेब, अखरोट, पेकान और क्रैनबेरी जैसी कृषि वस्तुओं पर शुल्क रियायतों का इच्छुक है।

1 अप्रैल से लागू हो रहा बजट, 6 बड़े बदलाव:टैक्स स्लैब में बड़ी राहत

नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार का अतिरिक्त फायदा मिलेगा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। नया बजट कल 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगा। यानी, 1 फरवरी को सरकार ने बजट पेश करते हुए जो ऐलान किए थे उन पर काम शुरू होगा। हालांकि, योजनाओं का फायदा कब से मिलेगा, यह योजना के प्रकार और लागू करने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। आयकर छूट या सब्सिडी जैसे फायदे 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाते हैं, क्योंकि ये वित्तीय वर्ष के साथ जुड़े होते हैं। वहीं इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, सामाजिक कल्याण योजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इन पर काम करने की एक लंबी प्रोसेस होती है। **क्या बदलाव हुआ है:** न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम में 20 से 24 लाख की इनकम के लिए 25% टैक्स का नया स्लैब भी शामिल किया गया है। **असर क्या होगा:** पहले 30% की अधिकतम दर 15 लाख रुपए से ऊपर की आय पर लागू होती थी, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 24 लाख रुपए कर दी गई है। इससे मध्यम और उच्च-मध्यम आय वर्ग को कर में बचत होगी। **असर क्या होगा:** उच्च प्रीमियम वाले यूएलआईपी में निवेश करने वालों को अब टैक्स देना होगा। सरकार ने ये बदलाव हाई-इनकम टैक्स पेयर्स को यूलिप को टैक्स-फ्री इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में उपयोग करने से रोकने के लिए किए हैं। यूलिप प्रीमियम का एक बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाता है, इसलिए सरकार का तर्क था कि इसे ट्रेडिशनल इंश्योरेंस की तरह टैक्स छूट नहीं मिलनी चाहिए।**6. सस्ता-महंगा: कस्टम ड्यूटी बदलने का 150-200 प्रोडक्ट पर असर**

क्या बदलाव हुआ है: सरकार ने फरवरी में पेश किए गए बजट में कुछ प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी घटाई थी और कुछ पर बढ़ाई थी। इससे करीब 150-200 प्रोडक्ट प्रभावित होंगे। आम तौर पर वित्तीय वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2025 से कस्टम ड्यूटी में हुए बदलाव लागू होते हैं। हालांकि कुछ बदलावों की लागू होने की तारीखें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के नोटिफिकेशन पर निर्भर करती हैं।

कर्ज में डूबी बायजूस को फिर से लॉन्च करेंगे रवींद्रन

कहा- टूटे नहीं हैं, मुझे अपने छात्रों की आंखों की चमक याद है; पुरानी तस्वीर शेयर की

मुंबई,31 मार्च (एजेंसियां)। कर्ज में डूबी एडटेक कंपनी बायजूस के फाउंडर बायजू रविंद्रन ने कहा है कि वे जल्द ही कंपनी को रिलॉन्च करेंगे। रविंद्रन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अपनी पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'टूटे थे, टूटे नहीं हैं। हम फिर से उठेंगे। एक समय बायजूस देश का सबसे बड़ा एडटेक स्टार्टअप था। 2022 तक इसकी वैल्यू 22 बिलियन डॉलर यानी, करीब 1.88 लाख करोड़ रुपए थी। लेकिन फाइनेंशियल मिस मैनेजमेंट और अन्य समस्याओं के कारण 2024 में कंपनी की नेटवर्थ जीरो हो गई। एक बार फिर जब हम अपनी कंपनी को रिलॉन्च करेंगे, जो मुझे लगता है कि उम्मीद से पहले ही हो जाएगा - तो विशेष रूप से हम अपने पुराने लोगों को हायर करेंगे। मेरा अति-आशावादी होना कुछ लोगों को पागलपन लग सकता है, लेकिन यह मत भूलिए कि नंबर एक बनने के लिए आपको अलग और अजीब होना पड़ता है। कुछ भी उतना अच्छा नहीं होता जितना लगता है, न ही उतना बुरा जितना आपको विश्वास दिलाया जाता है। सच्चाई आमतौर पर कहीं बीच में होती है। इसलिए मैं पिछले 20 सालों के बारे में बात करने आया हूं- अच्छे 17, बुरे 2 और बदसूरत 1, कोई फिल्टर नहीं, केवल तथ्य। 9 साल में हमने 2.15 लाख ग्रेजुएट्स को हायर किया। एक्सपीरियंस और एकेडमिक बैकग्राउंड के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी को मिनिमम 6 लाख रुपए सैलरी दी। इन युवाओं को उनके करियर का पहला मौका देना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 2011 में रवींद्रन ने बायजूस की शुरुआत एक छोटे एजुकेशन प्लेटफॉर्म के रूप में की। यह कोचिंग क्लासेस से शुरू हुआ, लेकिन 2015 में ऐप लॉन्च के साथ यह तेजी से बढ़ा। बच्चों के लिए इंटरैक्टिव लर्निंग, आसान भाषा और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल इसकी खासियत बनी। 2020-21 में कोविड महामारी ने ऑनलाइन एजुकेशन की डिमांड बढ़ा दी और बायजूस ने इसका पूरा फायदा उठाया। आक्रामक मार्केटिंग (शाहरुख खान जैसे ब्रांड एम्बेसडर) और अधिग्रहण (व्हाइटहैट जूनियर, आकाश जैसी कंपनियां) ने इसे 2022 तक $22 बिलियन की वैल्यूएशन तक पहुंचा दिया, जिससे यह भारत का सबसे मूल्यवान स्टार्टअप बन गया। 2022 के बाद बायजूस की चमक फीकी पड़ने लगी। आक्रामक विस्तार और अधिग्रहण के लिए लिया गया भारी कर्ज कंपनी पर बोझ बन गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	05-19 बजे
चंद्र-	मेष	मे	मेष....	06-56 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृष....	08-40 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	10-41 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	12-52 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह....	15-08 बजे
शनि-	मीन	मे	कन्या...	17-12 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला....	19-16 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक.	21-26 बजे
			धनु.....	23-40 बजे
			मकर....	01-48 बजे
			कुंभ....	03-37 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-14 सूर्यास्त - 18-25
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **02:32** तक उपरान्त पंचमी
मास - चैत्र शुक्ल , मंगलवार **01 April**
नक्षत्र - भरणी **11:06** तक उपरान्त कृत्तिका
योग - विष्कुंभ **09:47** तक उप प्रीति
करण- वणिज **16-04** तक उप विष्टी
विशेष:- श्रीगणेश दमनक चतुर्थी व्रत
व्रत त्योहार - बैंक वार्षिक लेखाबंदी

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:56 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	06:14 - 07:44 अशुभ	काल	18:25 - 19:56 अशुभ
उत्पात	07:44 - 09:16 अशुभ	लाभ.	19:56 - 21:24 शुभ
चंचल.	09:16 - 10:48 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:52 अशुभ
लाभ.	10:48 - 12:20 शुभ	शुभ	22:52 - 00:20 शुभ
अमृत	12:20 - 13:52 शुभ	अमृत	00:20 - 01:47 शुभ
काल.	13:52 - 15:24 अशुभ	चंचल	01:47 - 03:15 शुभ
शुभ.	15:24 - 16:56 शुभ	रोग	03:15 - 04:43 अशुभ
रोग.	16:56 - 18:25 अशुभ	काल.	04:43 - 06:14 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बने रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी । आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे ।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है ।आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा ।आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हर तीसरे दिन नया रेकॉर्ड, एक साल में 39% तेजी वॉरेन बफे को आज जरूर हो रहा होगा अफसोस!

नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे महान निवेशक माने जाने वाले वॉरेन बफेट को कभी भी सोने में चमक नहीं दिखी। उन्होंने हमेशा सोने में निवेश से परहेज किया है। लेकिन पिछले कुछ साल में सोने की कीमत में जिस तरह की तेजी आई है उससे बफे को जरूर पछतावा हो रहा होगा। 2023 के आखिर से सोना सबसे ज्यादा फायदा देने वाला एसेट साबित हुआ है। दुनिया भर के सेंट्रल बैंक और बड़े फंड मैनेजर्स सोने को रेकॉर्ड कीमतों पर खरीद रहे हैं। इससे पिछले 12 महीनों में सोने की कीमत करीब 37% बढ़ गई है। पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय पर सोना पहली बार 3,100 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। इस दौरान इसने हर तीसरे कारोबारी सत्र में नया रेकॉर्ड बनाया है। पिछले साल सोने की कीमत 30% से ज्यादा तेजी आई थी। दुनिया के कई सेंट्रल बैंकों और कैपिटल-प्रोटेक्शन फंड्स लगातार सोना खरीद रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ के कारण दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। यह स्थिति सोने के लिए खाद का काम कर रही है। पिछले 30 महीनों में सोने की कीमत दोगुनी हो चुकी है। निर्मल बंग ने एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के असर को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। 2 अप्रैल को एक और लहर आने वाली है। इससे बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। सोना इस साल 15% चढ़ गया है। पिछले साल भी इसमें अच्छी बढ़त हुई थी क्योंकि निवेशक सुरक्षित ठिकाना ढूंढ रहे हैं। भू-राजनीतिक संघर्षों ने भी सोने की अपील को बढ़ाया है। इस साल अब तक ईटीएफएस ने 128 टन सोना खरीदा है। दुनिया भर में गोल्ड ईटीएफ की होल्डिंग तेजी से बढ़ रही है। कोविड से पहले लोग सोने को लेकर थोड़े सतर्क थे, लेकिन अब ईटीएफ में सोने की होल्डिंग मार्च तक लगभग 2,710 टन हो गई है। सेंट्रल बैंक पिछले 15 साल से लगातार सोना खरीद रहे हैं। पिछले तीन साल में उन्होंने 3,175 टन से ज्यादा सोना खरीदा है। सेंट्रल बैंक अमेरिकी डॉलर के एसेट की कीमत पर सोना खरीद रहे हैं। 2024 में सोने की कीमत लगभग 30% बढ़ी। इस दौरान आरबीआई ने लगभग 73 टन सोना खरीदा। लेकिन पोलैंड और तुर्की के सेंट्रल बैंकों ने आरबीआई से ज्यादा सोना खरीदा।यह ट्रेंड एफवाई26 में भी बदलने की संभावना नहीं है। इसकी वजह यह है कि इसमें तेजी की वजहें जस की तस बनी हुई हैं। इसलिए एफवाई25 में सोना खरीदने वाले सबसे बड़े खरीदार नए वित्त वर्ष में भी दूसरे एसेट क्लास की तलाश नहीं करेंगे। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्लूजीसी) ने सोने की डिमांड और कीमत के आउटलुक पर कहा कि सेंट्रल बैंक की खरीदारी पॉलिसी से तय होती है। इसलिए इसका अनुमान लगाना मुश्किल है लेकिन हमारे सर्वे और एनालिसिस बताते हैं कि मौजूदा ट्रेंड बना रहेगा।

रूस के पास है भारत से 150 गुना ज्यादा नेचुरल रिसोर्सेज, दूर-दूर तक कोई नहीं है टक्कर में

नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। भारत के कई राज्यों में हाल में भारी संख्या में खनिज संपदा के भंडार मिले हैं। जम्मू-कश्मीर में लीथियम का बड़ा भंडार मिला है। इसी तरह ओडिशा में भी सोने का बड़ा भंडार मिलने की बात कही जा रही है। इसी तरह पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में भी भारी मात्रा में खनिज और दुर्लभ धातुएं के होने की संभावना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया के किस देश के पास सबसे ज्यादा प्राकृतिक संसाधन हैं? इसका जवाब है रूस। रूस एरिया के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा देश है और यहां प्राकृतिक संसाधनों के बड़े भंडार हैं। रूस के पास सबसे ज्यादा 75 ट्रिलियन डॉलर के प्राकृतिक संसाधन हैं। दूर-दूर तक कोई उसके मुकाबले में नहीं है। रूस के पास कोयला, तेल, नेचुरल गैस, गोल्ड टिंबर और रेयर अर्थ्स मेटल्स के विपुल भंडार हैं।दुनिया में नेचुरल गैस का सबसे बड़ा ज्ञात भंडार रूस के पास है जो दुनिया के कुल भंडार को करीब 20 फीसदी है। माना जा रहा है कि यह 1.32 क्वाड्रिलियन क्यूबिक फीट के बराबर है। साथ ही रूस के पास सोने का दूसरा सबसे बड़े भंडार है। उसके पास 6,800 टन सोना है जो दुनिया में सोने के कुल भंडार का 13 फीसदी है। रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा प्रॉड्यूसर है और उसके पास दुनिया का छठा सबसे बड़ा तेल भंडार है। यह 107.8 बिलियन बैरल के बराबर है। इसी तरह हीरे के ग्लोबल प्रॉडक्शन में रूस की हिस्सेदारी 37 फीसदी है। डायमंड रिजर्व के मामले में रूस की हिस्सेदारी 46 फीसदी है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमेरिका है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले इस देश में 45 ट्रिलियन डॉलर के प्राकृतिक संसाधन हैं। इसमें से 90 फीसदी टिंबर और कोल के रूप में है। अमेरिका दुनिया के कोयले का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा अमेरिका के पास कॉपर, गोल्ड, ऑयल और नेचुरल गैस के भंडार हैं। साथ ही सीसा, मॉलीब्डीनम, फॉस्फोट, रेयर अर्थ, यूरेनियम, बाक्साइट, आयरन, मरकरी, निकल, पोटाश, सिल्वर, टंगस्टन, जिंक, पेट्रोलियम, नेचुरल गैस और टिंबर भी प्रचुर मात्रा में है। अमेरिका दुनिया में क्रूड का सबसे बड़ा प्रॉड्यूसर है।रूस और अमेरिका के बाद इस लिस्ट में सऊदी अरब का नंबर है जिसके पास 34 ट्रिलियन डॉलर के नेचुरल रिसोर्सेज हैं। सऊदी अरब के पास दुनिया का 15 फीसदी तेल भंडार है।

तार और केबल बिजनेस में आमने-सामने होंगे अडानी और बिड़ला

कॉपर और सीमेंट सेक्टर में पहले हो चुका है कड़ा मुकाबला

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सीमेंट सेक्टर में अपनी गहरी पैठ जमाने के बाद अब गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप और कुमार मंगलम बिड़ला का आदित्य बिड़ला ग्रुप तार और केबल सेगमेंट में दमदार एंट्री लेने की तैयारी कर रहे हैं. कॉपर और सीमेंट सेक्टर में पहले से ही दोनों में आगे निकलने की होड़ लगी है. अब दोनों ग्रुप तार और केबल सेगमेंट में कदम रखने जा रहे हैं. सीमेंट सेक्टर में कई छोटी-बड़ी कंपनियों को पछाड़ते हुए इन दोनों में कड़ा मुकाबला है और अब बारी केबल और वायर सेगमेंट की है, जिसमें आने वाले समय में काफी ग्रोथ की संभावना है.

देश के वायर और केबल इंडस्ट्री का रेवेन्यू फाइनेंशियल ईयर 2019 और 2024 में 13 परसेंट के कम्पाउंड एनुअल ग्रोथ के साथ आगे बढ़ा. अब इन दोनों बड़ी कंपनियों के इस सेगमेंट में कदम रखने के साथ इसमें वृद्धि की संभावना और भी कई गुना बढ़ जाएगी. इसका असर शेयर मार्केट में भी देखने को मिलेगा. वायर और केबल सेगमेंट में लिस्टेड कंपनियों के शेयर प्राइस में 19 मार्च के बाद गिरावट आई. इस सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी पॉलीकैब इंडिया और केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमत 20 मार्च को 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गई. इसी तरह से हैवेल्स के शेयर प्राइस में भी 5 परसेंट तक की गिरावट आई. इसके अगले दिन फिनोलेक्स केबल्स के शेयर भी 4 परसेंट तक गिर गए. ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने अधिक पूंजी वाले निवेशकों के लिए वायर और केबल सेगमेंट को आदर्श बताते हुए कहा, यह एक ऐसी इंडस्ट्री है जहां किसी भी कंपनी का वायर में 15 परसेंट से ज्यादा और केबल में 20 परसेंट से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं है.

ग्रोथ के हैं कई मौके

इस इंडस्ट्री में छोटी-बड़ी कंपनियों की संख्या कुल लगभग 400 है और रेवेन्यू 50-400 करोड़ के बीच में है. ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के मुताबिक, भारत में करीब 80,000 करोड़ रुपये की केबल और वायर इंडस्ट्री (56,000 करोड़ रुपये केबल और 24,000 करोड़ रुपये तार) के पास आकर्षक अवसर हैं।

शेयर बाजार से जुड़े निवेश की शिकायत है? तो सेबी में करें कंप्लेन जरूर समाधान मिलेगा

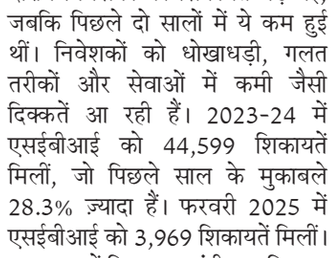

मुंबई,31 मार्च (एजेंसियां)। आजकल शेयर बाजार में लोगों की दिलचस्पी बहुत बढ़ गई है। इसकी वजह है डिजिटलीकरण, निवेशकों में जागरूकता और बाजार का अच्छा प्रदर्शन। जनवरी 2025 तक, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया में 11 करोड़ से ज़्यादा यूनिक निवेशकों के खाते खुल चुके थे। शेयर बाजार में पिछले पांच सालों में निवेशकों की संख्या 3.6 गुना बढ़ गई है। इसके साथ ही बढ़ी है शिकायतों की संख्या भी। कई बार निवेशकों को उसकी शिकायतों का समाधान नहीं मिल पाता है। ऐसे में आपको सेबी के इस प्लेटफॉर्म के बारे में जरूर जान लेना चाहिए। शेयर बाजार के प्रति जागरूकता बढ़ने की वजह से युवा निवेशक भी इसमें आ रहे हैं। एनएसई के अनुसार, निवेशकों की औसत उम्र पहले 38 साल थी, जो अब घटकर 32 साल हो गई है। 40% निवेशक 30 साल से कम उम्र के हैं। इससे पता चलता है कि युवा लोग शेयर बाजार में ज़्यादा रुचि ले रहे हैं। शेयर बाजार में कई निवेशकों को फ़ायदा हुआ है, लेकिन कुछ को धोखाधड़ी, गलत तरीकों और सेवाओं में कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है। साल 2023-24 के दौरान निवेशकों की शिकायतें बढ़ गईं, जबकि पिछले दो सालों में ये कम हुई थीं। निवेशकों को धोखाधड़ी, गलत तरीकों और सेवाओं में कमी जैसी दिक्कतें आ रही हैं। 2023-24 में एसईबीआई को 44,599 शिकायतें मिलीं, जो पिछले साल के मुकाबले 28.3% ज़्यादा हैं। फरवरी 2025 में एसईबीआई को 3,969 शिकायतें मिलीं। राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में शेयर बाजार में धोखाधड़ी के मामले बढ़कर 635 हो गए, जो पिछले साल के मुकाबले 45.9% ज़्यादा हैं। शेयर बाजार में किसी तरह की धोखाधड़ी होने पर निवेशक के पास सेबी के समक्ष शिकायत का विकल्प मिलता है। एसईबीआई की ऑनलाइन शिकायत निवारण विकल्पों में सेबी शिकायत निवारण प्रणाली (स्कोर्स), स्मार्ट ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) और मार्केट इंटेलिजेंस (एमआई) शामिल हैं। हालाँकि सेबी के स्कोर प्लेटफॉर्म पर शिकायत दर्ज करने से पहले, निवेशकों को संबंधित मध्यस्थ या कंपनी से संपर्क करना चाहिए। अगर शिकायत का समाधान नहीं होता है, तो वे स्कोर्स के माध्यम से एक साल के भीतर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। लिस्टेड कंपनियों, रजिस्टर्ड मध्यस्थों (स्टॉकब्रोकर, म्यूचुअल फंड) और बाजार बुनियादी ढांचा संस्थानों के खिलाफ शिकायतें स्कोर्स पोर्टल या इसके मोबाइल ऐप के माध्यम से जमा की जा सकती हैं। लिस्टेड कंपनियों से संबंधित शिकायतें, जैसे कि प्रतिभूतियों का हस्तांतरण न होना, बोनस शेयर और बायबैक प्रतिफल प्राप्त न होना, लाभांश का भुगतान न होना और पता या हस्ताक्षर अपडेट न होना। म्यूचुअल फंड से संबंधित शिकायतें, जैसे कि रिडम्पशन आय में देरी या गैर-प्राप्ति, योजना विशेषताओं से डेविएशन, खाते के विवरण में विसंगतियां, गलत या अधिक शुल्क, सूचना के बाद एसआईपी को रोकने में विफलता, आदि। यहां स्टॉकब्रोकर से संबंधित शिकायतें, जैसे कि सहमति के बिना पोजीशन काटना, आईपीओ आवेदन से संबंधित मुद्दे या आदेशों का निष्पादन न होना की भी शिकायतें हो सकती हैं।

इसके साथ ही डिपॉजिटरी से संबंधित शिकायतें, जैसे कि बिना सूचना के खाता बंद करना, डिमटेरियलाइजेशन अनुरोध में देरी, अधिक शुल्क, आदि भी की जा सकती है।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 25 लाख की इनामी नक्सली ढेर

शव-इंसास राइफल बरामद, इस साल अब-तक 119 से ज्यादा मारे

दंतेवाड़ा, 31 मार्च (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली लीडर रेणुका उर्फ बानू को ढेर कर दिया। रेणुका डीकेएसजेडसी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी। शव के साथ एक इंसास राइफल, गोला बारूद बरामद किया गया।

सोमवार सुबह नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों की टीम निकली थी। करीब 9 बजे जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया। दोनों ओर से काफी देर तक फायरिंग हुई। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक मारे गए 119 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं।

दो दिन पहले सुकमा में 17 मारे

सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और सीआरपीएफ के 500-600 जवानों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 11 महिला नक्सली हैं। मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में हुई थी।

मारे गए नक्सलियों में नक्सल संगठन एसजडसीएम- स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर जगदीश उर्फ बुधरा भी शामिल है। बुधरा पर 25 लाख का इनाम घोषित था। वह दरभा घाटी के झीरम कांड में शामिल था।

2013 में हुई इस वारदात में कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा समेत कई बड़े कांग्रेसी लीडर मारे गए थे।

सुकमा मुठभेड़ के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया X पर लिखा था कि हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 17 नक्सलियों को ढेर कर दिया। ऑटोमेटिक हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं। शाह ने कहा था कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता, केवल शांति और विकास से ही बदलाव लाया जा सकता है।

नक्सलियों से हथियार छोड़कर सरेंडर करने की अपील की गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 अप्रैल को बस्तर के दंतेवाड़ा जाएंगे। यहां नक्सल ऑपरेशन को लेकर मंत्री और अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे।

सरायकेला में पत्नी और 5 साल के बेटे की हत्या

घरेलू विवाद में पति ने लोहे के तवे से मारा, शराब का आदी था आरोपी

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), 31 मार्च (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां में एक पति ने घरेलू विवाद में अपनी पत्नी और 5 साल के बेटे की लोहे के तवे से पीटकर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय पार्वती मुंडा और उनके 5 वर्षीय बेटे गणेश मुंडा के रूप में हुई है। घटना सोमवार सुबह कपाली ओपी क्षेत्र के तमोलिया की है।

जानकारी के मुताबिक पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। वहीं, दोनों शराब के आदी भी थे। बताया जा रहा है कि सोमवार तड़के पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ।

गुस्से में आकर पति ने लोहे के तवे से पत्नी और बेटे पर हमला किया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

कपाली ओपी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पति सुकराम मुंडा को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक परिवार मूल रूप से सरायकेला-खरसावां जिले के रड़गांव का रहने वाला है। पुलिस हत्या के कारणों की जांच कर रही है।

प्रोफेसर अच्छे नंबर का लालच देकर करता था गंदी हरकत

छात्रा का आरोप- भेजता था गंदे मैसेज और रील, खैरागढ़ संगीत विवि का प्राध्यापक गिरफ्तार

खैरागढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. योगेंद्र चौबे को एक छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पीड़ित छात्रा ने बताया कि प्राध्यापक ने उसे परीक्षा में अच्छे अंक देने का लालच दिया। इसके बाद वह गंदी हरकत करने लगा। छात्रा के विरोध करने पर भी वह उसे बार-बार अपने पास बुलाता रहा। प्रोफेसर ने उसे मोबाइल पर गंदे मैसेज और रील भेजकर मिलने के लिए दबाव बनाया। दरअसल, यह मामला अगस्त 2023 का है। पीड़ित छात्रा ने आरोप लगाया कि डॉ. योगेंद्र चौबे ने परीक्षा में अच्छे अंक देने का लालच देकर उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा था। पहले वह छात्रा से सामान्य व्यवहार करता था, लेकिन बाद में उसने अश्लील इशारे करता। उसने बताया कि जब उसने इसका विरोध किया, तब भी प्रोफेसर उसे बार-बार अपने पास बुलाने की कोशिश करते। इतना ही नहीं, प्राध्यापक मोबाइल पर अश्लील मैसेज और रील भेजकर मिलने के लिए दबाव डालते। उसकी हरकतें लगातार बढ़ती गईं। जिससे परेशान होकर छात्रा ने पहने यूनिवर्सिटी प्रशासन से इसकी शिकायत की। लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मामला दबा रहा। लेकिन जब प्रोफेसर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो छात्रा ने अगस्त 2023 में राष्ट्रीय महिला आयोग से ऑनलाइन शिकायत की। बाद में जब राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप किया और पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस ने आयोग के निर्देश पर अगस्त 2023 में छात्रा की शिकायत दर्ज की थी। इस मामले में एक से साल अधिक लंबे समय तक जांच के बाद अब जाकर शनिवार शाम को प्रोफेसर को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने प्रोफेसर से रातभर पूछताछ की और छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए रविवार को जेल भेज दिया है। खैरागढ़ थाना प्रभारी अनिल शर्मा ने बताया कि छात्रा ने ऑनलाइन राष्ट्रीय महिला आयोग से शिकायत की कि इंदिरा कला संगीत यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. योगेंद्र चौबे ने उसका लैंगिक और मानसिक शोषण किया है। पुलिस की जांच में शिकायत की सही पाए जाने पर खैरागढ़ थाने में आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ केस दर्ज किया गया। इसके बाद जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। अब पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने अन्य छात्राओं के साथ भी ऐसा ही गलम व्यवहार किया है।

अपार्टमेंट के पार्किंग में लगी आग, 12 बाइक जलकर खाक

शार्ट-सर्किट की आशंका, कार का एक हिस्सा जला, स्थानीय लोगों ने बुझाई आग

बिलासपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर के एक अपार्टमेंट के पार्किंग में देर रात भीषण आग लग गई। जिससे 12 बाइक और स्कूटी जलकर खाक हो गए। एक कार भी जल गई। बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि, आगजनी की यह घटना रविवार देर रात की है। तोरवा के गुरुनानक चौक के पास वैशाली रीजेंसी अपार्टमेंट है। यहां फ्लैट में रहने वाले लोगों के लिए नीचे बेसमेंट पर गाड़ी खड़ी करने के लिए पार्किंग है। जहां रहवासी अपनी गाड़ियां खड़ी करते हैं। बताया जा रहा है कि, देर रात पार्किंग से आग की तेज लपटों के साथ धुआं उठ रहा था। आग से कुछ फटने की आवाजें भी आ रही थी। तभी लोगों की नींद खुली, जिसके बाद उन्होंने आवाज देकर रहवासियों को उठाया। उन्होंने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन, तब तक दर्जन भर बाइक और स्कूटी जल गए थे। इस दौरान एक कार भी आग की लपटों में घिर चुका था, जिस पर पानी डालकर आग को काबू में किया। इससे कार का एक हिस्सा ही जला। वहीं, कार पूरी तरह से जलने से बच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि, बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। रहवासियों ने बताया कि उन्होंने पार्किंग परिसर में होल्डर से चिंगारी निकलते देखा था। इस आगजनी की सूचना तोरवा थाने में दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

2 और 3 अप्रैल को बारिश की संभावना

प्रदेश में मौसम रहेगा साफ, 40 डिग्री के करीब पहुंचा चाईबासा का तापमान

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। मौसम में बदलाव लगातार जारी है। अधिकतम तापमान में लगभग हर दिन बढ़ोतरी हो रही है। राज्य के अधिकांश जिले का अधिकतम तापमान 35 डिग्री या इसके पार जा चुका है। इधर मौसम विभाग ने ईद को लेकर विशेष बुलेटिन जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार ईद के दिन यानी आज आसमान साफ और मौसम शुष्क रहने की बात कही है। कहा है कि आज राज्य के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक रह सकता है। वहीं रांची शहर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री जाएगा। इधर रविवार को चाईबासा का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री रहा। हजारीबाग में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री दर्ज किया गया। वही रांची का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे के दौरान तापमान में कोई बड़ा बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने अभी किसी भी जिले में हिट वेब चलने की चेतावनी जारी नहीं की है। रविवार को चार जिले चाईबासा, जमशेदपुर, बोकारो और गोड्डा जिले में तापमान अधिक दर्ज किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री व न्यूनतम 16.2डिग्री दर्ज किया गया। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री व न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में बारिश से पहले गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। लेकिन, तीन अप्रैल से बारिश होने के कारण गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक वृद्धि होने की संभावना भी व्यक्त की गई है। राज्य में कई जिलों में गर्मी सामान्य है। बोकारो और प. सिंहभूम को छोड़ अधिकांश शहरों का तापमान सामान्य के करीब है। लेकिन, अगले तीन दिन मौसम साफ रहने और चिलचिलाती धूप के कारण अधिकतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है।

रेलवे ट्रैक पर सेल्फी ले रहे बाप-बेटे की मौत

चक्रधपुर में साउथ बिहार एक्सप्रेस की चपेट में आए पिता और 5 साल का मासूम

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम), 31 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के चक्रधरपुर में रेलवे ट्रैक पर सेल्फी ले रहे बाप-बेटे की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा चक्रधरपुर रेल मंडल राजखरसावां और बड़ाबांबो स्टेशन के बीच कुचाई खमारडीह नाला के पास का है। मृतकों की पहचान रुईदास हेम्ब्रम (48) और उनके 5 वर्षीय बेटे माहिर के रूप में हुई है। दोनों चक्रधरपुर के उंचीबीता गांव के रहने वाले थे। रुईदास और माहिर खरसावां के खमारडीह गांव में एक जागरण कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। कार्यक्रम के दौरान वे गांव के पास रेल पटरी पर सेल्फी लेने बैठ गए। इसी दौरान साउथ बिहार एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

डीजे के कंपन से गिरा छज्जा, बच्चे की मौत

बिलासपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नववर्ष की शोभायात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां डीजे की तेज आवाज से एक मकान का छज्जा भरभरा कर गिर गया, जिससे 10 लोग घायल हो गए। इनमें एक बच्चे की इलाज की दौरान मौत हो गई। वहीं पुलिस का कहना है कि बॉक्स मकान के छज्जे से टकरा गया, जिसकी वजह से हादसा हुआ। घटना मस्तूरी थाना के मल्हार चौकी क्षेत्र की है। हिंदू नववर्ष पर शहर से लेकर गांव-गांव में शोभायात्रा निकाली गई। मल्हार में भी युवकों ने नववर्ष पर शोभायात्रा निकाली थी। इस दौरान युवक गांव का भ्रमण करने निकले थे। घटना रात रविवार करीब 8.30 बजे केंवटपारा की है। अभी शोभायात्रा मोहल्ले में पहुंची थी, जहां पर युवक डीजे की धुन पर थिरक रहे थे। केंवटपारा में डीजे की तेज आवाज के दौरान कंपन से टुकेश केंवट के मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। जिससे वहां खड़े लोग मलबे की चपेट में आ गए। इस हादसे में 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए मस्तुरी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में चंद्रशेखर केंवट (25), प्रशांत केंवट (11), दीपक केंवट (15), दीपेश केंवट (14) और हेमंत कैवर्त (13) को गंभीर चोट आई। प्राथमिक उपचार के बाद 3 को बिलासपुर जिला अस्पताल रेफर किया था।

घायलों में 2 बच्चों की हालत गंभीर थी, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान प्रशांत केंवट (11) की मौत हो गई। मल्हार चौकी पुलिस डीजे संचालक की तलाश कर मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, बच्चे की मौत के बाद शव का पंचनामा और पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

केवराडीह डकैती कांड का मास्टरमाइंड रिटायर्ड पुलिसकर्मी

पिस्टल, तलवार अड़ाकर 6 लाख की हुई थी डकैती, 10 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 27 मार्च को 7 नकाबपोश डकैतों ने किसान परिवार पर पिस्टल और तलवार अड़ाकर 6 लाख की डकैती की। अब मामले में रिटायर्ड पुलिसकर्मी समेत 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की खबर है। घटना खरोरा थाना क्षेत्र के केवराडीह गांव की है। बताया जा रहा है कि, रिटायर्ड पुलिसकर्मी ने ही डकैती की पूरी साजिश रची थी। इस पूरे मामले का पुलिस शाम तक खुलासा करेगी।

दरअसल, ये डकैती किसान के घर में हुई है। पीड़ित राधेलाल ने बताया कि, घर में उनकी पत्नी, मां, एक बेटी और बहू थी। यह सभी अलग-अलग कमरे में सो रहे थे, तभी रात करीब 2 बजे 7 आदमी आए। शोरगुल की आवाज सुनकर घर के अन्य लोग भी उठ गए। पीड़ित ने बताया कि, अचानक उनके कमरे में 2-3 लोग आ गए। हाथ में तलवार, बंदूक और चाकू लिए थे। गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। वे लोग कहने लगे सभी चुप रहो, चुप रहो। चिल्लाना मत बोलकर तलवार से मारने लगे, जिसको हम लोगों ने हाथ अड़ाकर रोका।

राधेलाल ने बताया कि, डकैतों ने कुछ फैमिली मेंबर के हाथ पर भी बांध दिए थे। इसके बाद डकैतों ने घर में रखे अलमारी से कैश और जेवर निकालकर एक बैग में रखकर वहां से भाग निकले। इसके बाद राधेश्याम ने करीब 3 बजे रात खरोरा पुलिस को सूचना दी थी। किसान से सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। खुद रायपुर SSP लाल उमेद सिंह मौके पर पहुंचकर मुआयना किया था। उनके साथ एडिशनल एसपी क्राइम, डीएसपी क्राइम और सीएसपी कोतवाली भी मौजूद थे।

वारदात में डॉग स्क्वायड की जब मदद ली गई तो स्निफर डॉग राधेलाल के घर से निकलकर गांव के बाहर लाली डबरी तक जाकर लौटता रहा। उसके आगे बलौदाबाजार हाइवे सड़क जाती है। अनुमान लगाया गया कि डकैत इसी रास्ते से दूसरे जिले में भाग निकले होंगे। इस पर बलौदाबाजार, बेमेतरा और अन्य जिलों को भी अलर्ट किया गया। आधा दर्जन संदेही बलौदाबाजार, बेमेतरा से हिरासत में लिए गए और उनसे हुई पूछताछ के बाद पूरी वारदात का खुलासा हुआ।

डोंगरगढ़ में 28 लाख की अवैध शराब जब्त

छत्तीसगढ़ सरकार का हॉलमार्क मिला नेताओं की चुप्पी पर करणी सेना ने उठाए सवाल

राजनांदगांव, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में पुलिस ने एक फार्म हाउस से 28 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय बहादुर सिंह ने सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। संजय बहादुर सिंह ने कहा कि माता की नगरी डोंगरगढ़ में इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब का मिलना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार सत्ता दल के नेताओं और पुलिस की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो भाजपा नेता पिछली सरकार में हॉलमार्क को बड़ी साजिश बताते थे, वे अब बताएं कि छत्तीसगढ़ सरकार का हॉलमार्क वहां कैसे बरामद हुआ। उनका कहना है कि इस मामले पर

चुप्पी साधे बैठे नेताओं का शराब माफियाओं से संबंध होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन में बैठे कुछ लोग आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धर्म नगरी में लंबे समय से चल रहे इस अवैध कारोबार की जानकारी कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेताओं को है। उन्होंने धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले नेताओं से जनता से माफी मांगने की मांग की है।

झुंड से बिछड़ा हाथी बना खतरनाक

तीन दिन में 5 लोगों को मार डाला जंगल में लगी आग से हाथी ने रूट बदला

गुमला, 31 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिले में एक जंगली हाथी ने तीन दिनों में 8 लोगों पर हमला किया है। इनमें से 5 लोगों की मौत हो गई है और 3 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। वन विभाग के अनुसार, ग्रामीणों द्वारा महुआ इकट्ठा करने के लिए जंगल में लगाई गई आग की वजह से हाथी अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया है। हालांकि वन विभाग का कहना है कि हाथी अब छत्तीसगढ़ की ओर चला गया है। यह हाथी अपने झुंड से अलग होने के बाद से बेहद आक्रामक हो गया था।

आमतौर पर हाथी फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन यह हाथी सीधे लोगों को निशाना बना रहा था। वो कच्चे घरों के अंदर घुस लोगों को कुचल रहा था।

इसी बीच हाथी का एक वीडियो सामने आया है। वो गांव में घुसकर लोगों को दौड़ाता नजर आ रहा है। शुक्रवार को भी हाथी ने पालकोट प्रखंड के तापकारा और डहुपानी पंचायत में दो लोगों की जान ले ली।

मृतकों में पालकोट देवगांव छाप टोली के 60 वर्षीय क्रिस्टोफर एक्का, तेतर टोली की 50 वर्षीय हेमवती देवी, रायडीह प्रखंड के सुगाकाटा के 65 वर्षीय फिरला नगेशिया, डेरांगडीह के 45 वर्षीय जेम्स कुजूर और जारी प्रखंड सीसी करमटोली के 73 वर्षीय क्लाइमेंट एक्का शामिल हैं। घायलों में 50 वर्षीय अरविंद सिंह, 40 वर्षीय अजय मिंज और ईमिल बा का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वहीं, सोमवार को वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ सीमावर्ती हाथी प्रभावित संभावित गांव (कोदा, सारंगाडीह, धोबारी, बिचरा, लावाबर, पांची, परसा,उरई-कोना, मांगरू ताला) में पहुंच कर ग्रामीणों से हाथी के बारे में जानकारी प्राप्त किया। लेकिन कोई नया अपडेट प्राप्त नहीं हुआ। संभवत हाथी गांव में न घुस कर जंगल से होते हुए छत्तीसगढ़ बॉर्डर पार कर गया होगा। गुमला वन प्रमंडल पदाधिकारी बेलाल अहमद व रेंजर जगदीश राम ने बताया कि महुआ चुनने के लिए ग्रामीण जंगलों में आग लगा दे रहे हैं। इसकी वजह से हाथी एग्रेसिव हो जा रहा है। यह हाथी सिमडेगा की ओर से झुंड से भटक कर गुमला में घुसा था, जो अब छत्तीसगढ़ की ओर मूवमेंट कर गया है। सभी पीड़ितों को तत्काल कुछ मुआवजा दे दिया गया है और कागजी कार्रवाई होने पर पूरी राशि दी जाएगी।

हिस्ट्रीशीटर को चाकू से काट डाला

शराब-पार्टी के लिए बुलाया, फिर 4 दोस्तों संग कान-गाल और सीने में मारा

दुर्ग-भिलाई, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कुख्यात अपराधी तपन सरकार के भांजे ने अपने 4 साथियों के साथ मिलकर एक हिस्ट्रीशीटर को चाकू से गोदकर मार डाला। हिस्ट्रीशीटर के सीने, गाल और कान में गंभीर चोट के निशान हैं। मामला जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाले निगरानी बदमाश का नाम अवतार मरकाम (40) है। वारदात को तपन सरकार के भांजे आकाश मजूमदार, दीपक ठाकुर, मुकेश चौहान, अमन साहू और होरीलाल पटेल ने दिया है। अवतार मरकाम को शराब पार्टी के नाम से बुलाकर हत्या की।

दरअसल, कुछ महीने पहले बदमाश अवतार और मुकेश चौहान के बीच मारपीट हुई थी। इसके अलावा बदमाश अवतार ने दीपक ठाकुर के भी पैर तोड़ दिए थे। अवतार ने होरीलाल से भी होली में मारपीट की थी। ऐसे में इन सभी लोगों ने अवतार को ठिकाने लगाने की साजिश रची।

इस साजिश में आरोपियों ने आकाश मजूमदार को भी शामिल किया। सभी सहमत होकर 28 मार्च 2025 को आकाश की मदद से अवतार को फोन से शराब पार्टी के लिए इंदर ढाबा बुलाया। ढाबा में पहले से दीपक ठाकुर, मुकेश चौहान, अमन साहू और होरीलाल मौजूद थे।

इस दौरान अवतार जैसे ही वहां पहुंचा, दीपक ठाकुर की गाड़ी के पास छिपकर खड़े मुकेश उर्फ चिरा, होरीलाल उर्फ बाती और अमन साहू उर्फ मसान ने अवतार के कान, गला और सीने में ताबड़तोड़ हमला कर दिया। धारदार हथियार से वार के कारण अवतार की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। साथ ही पुलिस की स्पेशल टीम गठित की गई। पुलिस ने चश्मदीद गवाह विकास सिंह परमार से पूछताछ की। गवाह के बताए अनुसार पुलिस ने आकाश मजूमदार उर्फ सोना को हिरासत में लिया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर सिरसा गनियारी क्षेत्र से मुकेश चौहान उर्फ चीरा, अमन साहू उर्फ मसान और होरीलाल पटेल उर्फ बाती को हिरासत में लिया गया।

भूपेश का दावा-थर्मल पावर प्लांट का फिर से फीता काटा

पूर्व सीएम बोले-कांग्रेस सरकार में हुआ था शिलान्यास

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिलासपुर में 33 हजार 700 करोड़ के 22 बड़े प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण किया, लेकिन उनके इस दौरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि जो थर्मल पावर स्टेशन उनकी सरकार में शिलान्यास हो चुका था, उसका दुबारा शिलान्यास किया गया। जबकि बीजेपी ने इसका जवाब देते हुए कहा कि यह शिलान्यास नहीं, बल्कि कार्य प्रारंभ है, जिसे सभी जरूरी मंजूरियां मिलने के बाद शुरू किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'कमाल करते हैं प्रधानमंत्री जी।

अगर मेरे द्वारा शिलान्यास किए हुए थर्मल पावर स्टेशन का ही पुनः शिलान्यास करना था तो सूचना दे देते। मैं और 10-20 प्रोजेक्ट ऐसे बता देता जिनका फीता अब दोबारा काट सकते थे।

प्रधानमंत्री आवास की चाबी भी आप उन हितग्राहियों को ही दे पाए जिनको पहली किस्त हमारी सरकार ने जारी की थी। इस प्रकार कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री जी को छत्तीसगढ़ में सिर्फ़ "मेमू ट्रेन" को झंडी दिखाने के लिए बुलाया गया था। इस पोस्ट में उन्होंने सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन, कोरबा का जिक्र किया, जिसका शिलान्यास उन्होंने खुद 29 जुलाई 2023 को किया था।

बीजेपी बोली- भूपेश का शिलान्यास फर्जी था

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने सोशल मीडिया पर लिखा - 'फर्जी शिलान्यास जिसके पत्थर का भी अता-पता नहीं, फॉर्मेलिटी के लिए टेंडर निकाला था, जिसका कुछ नहीं हुआ।'

उन्होंने कहा कि यह शिलान्यास नहीं बल्कि कार्य प्रारंभ है, और इसके लिए जरूरी मंजूरी हाल ही में मिली है।

स्कूल में पार्टी करने वाले बालोद बीईओ पर गिरी गाज

बालोद, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बीईओ (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) बसंत बाघ पर स्कूल में जाकर पार्टी करने और शिक्षकों को प्रताड़ित करने के आरोप लगे हैं। इन आरोपों की पुष्टि के बाद कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने उन्हें अब प्राचार्य पद पर पदस्थ किया है। वहीं, गुंडरदेही के बीईओ नवीन यादव को बालोद बीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

दरअसल, मामला जिले के बेलमांड स्कूल का है, जहां बसंत बाघ के लगातार स्कूल परिसर में पार्टी करने की शिकायतें मिल रही थी। इन आरोपों की प्रथम दृष्टया जांच में वे दोषी पाए गए। इसके आधार पर कलेक्टर ने आदेश जारी कर उन्हें बीईओ पद से हटाकर प्राचार्य नियुक्त कर दिया है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलमांड, विकासखंड बालोद में कार्यरत शिक्षिका चंदारानी साहू, कमलेश्वरी सलामे, किरण कोशिमा, नीलम ठाकुर, उमा चन्द्रवंशी और गीता कान्डे ने बसंत बाघ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोपों के अनुसार, बसंत बाघ बार-बार विद्यालय जाते थे और वहां प्राचार्य नरेश कुमार मंडावी द्वारा विशेष रूप से जीव विज्ञान प्रायोगिक कक्ष उन्हें उपलब्ध कराया जाता था।

शिकायत में यह भी कहा गया कि स्कूल में पार्टी आयोजित की जाती थी, उपहार दिए जाते थे, और महिला कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जाता था।

ट्रम्प बोले- पुतिन से काफी नाराज हूं

जेलेंस्की की आलोचना करना मुझे पसंद नहीं आया, सेकेंडरी टैरिफ लगाने की धमकी दी

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए टेलिफोनिक इंटरव्यू में कहा कि वो रूसी राष्ट्रपति पुतिन से काफी नाराज हैं। ट्रम्प ने कहा कि पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की लीडरशिप की आलोचना की थी, यह मुझे पंसद नहीं आई। पुतिन ने शुक्रवार को यूक्रेन में एक अस्थाई सरकार स्थापित करने का मांग की थी जिससे जेलेंस्की को सत्ता से बाहर किया जा सके।

ट्रम्प बोले- यूक्रेन में नया लीडर आया तो समझौते में देरी

ट्रम्प ने कहा कि पुतिन यूक्रेन में नई लीडरशिप की मांग कर रहे हैं, इससे शांति समझौते में देरी हो सकती है।

नई लीडरशिप का मतलब है कि आप लंबे वक्त तक कोई समझौता नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि रूस पर प्रतिबंधों में बढ़त करने का मतलब यह होगा कि अगर आप रूस से तेल खरीदते हैं, तो आप अमेरिका में व्यापार नहीं कर सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की आलोचना करते हुए कहा था कि मैं उनके वॉर से निपटने के उनके तरीके से तंग आ चुका हूं। ट्रम्प ने नए चुनाव कराने में नाकाम रहने पर जेलेंस्की को तानाशाह कहा था।

यह सामान्य टैरिफ से अलग है। सामान्य टैरिफ में अमेरिका सीधे रूस से आने वाले सामान पर शुल्क लगाता, लेकिन चूंकि अमेरिका पहले से ही रूस से बहुत कम आयात करता है (2022 से रूसी तेल का आयात बंद है), इसलिए सीधे टैरिफ का असर सीमित होता।

सेकेंडरी टैरिफ में अमेरिका उन तीसरे देशों पर शुल्क लगाएगा जो रूस से तेल या गैस खरीदते हैं और फिर उसे अमेरिका को बेचते हैं या अमेरिकी बाजार में कारोबार करते हैं।

इस टैरिफ के अंतर्गत या तो अमेरिका के साथ व्यापार पूरी तरह बंद हो सकता है, या फिर पहले से लगाए गए टैरिफ के मुकाबले दोगुने टैरिफ का भुगतान करना पड़ सकता है। इसका मकसद प्रतिबंधित देश के साथ-साथ उसके सहयोगी देशों भी सजा देना है।

यूक्रेन का 20% हिस्सा रूस के कंट्रोल में

रूस बीते तीन साल में यूक्रेन का लगभग 20% हिस्सा यानी 113,000 वर्ग किमी इलाका हथिया चुका है। राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के चार पूर्वी प्रांत डोनेट्स्क, लुहांस्क, जापोरिज्जिया और खेरसॉन को रूस में शामिल कर चुके हैं। जबकि रूस के कुर्स्क इलाके में दोनों सेनाओं में संघर्ष जारी है।

रूस यूक्रेन में ब्लैक सी में सीजफायर पर सहमति

रूस और यूक्रेन के बीच 5 दिन पहले ही ब्लैक-सी में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और सैन्य हमले रोकने पर सहमति बन गई है। इसके साथ दोनों देश एक दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमला रोकने का उपाय डेवलप करेंगे। अमेरिका ने इसे लेकर यूक्रेन और रूस से अलग-अलग समझौते किए हैं। सोमवार को अमेरिका और रूस के बीच सऊदी अरब के रियाद में 12 घंटे से ज्यादा बैठक हुई थी।

इसके साथ ही उन्होंने ईरान को लेकर कहा कि अगर उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका से समझौता नहीं किया तो वो उसे सजा देंगे। ट्रम्प ने कहा कि अगर वो समझौता नहीं करते हैं तो उन पर बमबारी होगी और सेकेंडरी टैरिफ लगाया जाएगा।

थाईलैंड में 5 चीनी नागरिक गिरफ्तार

ढह चुकी 30 मंजिला इमारत के दस्तावेज चुराने का आरोप

बैंकॉक, 31 मार्च (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में 5 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी नागरिक भूकंप से तबाह हुई इमारत से अहम दस्तावेजों को चुरा रहे थे। बैंकॉक के चतुचक जिले में 28 मार्च को भूकंप आया था, इसमें एक 30 मंजिला इमारत ढह गई थी। इस इमारत को एक चाइनीज कंपनी और एक थाई निर्माण कंपनी मिलकर बना रही थीं। भूकंप में इमारत के गिरने के बाद अधिकारियों ने इस जगह को प्रतिबंधित आपदा स्थल घोषित कर दिया था। थाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, 5 चीनी नागरिकों को रविवार को प्रतिबंधित इलाके से दस्तावेज, ब्लूप्रिंट ले जाते हुए देखा गया था। पकड़े जाने पर उन्होंने दावा किया कि वे बीमा क्लेम के लिए आए हुए थे।

म्यांमार भूकंप- नमाज पढ़ रहे 700 लोगों की जान गई

60 मस्जिदें तबाह, चौथे दिन मरने वालों का आंकड़ा 1700 पार

नेपीदा, 31 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार में शुक्रवार को आए भूकंप की वजह से नमाज पढ़ रहे 700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसके अलावा 60 से ज्यादा मस्जिदें भी इसमें तबाह हो गई हैं। इस तबाही में मरने वाली संख्या चौथे दिन बढ़कर 1700 से ज्यादा हो गई है। म्यांमार की सेना ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

सैन्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि 3400 से ज्यादा लोग घायल हैं जबकि 300 से ज्यादा लापता है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि मस्जिदों में मारे गए लोगों को भूकंप में मारे गए 1,700 से अधिक लोगों की आधिकारिक संख्या में शामिल किया गया है या नहीं।

7.7 तीव्रता का यह भूकंप म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। सीएनएन ने एक जियोलॉजिस्ट के हवाले से बताया है कि इस भूकंप का असर 334 एटॉमिक बम में ब्लास्ट के बराबर था। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने जताई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन रिलीफ सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से म्यांमार के मांडले शहर पहुंची। इससे पहले ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत ही भारत ने मदद के लिए 15 टन राहत सामग्री में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, वाटर प्यूरीफायर, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और आवश्यक दवाएं भेजी।

यूएन ने म्यांमार को 43 करोड़ रुपए की मदद दी

संयुक्त राष्ट्र ने रिलीफ प्रोग्राम शुरू करने के लिए म्यांमार को 5 मिलियन डॉलर (43 करोड़ रुपए) दिए।

रूस के इमरजेंसी मंत्रालय ने 120 बचावकर्मियों और जरूरी सामान के साथ दो विमानों को भेजा। चीनी की रेस्क्यू टीम भी पहुंची। हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर और मलेशिया भी रेस्क्यू टीम भजेंगे।

सड़कों पर भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किल आ रही है। कई मेडिकल इक्विपमेंट जैसे ट्रॉमा किट, ब्लड बैग, एनेस्थेटिक्स और जरूरी दवाओं के ट्रांसपोर्ट में बाधा हो रही है।

दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों की लिस्ट में

भारत से आगे निकला पाकिस्तान

लंदन, 31 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे सुरक्षित देशों की लिस्ट जारी हो गई है, लेकिन आप ये जानकर हैरान हो जाएंगे कि इस सूची में टॉप स्थान पर अमेरिका, ब्रिटेन या कोई शक्तिशाली यूरोपीय देश नहीं है। बल्कि यह दक्षिणी-पश्चिमी यूरोप में एक छोटा सा देश अंडोरा है, जो स्पेन और फ्रांस के बीच बसा हुआ है।

नुंबेओ सेफ्टी इंडेक्स के अनुसार, अंडोरो को दुनिया का सबसे सुरक्षित देश घोषित किया गया है। सुरक्षित देशों की रैंकिंग उस देश के रहन-सहन और वहां पर अपराध की दर के आधार पर तैयार की गई है। दिलचस्प बात ये है कि इस रैंकिंग में भारत का नंबर अमेरिका और ब्रिटेन से बहुत ऊपर है।

भारत की रैंकिंग पर जाने से पहले लिस्ट में शामिल पांच शीर्ष देशों के बारे में जान लेते हैं। अंडोरा के बाद लिस्ट में दूसरा नंबर संयुक्त अरब अमीरात है। सुरक्षित देशों में तीसरे नंबर पर कतर है, जबकि ताइवान और ओमान क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर है।

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ताइवान को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता नहीं है, लेकिन यह स्वयं को चीन से स्वतंत्र इकाई के रूप में प्रस्तुत करता है। दुनिया की सबसे ताकतवर सेना और उच्च तकनीकी क्षमता रखने वाला अमेरिका का नाम सुरक्षित देशों की लिस्ट में शीर्ष 50 में भी शामिल नहीं है। दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में अमेरिका का स्थान 89वां है। वहीं ब्रिटेन रैंकिंग में 87वें नंबर पर है। इन दोनों के मुकाबले भारत रैंकिंग में बहुत ऊपर है। दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में भारत का स्थान 66वां है।

पाकिस्तान का नंबर भारत से आगे

दिलचस्प बात ये है कि इस रैंकिंग में पाकिस्तान की रैंकिंग 65 है, जो भारत से एक अंक ऊपर है। भारत का एक और पड़ोसी चीन इस लिस्ट में 15वें स्थान पर है। सूची में शामिल कुल 147 देशों में सबसे नीचे वेनेजुएला है। इसके बाद पापुआ न्यू गिनी (146), हैती (145), अफगानिस्तान (144) और दक्षिण अफ्रीका (143) पर है।

जर्मनी के स्पेस रॉकेट क्रैश का वीडियो वायरल

लॉन्चिंग के 40 सेकेंड बाद ही गिरा क्रैश के वक्त कोई पेलोड नहीं था

बर्लिन, 31 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी की स्टार्टअप कंपनी बवेरियन इसार एयरोस्पेस का स्पेस रॉकेट उड़ान के 40 सेकेंड बाद ही क्रैश हो गया। रविवार को लॉन्च इस रॉकेट का मकसद यूरोप में सैटेलाइट लॉन्चिंग प्रोग्राम को आगे बढ़ाना था।

इस रॉकेट को नॉर्वे के आर्कटिक एन्डोया स्पेस पोर्ट से लॉन्च किया गया था। यह रॉकेट एक मीट्रिक टन तक वजन वाले स्माल और मिडिल साइज सैटेलाइट को स्पेस में ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है, हालांकि क्रैश के वक्त रॉकेट में कोई पेलोड नहीं था

कंपनी ने पिछले हफ्ते कहा था कि इस मिशन का मकसद कंपनी के आंतरिक रूप से विकसित लॉन्च व्हीकल का डेटा जुटाना है, जो इसके सभी सिस्टम का पहला इंटीग्रेटेड टेस्ट है।

हिंद महासागर से ईरान पर बम बरसाएगा अमेरिका

ट्रंप की धमकी से यूंही नहीं डरा है इस्लामिक देश, खामेनेई शासन का अंत करीब

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के परमाणु ठिकानों पर अगर अमेरिका हमला करेगा तो वो हिंद महासागर में भारत से होगा। डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि ईरान अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में शामिल हो। जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, उसके लंबी दूरी की मिसाइलों को बनाने की क्षमता को रोकना और मिडिल ईस्ट में ईरानी प्रॉक्सी संगठनों को खत्म करना है। जाहिर तौर पर ईरान हरगिज ऐसा नहीं चाहता है और इसीलिए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खेमेनाई ने ट्रंप के बातचीत के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। जिसके बाद पेंटागन ने भारत के दक्षिणी सिरे से 1140 मील दक्षिण में डिएगो गार्सिया द्वीप पर अपने एडवांस स्टील्थ बमवर्षक विमान बी-2 को तैनात कर दिए हैं। जिसका मतलब है कि अमेरिका, वाकई ईरान पर हमला करने के लिए गंभीर तौर पर तैयार है।

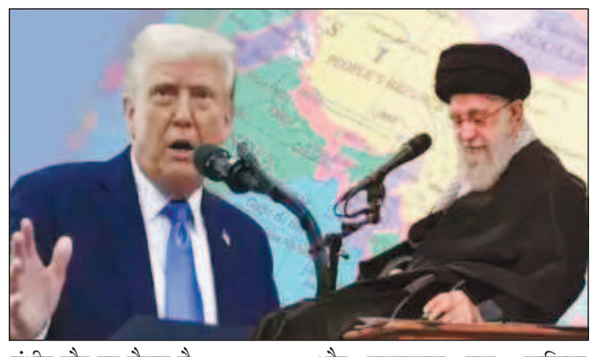

अमेरिकी सेना उन अभियानों का अभ्यास कर रही है जो उन्होंने अफगानिस्तान से वापसी के बाद से नहीं किए हैं। अमेरिकी सेना मिडिल ईल्ट या फिर पूर्वी एशिया में ईरान और उसके प्रॉक्सी के ठिकानों पर हमला करने के लिए रणनीतिक बमवर्षक बलों की तैनाती के साथ साथ उन्हें आवश्यक रसद पहुंचाने और खुफिया बुनियादी ढांचे, ईंधन भरने वाले विमान, स्पेयर पार्ट्स ले जाने वाले परिवहन विमान और रखरखाव दल, खुफिया इकाइयां और बचाव दल को तैनात कर दिए हैं। यानि, अमेरिका, ईरान पर हमला करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इसके अलावा अमेरिका ने अपने एक एयरक्राफ्ट कैरियर को भी इस क्षेत्र में तैनात कर दिया है। अमेरिकी वायुसेना की मदद करने के लिए अमेरिकी नौसेना ने कमर कस रखी है।

इसके अलावा अब अमेरिका यमन में हमले से अपनी रणनीति की शुरूआत कर सकता है और जो भी कमियां हैं, उन्हें दूर कर सकता है। इसके अलावा एक और एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस ट्रूमैन को भी कहां पॉजिशन लेना है, ये तय कर लिया गया है। यमन में अमेरिकी हमले ये दिखाने के लिए है कि डोनाल्ड ट्रंप की धमकियां खोखली नहीं हैं।

इसके जवाब में ईरान ने डिएगो गार्सिया पर हमला करने की धमकी दी है। लेकिन हिंद महासागर में स्थित यह द्वीप ईरान के नजदीकी प्वाइंट से लगभग 2,480 मील दूर है। और सवाल ये हैं कि क्या अमेरिका के पास ऐसी मिसाइलें हैं, जो 2500 किलोमीटर से ज्यादा दूर के ठिकानों पर हमला कर सके? लेकिन अमेरिका के लिए ऐसा करना कोई मुश्किल काम नहीं हैं। अमेरिकी बमवर्षक विमान बी-2 ऐसा आसानी से कर सकता है। लेकिन ईरानी बैलिस्टिक या क्रूज मिसाइलों का इस द्वीप तक पहुंचना काफी मुश्किल है।

अमेरिकी महिला ने बताया भारत में बच्चों का पालन-पोषण अमेरिका से बेहतर क्यों

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। चार साल पहले भारत आकर बसने वाली एक अमेरिकी महिला ने कहा है कि उसके बच्चों को भारत में बड़े होने से बहुत फायदा होगा। तीन बच्चों की मां क्रिस्टन फिशर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनका बच्चा एक गली में चलते हुए दिखाया गया है। क्रिस्टन फिशर ने कैप्शन में बिंदुवार तरीके से बच्चों की परवरिश के संबंध में अपने विचार साझा किए हैं। क्रिस्टन फिशर ने लिखा, "यहां कुछ ऐसे तरीके बताए गए हैं जिनसे उनके (बच्चों) लिए अमेरिका के बजाय भारत में अपना बचपन बिताना ज्यादा बेहतर होगा।"

क्रिस्टन फिशर ने सांस्कृतिक जागरूकता और अनुकूलनशीलता, बहुभाषावाद, वैश्विक परिप्रेक्ष्य, लचीलापन और स्वतंत्रता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, मजबूत पारिवारिक बंधन, सादगी और कृतज्ञता की सराहना और वैश्विक नेटवर्क से कनेक्शन जैसे बिंदुओं में अपनी बात रखी। क्रिस्टन फिशर ने लिखा, "सांस्कृतिक जागरूकता और अनुकूलनशीलताः भारत में रहने से मेरे बच्चों को संस्कृतियों, भाषाओं और रीति-रिवाजों की समृद्ध विविधता से परिचित होने का अवसर मिलेगा।इससे उन्हें विभिन्न संस्कृतियों के प्रति गहरी समझ और सम्मान विकसित करने में मदद मिलेगी, साथ ही खुले विचारों और अनुकूलनशीलता को बढ़ावा मिलेगा।" उन्होंने लिखा, "बहुभाषावादः भारत में कई भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। मेरे बच्चे हिंदी सीखेंगे और अंग्रेजी के साथ-साथ कई अन्य भाषाओं से भी परिचित होंगे। बहुभाषी होने से ज्ञान संबंधी विकास बढ़ता है, संचार कौशल में सुधार होता है और भविष्य में नौकरी की संभावनाएं बढ़ती हैं।"

क्रिस्टन फिशर ने लिखा, "वैश्विक परिप्रेक्ष्यः भारत में पले-बढ़े मेरे बच्चों को दुनिया को लेकर व्यापक दृष्टिकोण मिलेगा। वे वैश्विक मुद्दों, क्षेत्रीय चुनौतियों और अलग-अलग सामाजिक मानदंडों के बारे में सीखते हैं, जिससे उन्हें वैश्विक नागरिकता के बारे में ज्यादा सूक्ष्म दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है।" उन्होंने लिखा, "लचीलापन और स्वतंत्रताः किसी दूसरे देश में रहने के लिए बच्चों को नई स्कूल प्रणाली में समायोजित होने से लेकर स्थानीय रीति-रिवाजों को समझने तक की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

हमास के खिलाफ युद्ध के बीच इजराइल सेना का आदेश

गाजा के लोगों से राफा शहर खाली करने के लिए कहा

डेर अल-बलाह, 31 मार्च (एजेंसियां)। युद्ध विराम समाप्त होने के बाद इजराइल लगातार हमास के खिलाफ हमले कर रहा है। गाजा पट्टी में लगातार इजराइल की ओर से बमबारी की जा रही है। इस बीच इजराइली सेना ने लोगों से गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर राफा के अधिकांश हिस्से को खाली करने के लिए कहा है।

इससे पहले इजराइली सेना ने गाजा शहर के कुछ हिस्सों को खाली करने का आदेश दिया था। लोगों को जीतून, तेल अल-हवा और अन्य इलाके खाली करने के लिए कहा था। यहां इजराइली सेना ने 17 महीने के युद्ध के दौरान पिछले ऑपरेशन किए हैं। सेना ने कहा कि वह जल्द ही क्षेत्र से रॉकेट फायर का जवाब देगी और निवासियों को दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया। इजराइली सेना ने सीमा पर एक रणनीतिक बफर जोन पर कब्जा कर लिया और

युद्धविराम समझौते के अनुसार वहां से वापस नहीं लौटी। इजराइल ने कहा कि हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए उसे वहां अपनी मौजूदगी बनाए रखने की जरूरत है। पिछले सप्ताह इजराइल ने हमास के साथ अपने युद्धविराम को समाप्त कर दिया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमले शुरू किए। इसमें सैकड़ों फलस्तीनी मारे गए थे। इजराइल ने तब तक सैन्य दबाव बढ़ाने की कसम खाई है जब तक कि हमास शेष 59 बंधकों को वापस नहीं कर देता। इजराइल ने यह भी मांग की है कि हमास निरस्त हो जाए और अपने नेताओं को निर्वासन में भेज दे। हमास ने कहा है कि वह स्थायी युद्धविराम और गाजा से इजराइल की पूर्ण वापसी के बिना शेष बंधकों को रिहा नहीं करेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक नए घरेलू सुरक्षा प्रमुख को नामित किया है। उन्होंने मौजूदा सुरक्षा प्रमुख को बर्खास्त कर दिया। नेतन्याहू ने सोमवार को पूर्व नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल एली शारविट को फलस्तीनी आतंकवादी समूहों के हमलों की निगरानी और विफल करने वाली एजेंसी का प्रमुख बनाया है। इससे पहले नेतन्याहू ने शिन बेट प्रमुख रोनेन बार को बर्खास्त कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने हमास के सात अक्तूबर, 2023 के हमलों और युद्धविराम वार्ता पर असहमति के कारण विश्वास खो दिया है। वहीं आलोचकों ने कहा कि बर्खास्तगी ने इस्राइल के स्वतंत्र राज्य संस्थानों को कमजोर कर दिया है। इजराइल पुलिस ने कतर और इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के बीच संबंधों की जांच के सिलसिले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

पीएम ओली ने पूर्व राजा पर अशांति फैलाने का आरोप लगाया

कहा- फिर से राजशाही लाना चाहते हैं ज्ञानेन्द्र

काठमांडू, 31 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह देश में अशांति फैलाने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया लगाया है। प्रधानमंत्री ओली ने सोमवार को कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह देश में सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने और समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप राजतंत्र समर्थक प्रदर्शनों में हिंसा भड़क गई।

प्रतिनिधि सभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री ओली ने आरोप लगाया कि पूर्व राजा शाह ने उन व्यक्तियों के साथ मिलकर काम किया है जिन्होंने बैंक ऋण चुकाने से इनकार किया। उनका कहना था कि शाह ने अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए सामाजिक अशांति फैलाने की कोशिश की, जिससे तिनकुने क्षेत्र में हिंसक घटनाएं हुईं। सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में एक टीवी कैमरामैन सहित दो लोगों की मौत हो गई, और 110 अन्य घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि नेपाल में हिंदू राजतंत्र की बहाली की जाए। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

30 लाख अफगानों को पाकिस्तान से बाहर निकालने की योजना बन रहा है

अब कभी भी शुरू होगी कार्रवाई

इस्लामाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान इस साल 30 लाख अफगानों को देश से बाहर निकालने की योजना बना रहा है। यह कदम 2023 में शुरू हुई एक कार्रवाई का हिस्सा है, जिस दौरान अफगानों को अपनी इच्छा से पाकिस्तान छोड़ने का मौका दिया गया था।

इसके तहत पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को बाहर निकाला जा रहा है। सोमवार को इस अभियान की समयसीमा समाप्त हो गया है, जिसके बाद अफगानों को बाहर निकालने की योजना और तेज हो गई है। बता दें कि समयसीमा समाप्त होने के बाद इस योजना के तहत 1 अप्रैल से अफगानों को बाहर निकाला जाना था, लेकिन ईद-उल-फ़ितर के कारण इसे 10 अप्रैल तक टाल दिया गया है।

मामले में पाकिस्तान की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अब भी 30 लाख अफगान पाकिस्तान में हैं, जिनमें से कुछ के पास पंजीकरण प्रमाणपत्र हैं, जबकि कुछ के पास कोई कागज नहीं है। पाकिस्तान चाहता है कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी में रहने वाले अफगान 31 मार्च तक शहर छोड़ दें और स्वेच्छा से अफगानिस्तान लौट जाएं। जिनके पास पंजीकरण प्रमाणपत्र हैं, उन्हें 30 जून तक पाकिस्तान में रहने की अनुमति होगी।

इसके साथ ही पाकिस्तान ने यह भी कहा है कि निर्वासित अफ़गान को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे वापस पाकिस्तान न लौटें। सरकार विदेशी राजनयिकों के साथ मिलकर अफगानों के पुनर्वास की योजना पर काम कर रही है। 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद हजारों अफगान पाकिस्तान आए थे, लेकिन अब पाकिस्तान उन्हें अपने देश से बाहर निकालने के लिए कदम उठा रहा है। दूसरी ओर इस मामले में तालिबान चाहता है कि अफगान शरणार्थी सम्मान के साथ अपने देश वापस लौटें। तालिबान के शरणार्थी मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मुतालिब हक्कानी ने बताया कि पाकिस्तान बिना तालिबान सरकार या संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी को शामिल किए बिना अफगानों के निष्कासन के फैसले ले रहा है, जो उनके अनुसार गलत है। इसके साथ ही हक्कानी ने कहा कि अफगानों को एकतरफा तरीके से निकालना न तो अफगानों के हित में है और न ही पाकिस्तान के। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान में अफगानों के खिलाफ नफरत बढ़ सकती है।

इसके साथ ही तालिबान ने यह भी कहा कि अफगानों को सम्मान के साथ वापस लाने के लिए एक उचित प्रक्रिया और आपसी समझ होनी चाहिए, ताकि वे अपने देश लौटते समय सम्मानित महसूस करें। वहाला इस निष्कासन प्रक्रिया में मदद के लिए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो ट्रांजिट स्टेशन बनाए जाएंगे।

फ्रांसीसी अदालत ने गबन मामले में मरीन ले पेन को पाया दोषी

दक्षिणपंथी नेता को क्या मिलेगी सजा

पेरिस, 31 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस की एक अदालत ने सोमवार को मरीन ले पेन को गबन के एक मामले में दोषी पाया, लेकिन तत्काल यह नहीं बताया कि उन्हें क्या सजा दी जाएगी और इसका इस दक्षिणपंथी नेता के राजनीतिक भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा। बता दें कि, मरीन ले पेन और उनकी नेशनल रैली के 24 अन्य अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने यूरोपीय संघ के संसदीय सहायकों के लिए निर्धारित धन का उपयोग 2004 से 2016 के बीच पार्टी के लिए काम करने वाले कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए किया, जो 27 देशों के ब्लॉक के नियमों का उल्लंघन था। मरीन ले पेन और उनके सह-प्रतिवादियों ने गलत काम करने से इनकार किया। दक्षिणपंथी नेता के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि अदालत उन्हें तत्काल प्रभाव से पद के लिए अयोग्य घोषित कर सकती है - भले ही वह अपील करें। इससे उन्हें 2027 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है। उन्होंने इस तरह के परिदृश्य को राजनीतिक खात्मे के रूप में वर्णित किया है। संवैधानिक परिषद ने शुक्रवार को एक अलग मामले में फैसला सुनाया कि तुरंत सजा देना संवैधानिक था।

जिस जेल से सीएम भजनलाल को 2 बार मिली थी धमकी

वहां से अब सामने आई चौंकाने वाली बात

दौसा, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों की ओर से बड़े नेताओं को धमकियां देने के मामले सामने आने से जेल प्रशासन पर लगातार सवाल खड़े हो रहे है। इसी बीच अब राजस्थान के दौसा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। जिले की जिस जेल से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दो बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। उसी जेल से चौंकाने वाली खबर सामने आई है।

विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास में सिम ले जाता एक नर्सिंगकर्मी पकड़ा गया है। जेल प्रशासन की सूचना पर पहुंची पापड़दा थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद जेल में सर्च अभियान चलाया गया तो एक मोबाइल भी बरामद हुआ। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ में जुटी हुई है।

तलाशी के दौरान मिला सिम कार्ड

जयपुर रेंज उप महानिरीक्षक कारागार मोनिका अग्रवाल ने बताया कि विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास में क्वार्टर गार्ड पर तैनात आरएसी कांस्टेबल आनंद भाटी ने सतर्कता बरतते हुए मेल नर्स ग्रेड द्वितीय राजकुमार शर्मा की तलाश ली तो जेब से सिमकार्ड बरामद किया गया। इस पर जेल अधीक्षक ने पापड़दा थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी नर्सिंगकर्मी को गिरतार किया। उप महानिरीक्षक ने बताया कि गार्ड कांस्टेबल आनंद भाटी को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

पूछताछ में हुआ ये खुलासा

वहीं, आरोपी नर्सिंगकर्मी से पूछताछ में सामने आया कि रेप के मामले में सजा काट रहे हरकेश के लिए वह सिम ले जा रहा था। नर्सिंगकर्मी को सिम बंदी के रिश्तेदार ने दी थी। इस इनपुट पर जेल में जांच पड़ताल की गई तो एक मोबाइल भी मिल गया। अब मोबाइल जेल में कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। नर्सिंगकर्मी को न्यायालय ने एक दिन के रिमांड पर सौंपा है।

सीएम को दो बार दी जा चुकी धमकी

विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास लगातार चर्चा में बना रहता है। जेल के अंदर से दो बार पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल कर मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है। इसके बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में कई मोबाइल बरामद हो चुके हैं। जेल अधीक्षक समेत 3 कार्मिक निलंबित किए गए थे। पिछले दिनों एक अन्य नर्सिंगकर्मी गिरतार किया था। इतनी घटनाओं के बाद भी कार्मिक सबक नहीं लेकर अपराधियों का साथ दे रहे हैं।

पर्ची ऊपर से आ गई तो मैं भी क्या करता

सारी शक्तियां हराना चाहती थी, लेकिन जनता ने लाज रखी

सवाई माधोपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा एक बार फिर से मुखर अंदाज में नजर आए। जिला मुख्यालय पर आयोजित मीणा समाज के एक कार्यक्रम में मीणा ने कहा कि चुनावों के दौरान सारी शक्तियां मुझे हराना चाहती थी। लेकिन सवाई माधोपुर की जनता ने मेरी लाज रखी और चुनाव जीता दिया।

उन्होंने कहा कि वैसे तो मैं 45 साल से चुनाव लड़ रहा हूं, लेकिन जब- जब मैंने सवाई माधोपुर से चुनाव लड़ा और जीता, तब-तब गणेश जी की मेहरबानी रही और मैं मंत्री बना। किरोड़ी ने कहा कि आप लोगों ने जी जान से मुझे जिताया, लेकिन पर्ची ऊपर से आ गई तो मैं भी क्या करता, आप समझ सकते हैं क्या हुआ।

इस दौरान किरोड़ी ने कहा कि मैंने मंत्री बनने के बाद ही मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, मुझे इस्तीफा दिए नौ महीनों से भी अधिक का वक्त हो गया है, लेकिन मेरा इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया।

अब ऊपर से मेरे को कहा गया है कि में काम करूं तो अब मैं काम करूंगा और इस तरह से काम करूंगा कि कृषि विभाग की तस्वीर बदल सकूं और प्रदेश सहित सवाई माधोपुर जिले के किसानों को कृषि विभाग की प्रत्येक योजनाओं का लाभ दिला सकूं।

किरोड़ी ने कहा कि अब वे पूरे पूरी मेहनत से काम करेंगे और प्रदेश के किसानों और जनता की समस्या का समाधान करेंगे और कृषि के क्षेत्र में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को दूसरे राज्य में ले जाकर वहां की उन्नत तकनीति को समझने और जानने का प्रयास करेंगे, ताकि यहां के किसानों को लाभ मिल सके। गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा ने मीणा समाज सेवा संस्थान सवाई माधोपुर द्वारा आयोजित मत्स्य जयंती एवं होली मिलन समारोह के दौरान मीणा समाज के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मीणा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में विशाल कन्हैया दंगल का भी आयोजन किया गया, जिसमें कोशाली, उलियाणा, बिच्छौदोना एवं श्यामपुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों की कन्हैया दंगल पार्टियां एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दी। इस दौरान डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने पद दंगल पार्टी कलाकारों पर पुष्पवर्षा की और पद की धुन पर जमकर पार्टी कलाकारों के साथ थिरके।

भाजपा अपने दामाद को पकड़ेगी क्या ?

सांसद हनुमान बेनीवाल ने किसके लिए कही यह बात

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल ने भाजपा पर सीधा निशाना साधते हुए राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेडम के दामाद पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अक्सर कांग्रेस के दामाद रॉबर्ट वाड्रा पर सवाल उठाती है। लेकिन क्या अब वह अपने ही नेता के दामाद पर कार्रवाई करेगी?

हनुमान बेनीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को ट्वीट करते हुए कहा कि भाजपा के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेडम के दामाद अनिल खटाना, जो दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं, सीबीआई द्वारा दो माह से खोजे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के दबाव में एजेंसी इस मामले में लचीला रुख अपना रही है।

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि इस विषय को वे लोकसभा में भी उठाएंगे और भाजपा सरकार से जवाब मांगेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगाती है, लेकिन जब खुद के नेताओं पर सवाल उठते हैं तो वह चुप्पी साध लेती है।

बेनीवाल ने नैतिकता का हवाला देते हुए जवाहर सिंह बेडम से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब भाजपा कांग्रेस के नेताओं पर आरोप लगाती है, तो उसे खुद के नेताओं पर भी उतनी ही कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी अपील की कि वे बेडम को पद से बर्खास्त करें, ताकि जांच निष्पक्ष रूप से हो सके।

बेनीवाल ने आरोप लगाया कि सीबीआई पर भाजपा का दबाव है और इसी कारण बेडम के दामाद की खोज में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें।

बेनीवाल बोले कि भारतीय जनता पार्टी रोज कांग्रेस की दादी नानी करती है जोर-जोर से कांग्रेस का दामाद कांग्रेस का दामाद रहती है तो राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम का दामाद भी तो भाजपा का दामाद हो गया क्या भारतीय जनता पार्टी अपने दामाद को पकड़ेगी।

ईद पर टोंक के मालपुरा में मचा बवाल

जुलूस के दौरान पुलिस से भिड़े लोग, इलाके में फोर्स तैनात

टोंक, 31 मार्च (एजेंसियां)। टोंक जिले के मालपुरा से ईद उल फितर की नमाज के बाद बड़ा घटनाक्रम सामने आया। नमाज अदा करने के बाद जब बड़ी संख्या में नमाजी एक साथ बाहर निकले तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान केकड़ी मार्ग कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया। हालात तब और तनावपूर्ण हो गए जब जुलूस को बाजार में ले जाने के लिए प्रदर्शन किया गया।

पुलिस का हस्तक्षेप और मार्ग निर्धारण डीएसपी आशीष प्रजापत और थाना प्रभारी चेनाराम बेडा के नेतृत्व में पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जुलूस केवल निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। पुलिस की सख्ती के बाद माहौल शांत हुआ और निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकाला गया।

पुलिस और मुस्लिम समाज के आमने-सामने आने से बढ़ा तनाव बाद में पुलिस और मुस्लिम समाज के लोगों के बीच तनाव बढ़ गया, जिससे जयपुर-मालपुरा-दूदू स्टेट हाइवे जाम हो गया।

प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों से समझाइश की, जिसके बाद हाइवे को खुलवाया गया। हालांकि, ट्रक स्टैंड पर अब भी बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए हैं, जिससे इलाके में तनाव बना हुआ है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

स्थानीय प्रशासन का संदेश पुलिस और प्रशासन ने आमजन से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार, स्थिति अब नियंत्रण में है और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है।

सांसद कीर्ति आजाद के बयान पर हनुमान बेनीवाल बोले

अकबर और मुगलों के कई वैवाहिक संबंध राजस्थान में हुए

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि यह तो इतिहास कह रहा है, अकबर और मुगलों के कई वैवाहिक संबंध राजस्थान में हुए और महाराणा प्रताप से लड़ाई में मान सिंह अकबर के लिए युद्ध करने गए थे, यह बात इतिहास में दर्ज है। अब अगर कीर्ति आजाद इसको बोल रहे हैं तो गलत नहीं है, शिवाजी को पकड़वाने सहित और भी कई मामले इतिहास में दर्ज हैं।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो हिन्दुत्व की बात करती है, उसको उस समय जो लड़ाई हुई और जो बयान कीर्ति आजाद दे रहे हैं, भारत सरकार को उस पर भी ध्यान देना चाहिए। देखना चाहिए कि बयान में वास्तविकता है क्या, अगर है तो ध्यान देना चाहिए। बेनीवाल बोले कि कीर्ति आजाद कि बात तो सही लग रही है। सरकार को ध्यान देना चाहिए।

'महाराणा सांगा पर बयान नहीं देना चाहिए'

बेनीवाल ने यह भी कहा कि उस समय जिन लोगों ने मुगलों के खिलाफ लड़ाई की उनके खिलाफ बयान देना सही नहीं है। बेनीवाल बोले कि महाराणा सांगा पर बयान नहीं देना चाहिए, परंतु करणी सेना को अधिकार नहीं कि वो सांसद के घर तोड़ने जाए। बेनीवाल बोले कि तेजाजी के मंदिर में एक व्यक्ति ने तोड़फोड़ की वो किसी समाज से आता है, वो सब जानते हैं। परंतु उसके लिए पूरा समाज जिम्मेदार नहीं है। बेनीवाल बोले कि 15 साल में हमने कभी भी जातीय द्वेष पैदा नहीं किया, राजस्थान मे गुर्जर मीणा को किसने लड़ाया यह सब जानते हैं। परंतु आज भी वो लोग उन्हीं समाजों में जाते हैं, लोग स्वागत करते हैं पर हम किसी बात को भूलते नहीं हैं, पकड़ लेते हैं।

बेनीवाल बोले कि राजस्थान के लोगों को लड़ाई करने की आदत नहीं है, इतिहास भी देखे तो छोटा मोटा लिखा है पर आजादी की लड़ाई में भी राजस्थान के लोगों का कोई खास योगदान नहीं रहा है। राजस्थान के इतिहास में बदनामी वाले काम ज्यादा हुए हैं। बेनीवाल बोले कि 2019 के अंदर जब मैं सांसद चुनकर लोकसभा गया तो वहां पर हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और भी बहुत से राज्यों के लोग मिले तो उन्हें मुझसे कहा कि आप कहां के लड़ाका हो, आपके प्रदेश में तीसरी ताकत तो कोई पैदा ही नहीं हुई, आपके प्रदेश में तो सिर्फ कांग्रेस और भाजपा ही शासन कर रही है। बेनीवाल ने आगे कहा कि यह सच्चाई है, राजस्थान में किसान आत्महत्या कर लेगा युवा रोजगार के लिए सड़कों पर डंडे खा लेगा, पर अंत में वही जाकर भाजपा और कांग्रेस में मिल जाएगा।

कोटा, जयपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग में तीन अप्रैल तक बारिश का अलर्ट

कोटा, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर से बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तापमान में सात डिग्री तक की गिरावट आई है। लेकिन चार अप्रैल के बाद फिर से यहां तेज गर्मी का प्रभाव बढ़ेगा। वहीं, मौसम विभाग ने चार अप्रैल तक प्रदेश के कई शहरों में बारिश की चेतावनी भी जारी की है। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया है। जो सामान्य औसत से तीन से पांच डिग्री तक कम है। वहीं, दक्षिणी पूर्वी राजस्थान में तीन अप्रैल तक बादल छाए रह सकते हैं।

इस दौरान दो अप्रैल को उदयपुर-कोटा तथा तीन अप्रैल को जयपुर, अजमेर व कोटा संभाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा भी हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले चार से पांच दिनों में न्यूनतम तापमान व अधिकतम तापमान चार से छह डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, तीन से चार अप्रैल को दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान में अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान तापमान की स्थिति की बात करें तो सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं निम्नतम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 8.2 डिग्री रहा।प्रदेश के अन्य शहरों में तापमान की स्थिति इस प्रकार रही। प्रदेश के अधिकांश शहरों में हवा में आर्द्रता की मात्रा 10 से 35 प्रतिशत के बीच रही। अजमेर में अधिकतम तापमान 33.6 व न्यूनतम 16.9 डिग्री रहा। भीलवाड़ा में 34.2 व न्यूनतम 11 डिग्री रहा। जयपुर में अधिकतम 33.8 व न्यूतनम 19.7 डिग्री रहा। पिलानी में अधिकतम 35 व न्यूनतम 12.6 डिग्री रहा। सीकर में अधिकतम 32 व न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

300 भालुओं पर मंडराया खतरा

आग का दिखा विकराल रूप; इलाके में फैला धुएं का गुबार

सिरोही, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू के जंगलों में आग ने एक बार फिर विकराल रूप ले लिया है। गंभीरी नाले के आसपास के इलाके में धुएं का गुबार देखा जा रहा है और हवा की तेज़ रफ्तार के कारण आग तेजी से फैल सकती है। वन विभाग और नगर पालिका की दमकल टीमें आग बुझाने के प्रयास में जुटी हुई हैं।

बताया जा रहा है कि माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य करीब 300 से अधिक भालुओं का प्राकृतिक आवास है। इसके अलावा, यहां पैंथर, सांभर, लकड़बग्घा और दुर्लभ पक्षी प्रजातियों का भी निवास है। स्थानीय लोगों के अनुसार आग इतनी तेज़ थी कि कई वन्यजीवों के झुलसने की आशंका है। हालांकि, वन विभाग ने अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

भारतीय सेना, एयरफोर्स, सीआरपीएफ और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से आग को काफ़ी हद तक काबू कर लिया गया था। लेकिन सोमवार को गंभीरी नाले के पास दोबारा आग भड़क गई। तेज़ हवा के चलते आग पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो रहा है। मौके पर वन विभाग के कर्मचारी, स्थानिय लोग, आर्मी के जवानी, दमकल वाहन और नगर पालिका की टीमें आग बुझाने में जुटी हैं।

बता दें, इस वन्यजीव अभ्यारण्य में 820 से अधिक प्रकार की वनस्पति और औषधीय पौधे, 250 तरह की पक्षी प्रजातियां, जिनमें 155 दुर्लभ प्रजातियां शामिल हैं। साथ ही हजारो पैंथर, भालू, सांभर और अन्य वन्यजीवों का भी प्राकृतिक आवास है। यह राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

2017 में माउंट आबू के हनीमून पॉइंट, सनसेट पॉइंट और अन्य 16 स्थानों पर भीषण आग लग गई थी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों से तीन दिनों तक पानी बरसाया गया था। बता दें यहां पिछले 10 सालों में सैंकड़ों बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी है, लेकिन इस बार आग का तांडव ज्यादा देखने को मिल रहा है।

रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण, अब 300 से अधिक मकानों पर चलेगा बुलडोजर

कोटा, 31 मार्च (एजेंसियां)। कोटा रेल मंडल के डकनिया तालाब रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए करीब 300 से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलेगा। इसके लिए न्यायालय ने रेलवे को अतिक्रमण हटाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। रेलवे ने इसके लिए कोटा सिटी पुलिस से अतिक्रमण हटाने के लिए अतिरिक्त जाप्ता मांगा है।

डकनिया तालाब रेलवे स्टेशन के ठीक सामने रेलवे की भूमि है। इस भूमि पर अतिक्रमियों ने 300 से अधिक मकान बना लिए हैं। ऐसे में रेलवे की ओर से रेलवे स्टेशन के विस्तार को देखते हुए न्यायालय में अतिक्रमियों को बेदखल करने के लिए याचिका लगाई गई थी। मामले में सुनवाई के बाद न्यायालय ने रेलवे को अतिक्रमियों को बेदखल करने के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। डकनिया तालाब रेलवे स्टेशन पर अतिक्रमित क्षेत्र कोटा सिटी पुलिस के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में पड़ता है। ऐसे में रेलवे की ओर से इसके लिए कोटा सिटी एसपी को पत्र लिखकर स्पेशल जाप्ता लगाने की मांग की है। रेलवे की ओर से कोटा रेल मंडल की ओर से कोटा सिटी एसपी डॉ.अमृता दुहन को पत्र भेजा गया है। इसके लिए पश्चिम मध्य रेलवे सैक्शन इंजीनियर (कार्य) भवानीमंडी, सहायक मंडल इंजीनियर रामगंजमंडी और वरिष्ठ मंडल इंजीनियर दक्षिण की ओर से पुलिस प्रशासन को पत्र लिखे गए हैं।

रेलवे की ओर से अतिक्रमियों को अपने मकान व आवश्यक सामान घर से निकालने के लिए नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके बाद कई लोगों ने मकान भी खाली कर दिए हैं, लेकिन कुछ लोग अब भी मकानों में जमे हैं। ऐसे में रेलवे पर्याप्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाएगा। डकनिया तालाब रेलवे स्टेशन के विकास के चलते अतिक्रमण हटाया जाना तय माना जा रहा है।

चौराहे पर आने की दी चेतावनी, आते ही गाड़ी को मारी टक्कर और फिर गोली मारकर की हत्या, एक घायल

जोधपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत इंद्रोका गांव में देर रात गोली मारकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

एसीपी प्रताप नगर रविंद्र बोथरा ने बताया कि शनिवार देर रात इंद्रोका गांव के चौराहे पर फायरिंग की गई। इस दौरान भोम सिंह और शैलेंद्र सिंह को गोलियां लगीं, जिससे दोनों घायल हो गए। गंभीर हालत में दोनों को जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने भोम सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, शैलेंद्र सिंह का इलाज जारी है।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग के आरोपी श्रवण सिंह और वीरेंद्र सिंह की एक शराब की दुकान है। उनका भोम सिंह से काफी दिनों से विवाद चल रहा था। रात करीब 12:00 बजे दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ और आरोपियों ने भोम सिंह को इंद्रोका गांव के चौराहे पर आने की चेतावनी दी। भोम सिंह शैलेंद्र सिंह को साथ लेकर चौराहे पर पहुंचा। वहां आरोपियों ने पहले उसकी गाड़ी को टक्कर मारी और फिर दोनों को गोली मार दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जुड़वा बेटियों की हत्या की, पुलिस ने निकाला आरोपी पिता का जुलूस, कहा- मैं आज का कंस, मुझे फांसी दो

सीकर, 31 मार्च (एजेंसियां)। सीकर जिले के नीम का थाना में बेटा नहीं होने पर 5 महीने की जुड़वा बेटियों की हत्या करने वाले आरोपी पिता का पुलिस ने जुलूस निकाला। आरोपी पिता अशोक ने जमीन पर पटलकर बेटियों की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जिला अस्पताल से खेतड़ी मोड़ तक उसका जुलूस निकाला।

आरोपी अशोक ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल किया और कहा- 'मैं आज की दुनिया का सबसे बड़ा कंस हूं और मैंने बहुत गलत काम किया, मुझे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उसने आगे कहा, 'मैं बहुत बेकार आदमी हूं और दुनिया में किसी को मुंह नहीं दिखा सकता।

दरअसल, 27 मार्च को आरोपी पिता अशोक ने अपनी 5 महीने की जुड़वा बेटियों की फर्श पर पटककर हत्या कर दी थी। हत्या की वजह केवल यह थी कि वह बेटे की लालसा रखता था। लेकिन, 5 महीने पहले उसकी दो बेटियां हो गईं, जिससे वह नाराज था। बीते गुरुवार को अस्पताल में दोनों बच्चियों को टीका लगवाकर घर लाया गया था। दोपहर करीब 3 बजे का वक्त था। रोज की तरह अशोक की पत्नी अनिता अपनी सास बनारसी देवी के ताने सुन रही थी- बेटियां दी हैं, मेरे बेटे का वंश आगे कैसे बढ़ेगा। उस दिन अनिता ने सास को पलटकर जवाब दे दिया। अशोक ने अपनी मां बनारसी देवी के उकसाने पर अनिता को पीट दिया और मासूम जुड़वा बेटियों को बेड से उठाकर फर्श पर पटककर दोनों को मौत के घाट उतार दिया।

इसके बाद परिजन दोनों बच्चियों को अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी अशोक ने दोनों बेटियों को कलेक्ट्रेट के पास जोहड़ में खड्डा खोदकर दफना दिया। मृतक बच्चियों के मामा सुनील यादव ने इस घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। घटना की सूचना पर रात को कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

सीएम ने एचसीए-सनराइजर्स हैदराबाद मामले में दिए सतर्कता जांच के आदेश

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के शीर्ष अधिकारियों की सनराइजर्स हैदराबाद के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति कथित उदासीनता की सतर्कता जांच का आदेश दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल फ्रेंचाइजी है जो राजीव गांधी स्टेडियम (उप्पल) को अपने घरेलू स्थल के रूप में उपयोग करती है। एचसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय से संदेश आया है कि जांच रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद, दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि इस मुद्दे ने बहुत गंभीर मोड़ ले लिया है क्योंकि मुख्यमंत्री को लगा कि एचसीए की ब्रांड छवि दांव पर है, और इस बात की प्रबल भावना है कि ऐसा कुछ भी नहीं किया जाना चाहिए जिससे एसआरएच को शहर से अपना 'होम' बेस स्थानांतरित करने का फैसला करना पड़े। दिलचस्प बात यह है कि वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी उम्मीद जताई कि इस बार कम से कम कुछ कार्रवाई तो होगी ही- छह महीने पहले के विपरीत जब भुवनगिरी के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी की मांग के बाद सतर्कता जांच का आदेश दिया गया था। उस जांच में टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता, मल्टी-लेवल पार्किंग उपायों की कमी और एचसीए द्वारा मैदान का अधिग्रहण

करने के बावजूद महबूबनगर में पूर्ण क्रिकेट सुविधाएं स्थापित करने में विफलता पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अधिकारी ने कहा कि उस जांच से कुछ भी ठोस सामने नहीं आया है।

अधिकारी ने यह भी सवाल उठाया कि 20 लाख रुपये के वार्षिक भुगतान वाली कॉरपोरेट फर्म को सौंपी गई ऑडिट रिपोर्ट सदस्यों के बीच क्यों नहीं प्रसारित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी गलत गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय मैचों और आईपीएल के लिए निःशुल्क टिकटों के मुद्दे को लेकर पूर्व रणजी और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में गंभीर असंतोष है। शीर्ष परिषद के कुछ सदस्यों ने अन्य राज्यों से कोचों की नियुक्ति पर खर्च की जा रही बड़ी राशि पर भी चिंता जताई, जबकि अनुभवी स्थानीय कोचों (जिन्होंने जुनून के साथ क्रिकेट की सेवा की है और परिणाम दिए हैं) की अनदेखी की जा रही है।

राजीव युवा विकासम एक प्रतिष्ठित योजना है : भट्टी

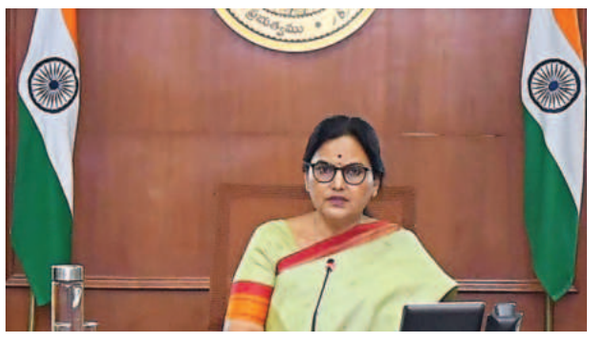

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार राजीव युवा विकासम योजना को महत्वाकांक्षी मानती है और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को सतर्क रहने और कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया है। सोमवार शाम उन्होंने प्रजा भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मुख्य सचिव, सचिवों और जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को निर्देश दिये. डिप्टी सीएम ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने की बुलंद महत्वाकांक्षा के साथ वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद राजीव युवा विकासम योजना पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करेगी।

उन्होंने कहा कि एक दशक में बेरोजगार युवाओं पर इतनी बड़ी धनराशि कभी खर्च नहीं की गई। उन्होंने बताया कि यह सरकार द्वारा लिया गया एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अलग राज्य पाने के लिए युवाओं ने कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया है कि जिन अधिकारियों ने छोटी सी गलती की है, उन्हें तुरंत समस्या का समाधान करने के लिए काम करना चाहिए. मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह इस योजना की प्रगति की लगातार समीक्षा करेंगे. उन्होंने कहा कि यह पहली बार एससी, बीसी, एसटी, अल्पसंख्यक और ईडब्ल्यूएस सभी श्रेणियों के बारे में सोचते हुए एक स्वरोजगार योजना है। उन्होंने कहा कि पूर्व में मंजूरी के बावजूद अंत तक धनराशि जारी नहीं की गई। बोलीदाताओं को सीधे एमपीडीओ कार्यालयों और नगर पालिकाओं में आवेदन करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। मंत्रियों को जिलों में आने पर योजना की प्रगति की जानकारी देने और उनसे सलाह लेने को कहा गया। विधायकों को योजना से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. लगातार छुट्टियों को देखते हुए अधिकारियों को आवेदन की अंतिम तिथि 14 अप्रैल तक बढ़ाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को 2 जून को स्वीकृति पत्र दिए जाएं। डिप्टी सीएम ने आदेश दिया कि हर जिले में एक युवा अधिकारी नियुक्त किया जाए जो समय-समय पर आवेदन प्राप्त करने से लेकर ग्राउंडिंग तक बेरोजगार युवाओं की समस्याओं का समाधान करेगा।

कांग्रेस सरकार छह गारंटियों को पूरा करने में विफल रही : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा तेलंगाना के अध्यक्ष किशन रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोगों को दी गई छह गारंटियों को पूरी तरह से लागू करने में विफल रही है। किशन रेड्डी की अध्यक्षता में हैदराबाद में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भाजपा पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी के विधायक, सांसद, एमएलसी और नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष मौजूद थे। किशन रेड्डी ने बैठक के दौरान प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की और संगठनात्मक मामलों पर पार्टी नेताओं को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पार्टी नेताओं से शेष जिला अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करने को कहा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को रेवंत रेड्डी की सरकार के खिलाफ लोगों की ओर से संघर्ष की तैयारी करने की सलाह और सुझाव दिए। किशन रेड्डी ने छह गारंटियों पर किसानों की ओर से लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा

की। उन्होंने दावा किया कि राज्य के लोग अब भाजपा की ओर देख रहे हैं और उन्होंने कहा कि वे भाजपा नेताओं के अपने संघर्ष को जारी रखने और सत्ता में आने का इंतजार कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव जीते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों की साजिशों के बावजूद दो सीटें जीती हैं। किशन रेड्डी ने आलोचना की कि पिछले बीआरएस एमएलसी ने चुनाव नहीं लड़ा और मजाक उड़ाया कि कांग्रेस पार्टी ने एमएलसी चुनावों से पहले अपने हाथ खड़े कर दिए। उन्होंने रेवंत सरकार पर वोट देने वाले लोगों को छुरा घोंपने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जनांदोलन छेड़ने और संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि केसीआर परिवार और बीआरएस पार्टी के खिलाफ लोगों में विरोध है। उन्होंने सुझाव दिया कि संघर्ष के जरिए पार्टी को मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लंबित समितियों को तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को संगठनात्मक रूप से मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि अंबेडकर जयंती से पहले गतिविधियों की तैयारी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि समय सीमा से पहले 100 फीसदी बूथ और मंडल कमेटियां पूरी कर ली जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा को किसानों की समस्याओं, बिजली कटौती और बेरोजगारी के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के महिला मोर्चा को महिलाओं के मुद्दों के खिलाफ लड़ना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय निकाय चुनावों पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को स्थानीय निकाय चुनाव जीतने के नारे के साथ आगे बढ़ना चाहिए। किशन रेड्डी ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी करते समय पार्टी को मजबूत करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

राजीव युवा विकास के माध्यम से प्रत्येक पात्र लाभार्थी के लिए अवसर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य में बेरोजगार युवाओं को सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई राजीव युवा विकासम योजना के माध्यम से प्रत्येक पात्र लाभार्थी को अवसर प्रदान किया जाएगा। सोमवार को मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलों के कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव युवा विकास योजना के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना से राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ा वर्ग के लगभग 5 लाख बेरोजगार युवाओं को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, जिससे राज्य में बेरोजगारी कम होगी। अधिकारी बेरोजगार युवाओं को शिक्षित करें ताकि पात्र उम्मीदवार 14 अप्रैल, 2025 तक आवेदन कर सकें। उन्होंने कहा कि 50,000 रुपये तक के ऋण पर 100 प्रतिशत छूट मिलेगी, 1 लाख रुपये तक के ऋण पर 90 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, 1 लाख रुपये से 2 लाख रुपये के बीच के ऋण पर 80 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, 2 लाख रुपये से 4 लाख रुपये के बीच के ऋण पर 70 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी और शेष राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह योजना परिवार में केवल एक ही व्यक्ति के लिए लागू है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में वार्षिक आय 1 लाख 50 हजार रुपये से कम तथा शहरी क्षेत्रों में वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र अभ्यर्थी आवेदन करने के पश्चात सभी संबंधित दस्तावेज नगर निगम/मंडल परिषद विकास अधिकारी के कार्यालय में जमा करवाएं।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला और जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में राजीव युवा विकासम योजना के लिए अधिक से अधिक पात्र लोगों को आवेदन करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों सहित सभी लोगों को इसकी जानकारी देने के लिए दैनिक समाचार पत्रों एवं प्रसारण मीडिया के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है।

विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस पर कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कई वर्षों से ऑटिज्म के क्षेत्र में सेवारत माधव आर्टिज्म फाउंडेशन के द्वारा हर वर्ष आयोजित किए जाने वाला विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस कार्यक्रम, इस वर्ष कल बुधवार, 2 अप्रैल को रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम में सांय 5:30 बजे संपन्न होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएएस डॉ शशांक गोयल (डीजी : *एमसीआर एचआरडी आई टी , प्रधान सचिव, तेलंगाना राज्य सरकार) होंगे। विशेष आमंत्रित अतिथियों में डॉ एस के जयसवाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजी चिकित्सक , किम्स अस्पताल, कोंडापुर) , श्री एल एन शर्मा (वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट और सुप्रसिद्ध समाजसेवी) , श्रीमती रूपाश्री गोटापट्टी (बोर्ड मेंबर- गूगल इंडिया), श्रीमती बानुका नर्मदा मल्लिकार्जुन (सिविलियन मनोनीत सदस्य - सिकंदराबाद छावनी) , ए बाबूराव (संस्थापक और प्रमुख- कैफे नीलोफर समूह) , डॉ पी मदन मोहन राव (एमबीबीएस डीसीएच पीडियाट्रिशियन), सी ए पिंकी केडिया , मुंबई (नेशनल काउंसिल सदस्य - WIRC ICAI), श्रीमती अलका मनोज (बीजेपी तेलंगाना राज्य उपाध्यक्ष , अल्पसंख्यक मोर्चा) होंगे। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन - तेलंगाना , झुंझुनू प्रगति संघ - हैदराबाद, स्टील मर्चेंट एसोसिएशन - फतेहनगर, तेलंगाना टी merchants एसोसिएशन , बिहार वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्य कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित रूप में उपस्थित होंगे।

माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के सचिव डॉ दिलीप पंसारी के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ऑटिज्म के प्रति युवा वर्ग में जागरूकता की महत्ता के अंतर्गत कुछ प्रमुख महाविद्यालय के छात्र भी कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। डॉ सुमन सराफ ऑटिज्म के प्रति अपने अनुभव और ज्ञान को "ऑटिज्म टॉक" व्याख्यान के रूप मे प्रस्तुत करेगी।

ऑटिज्म और कुछ अन्य विशेष क्षेत्रों में विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहे कुछ महत्वपूर्ण लोगों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की समाप्ति हास्य, नृत्य इत्यादि से युक्त एक सूक्ष्म मंचीय कार्यक्रम से होगी।

ईद-उल-फितर का जश्न धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु भाषी राज्यों के मुसलमानों ने आज रमजान का पवित्र त्योहार श्रद्धापूर्वक मनाया। हैदराबाद शहर में बड़ी संख्या में मुसलमान ईदगाह पहुंचे और विशेष नमाज अदा की। इसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों और ईदगाहों में आयोजित विशेष नमाज में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। मक्का मस्जिद, मीरालम ईदगाह, बड़ी मस्जिद और अन्य नमाज स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। नमाज के बाद दोस्तों और रिश्तेदारों ने गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। सिद्दीपेट में बीआरएस पार्टी के विधायक टी. हरीश राव ने स्थानीय ईदगाह जाकर ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने कई लोगों को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद भी दी। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने अपने ट्विटर हैंडल पर सभी मुसलमानों को ईद-उल-फितर की

तेलंगाना कांग्रेस के बीसी मंत्री और विधायक आज दिल्ली के लिए रवाना होंगे

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस विधायकों के साथ मंत्री कोंडा सुरेखा और पोन्नम प्रभाकर मंगलवार शाम को महाधरना में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करने वाले हैं। पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की वकालत करने के लिए 2 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी में यह प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

तेलंगाना के बीसी कल्याण संगठन तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयक के जवाब में इस महाधरना का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें बीसी आरक्षण को 42 प्रतिशत बढ़ाने की मांग की गई है और आग्रह किया गया है कि इस कानून को संसद द्वारा अनुमोदित किया जाए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के शीर्ष नेता, जिनमें राहुल गांधी, साथ ही विपक्षी नेता, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री बट्टी विक्रमार्क और टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ शामिल हैं, बीसी नेताओं के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए महाधरना में शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, 2 और 3 अप्रैल को, पिछड़ा वर्ग के मंत्री और विधायक केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ तेलंगाना द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण के विवरणों पर चर्चा करने और पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से कानून के समर्थन की वकालत करने के लिए मिलेंगे।

77वां राजस्थान दिवस तथा युगादि पर्व : तेलंगाना प्रवासी समाज कल्याण संगठन ने भव्य धूमधाम से मनाया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रवासी समाज कल्याण संगठन (तेलंगाना प्रवासी समाज वेल्फेयर आर्गनाइजेशन) ने युगादि पर्व व राजस्थान दिवस कार्यक्रम धूमधाम से मनाया। इस शुभावसर पर राजस्थान सहकारिता, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम कुमार डाक ने सभी को राजस्थान दिवस, युगादि नववर्ष, नवरात्रि की शुभकामनाएं दी तथा जिसमें राजस्थान खेल, युवा मामले, कौशल, रोजगार, उद्यमिता राज्य मंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि, तेलंगाना की धरा पर राजस्थान दिवस मनाना बडे गर्व का विषय है।

इस संदर्भ में, तेलंगाना प्रवासी समाज वेल्फेयर आर्गनाइजेशन के तत्त्वावधान में उपरोक्त युगादि पर्व एवम् 77वां राजस्थान दिवस कार्यक्रम भव्य रूप से मनाया गया। इस कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रेरणादायी संबोधन, राजस्थानी कलाकृति झांकियां, सामाजिक समागम, सहभोज एवं राजस्थानी उत्सव का प्रदर्शन किया गया। जिसमें राजस्थानी लोक गीत, संगीत, नृत्य कला एवं राजस्थान के पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी ने लाभ लिया।

तत्संबंधित 77वें राजस्थान दिवस एवम् युगादि पर्व के मुख्य अतिथि के रुप में सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम कुमार डाक ने भाग लेकर दीप प्रज्ज्वल कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस शुभावसर पर का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करने के बाद मुख्य अतिथि सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम कुमार डाक ने प्रवासी राजस्थानी बंधुओं को राजस्थान दिवस एवं युगादि की नववर्ष व नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि, इस कार्यक्रम आयोजक प्रतिनिधि ने बहुत ही स्नेह प्रेम दिया है तथा इसके लिए सभी को आभार है। यहां के लोगों ने यहां की समस्या के समाधान के लिए प्रयास करने का आग्रह किया, जिनमें हवाई सेवा का विस्तार व नगर से रेल सेवा कमजोर है, जिसे बढाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिए प्रवासी संघ की ओर से लेटर दीजिए तो आपके साथ मिलकर समाधान करेंगे। यहां पर लोग 110 वर्ष से अधिक समय से रह रहे हैं, तब भी राजस्थान से प्रेम व जुडाव बना हुवा है। क्योंकि पहले संसाधन नही थे। फिर भी जहां न पहुंचे गाडी वहां पहुंचे मारवाडी की कहावत सिध्द हुई। छोटे-छोटे ग्राम से पहुंचकर जिस राज्य में नये गये, वहां घुल मिल गये और राज्य के विकास में विभिन्न प्रकार से सहयोग करते हुए मातृभूमि से जुडाव रखा। राजस्थानी जहां भी पहुंचे, वहां उनपर पूरा विश्वास किया जाता है। इस सम्मान को बनाए रखें। राज्य के साथ मातृभूमि पर भी खर्च करें। उन्होंने आगे कहा कि, गत 10-12 वर्षों में पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्व में देश का मान बढाया। साथ ही विश्व की अर्थव्यवस्था में पांचवें स्थान पर पहुंचाया है। इसमें मारवाड का भी योगदान है। देश के सौ नामी धनवानों ने मारवाडी भी शामिल हैं। राजस्थान के छोटे-छोटे गांव में राजस्थानी समाज बंधुओं ने स्कूलों की व्यवस्था कर शैक्षणिक स्तर को मजबूत किया है। उन्होने सभी से आग्रह किया कि, जहां रहते हैं, वहां भी योगदान दें तथा जिस क्षेत्र के हैं, वहां की चिंता करें। वर्तमान में राजस्थान बदल गया है, जहां उद्योग व्यापार में निवेश कर राज्य में योगदान दें। राजस्थान सरकार आपके सहयोग के लिए तैयार है। आपके लिए वर्ष में 365 दिन चौबीसो घंटों द्वार खुले हैं। राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि, राजस्थानी कहीं भी कार्य करें, पर उनकी राजस्थान में संपत्ति की रक्षा सरकार करेगी। इस मामले में हेल्प लाइन बनाकर चिंता का निदान करेंगे।

इस कार्यक्रम के अवसर पर जिन गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई उनमें, पूनाराम चौधरी, प्रभुदयाल जाखोटिया, बहादुर गुर्जर, दीपक सुथार, राहुल पटेल, सुजान देवासी, हनुमंत धनवा, रामसिंह, राजेंद्र शर्मा, रामवल्लभ भाटी, बजरंगलाल शर्मा, पार्षद रेणुका नर्मदा मल्लिकार्जुन, अर्जुन सिंह, अतुल सिंह राजपुरोहित, प्रकाश बिश्नोई, भगवानदास विजयवर्गीय, जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश सिंघी, महामंत्री अशोक कुमार मुथा, प्रवीण पांड्या, लक्ष्मीनिवास शर्मा, पवन मिश्रा, नारायणदास शर्मा,राजन शर्मा, जसमत पटेल,आर.के. जैन, धर्मेंद्र गोयल, उदय गुप्ता, रतनचंद कटारिया, सीए हरगोविंद प्रसाद सहित राजस्थान के विभिन्न समाज बंधु शामिल हैं।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ व महिला मंडल द्वारा भजन कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम वरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार, सहसचिव गजाराम सैंणचा, मीडिया प्रभारी गोविन्दराम पंवार, सहखेल मंत्री मोतीराम चोयल, मनोनित सदस्य हेमाराम खंडाला, चुन्नीलाल वरपा, पूर्व सचिव हिरालाल सैंणचा, पूर्व मीडिया प्रभारी दिलीप आगलेचा, अमराराम सिन्दड़ा व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'मुझे कोई मैच याद नहीं' राजस्थान से करीबी मैच हारने पर सहवाग ने उठाए धोनी पर सवाल

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी रही थी। अपने पहले ही मैच में सीएसके ने मुंबई इंडियंस को हराकर सीजन-18 का शानदार आगाज किया था, लेकिन उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ को लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले आरसीबी और फिर राजस्थान रॉयल्स ने सीएसके को रौंदा। इन दोनों ही मैचों में धोनी की बल्लेबाजी को लेकर भी काफी सवाल उठे कि आखिर वे इतनी नीचे क्यों बल्लेबाजी कर रहे हैं? वहीं अब राजस्थान रॉयल्स ने मिली हार के बाद टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने धोनी पर सवाल खड़ा किया है।

आरआर से मिली हार के बाद सहवाग ने धोनी को लपेटा

बीते दिन राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में सीएसके को 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई की हार के बाद क्रिकबज पर बोलते हुए पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा "2 ओवर में 40 रन बनाना काफी मुश्किल काम है, चाहे कोई कितना भी बड़ा खिलाड़ी क्यों न हो? आप एक या दो मौकों पर जीतते हैं, बस इतना ही। मुझे याद है कि धोनी ने एक बार अक्षर पटेल की गेंद पर 24 या 25 रन बनाए थे और एक बार उन्होंने धर्मशाला में इरफान पठान की गेंदों पर 19 या 20 रन बनाए थे।"

आगे सहवाग ने कहा "आप अपने दिमाग में बस एक या दो मैच ही याद रख सकते हैं। कोई भी हालिया मैच आपको याद नहीं आता। पिछले पांच सालों से सीएसके 180 से ज्यादा का स्कोर हासिल करने में असमर्थ रही है। जब आप विकेटकीपर-बल्लेबाज के बारे में बात करते हैं तो मुझे हाल के किसी मैच की याद नहीं आती।"

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाए 16 रन

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एमएस धोनी को नंबर-7 पर बल्लेबाजी करते हुए देखा गया। इस दौरान बल्लेबाजी करते हुए धोनी ने 11 गेंदों पर 16 रन की पारी खेली थी। अपनी पारी में धोनी ने 1 छक्का और 1 चौका लगाया था। इससे पहले आरसीबी के खिलाफ धोनी नंबर-9 पर बल्लेबाजी करने आए थे, जहां उन्होंने 16 गेंदों पर 30 रन बनाए थे।

नियम को तोड़ने वाले दूसरे कप्तान बने रियान पराग

राजस्थान की जीत के बाद लगा जुर्माना

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर स्लो ओवर रेट को लेकर जुर्माना लगाया गया है. आईपीएल 2025 में स्लो ओवर रेट का दोषी पाए जाने वाले रियान पराग दूसरे कप्तान हैं. उनसे पहले इसे लेकर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर भी जुर्माना लग चुका है. सीएसके के खिलाफ राजस्थान ने 6 रन से जीत दर्ज की, जिसके बाद उसके कप्तान रियान पराग पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा. ये वो रकम है जो स्लो ओवर रेट का दोषी पाए जाने पर आईपीएल टीमों के कप्तानों को देने होते हैं.

रियान पराग पर जुर्माना, आईपीएल ने अपने प्रेस रिलीज में क्या कहा?

आईपीएल की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि चूंकि स्लो ओवर रेट से जुड़ी ये रियान पराग की टीम की पहली गलती है, इसलिए आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट की धारा 2.22 के तहत उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है.

एमआई के कप्तान हार्दिक पंड्या पर भी लग चुका है जुर्माना

रियान पराग से पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर भी आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले मैच में स्लो ओवर रेट को लेकर जुर्माना लग चुका है. उस मैच में उन्होंने एक मैच का बैन झेलकर वापसी की थी. वो बैन भी उन पर स्लो ओवर रेट को लेकर ही लगा था. दरअसल, सीजन में अगर किसी कप्तान को 3 बार स्लो ओवर रेट का दोषी पाया जाता है तो उस पर एक मैच का बैन लगाया जाता है.

कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में चले रियान

रियान पराग की बात करें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों चली. जिस तरह से धोनी के लिए उन्होंने स्पिनर्स के ओवर बचाकर रखे, बतौर कप्तान उनके उस फैसले की जमकर सराहना हुई. वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 28 गेंदों पर 37 रन की बेजोड़ पारी भी खेली.

राजस्थान ने 6 रन से दर्ज की जीत

मैच में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 182 रन बनाए. जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स लक्ष्य से 6 रन दूर रह गई. उसने 20 ओवर में 6 विकेट पर 176 रन ही बनाए. CSK को आखिरी ओवर में जीत के लिए 19 रन बनाने थे. मगर तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने उसे सफलतापूर्वक डिफेंड कर अपनी टीम को मैच जिता दिया.

15 ट्रॉफी जीतने वाली टीमें टॉप 5 से बाहर

जिनके नाम पर बस एक खिताब वो चल रहे आगे

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का पॉइंट्स टेबल भी पहले 11 मैचों के बाद दिलचस्प दिख रहा है. 10 टीमों के क्रिकेट दंगल में यहां जिनके नाम आईपीएल की 15 ट्रॉफी हैं, वो टॉप 5 से बाहर हैं. वही 1 खिताब जीतने वाली टीमें इस बार प्लेऑफ की रेस में आगे दौड़ती दिख रही हैं. आप सोच रहे होंगे कि हम ये क्या बात कर रहे हैं? आईपीएल में अब तक तो 15 ट्रॉफी किसी ने जीती ही नहीं? बेशक ऐसा ही है. लेकिन हम 15 ट्रॉफी जीतने वाली किसी एक टीम की नहीं बल्कि उन 5 टीमों की बात कर रहे हैं जिन्होंने मिलकर आईपीएल के 15 खिताब जीते हैं. आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल के टॉप 5 से वो सब बाहर हैं. अब सवाल है कि फिर टॉप 5 में कौन-कौन हैं? तो वो 5 टीमें जिनके नाम पर कुल मिलाकर अब तक सिर्फ 1 आईपीएल ट्रॉफी दर्ज है.

जिन टीमों ने कुल मिलाकर 1 खिताब जीते, वो टॉप 5 में

30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले मैच के बाद भी आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल की टॉप की पोजिशन में कुछ नहीं बदला है. अब तक खेले अपने दोनों मैच जीतने वाली आरसीबी वहां अब भी टॉप पर है. दूसरे नंबर पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स ने भी अपने दोनों मैच जीते हैं, मगर उसका रन रेट आरसीबी से कम है. लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस ने अब तक खेले अपने 2 मैच में से एक जीते और एक हारे हैं. लेकिन, बेहतर रन रेट के चलते लखनऊ नंबर 3 पर है. जबकि गुजरात की टीम चौथे स्थान पर है. पॉइंट्स टेबल में 5वां स्थान पंजाब किंग्स का है, जिसने सीजन में अब तक खेला अपना पहला मैच जीत लिया है. अब अगर आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में मौजूद टॉप की 5 टीमों पर नजर दौड़ाएं तो उनके नाम पर सबका मिलाकर कुल 1 आईपीएल खिताब है. गुजरात टाइटंस ने 2022 के आईपीएल में वो खिताब जीता था.

जिनके नाम पर कुल 15 ट्रॉफी, उनका बुरा हाल

आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में जो टीमें नीचे के पांच पायदानों पर हैं, उनके नाम पर कुल 15 खिताब हैं. 3 आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी कोलकाता नाइट राइडर्स अब तक खेले 2 मैचों में 1 जीत और 1 हार के साथ छठे नंबर पर है. 5 आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी सीएसके की हालत थोड़ी खराब है. उसने अब तक खेले 3 मैचों में 2 गंवा दिए हैं और वो 7वें नंबर पर है. 1 बार आईपीएल चैंपियन बन चुकी सनराइजर्स हैदराबाद ने भी 3 मैच में सिर्फ 1 ही जीते हैं और वो पॉइंट्स टेबल में फिलहाल 8वें नंबर पर है. आईपीएल 2008 की चैंपियन राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में 3 मैच खेलने के बाद 9वें नंबर पर है. जबकि 5 बार की आईपीएल विजेता रह चुकी मुंबई इंडियंस फिलहाल आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में 10वें नंबर पर है. उसने अबतक खेले अपने दोनों मैच हारे हैं.

मोईन अली ने चुनी आईपीएल की ऑल-टाइम बेस्ट 11

रोहित शर्मा समेत इन दिग्गजों को नहीं दी जगह

खेल डेस्क, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने आईपीएल इतिहास की अपनी ऑल टाइम प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। आईपीएल के मौजूदा सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खेल रहे मोईन ने अपनी इस टीम में क्रिकेट जगत के कई दिग्गज खिलाड़ियों को जगह दी है। उन्होंने इस टीम में रोहित शर्मा, सुरेश रैना और डेविड वॉर्नर जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है, जो इस लीग के सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व धुरंधर बल्लेबाज क्रिस गेल और भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को ओपनिंग बल्लेबाज के रूप में चुना है। यूट्यूब चैनल 'बियर्ड बिफोर विकेट' के साथ बातचीत के दौरान मोईन अली ने अपनी इस टीम में मुंबई इंडियंस के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को तीसरे नंबर के लिए चुना।

टीम में वेस्टइंडीज के कई खिलाड़ी शामिल

पोलार्ड इस लीग के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक रहे, जहां उन्होंने कई बार अकेले दम पर अपनी टीम मुंबई इंडियंस को जीत दिलाई। मोईन ने इस टीम में वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और ड्वेन ब्रावो को भी चुना, जो इस लीग के सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। देखा जाए तो उन्होंने अपनी इस टीम में ज्यादातर ऑलराउंडर्स को जगह दी है।

मोईन अली ने हार्दिक-जडेजा को दी जगह

इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर ने इस रोल के लिए भारतीय खिलाड़ियों में से हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा को चुना। हार्दिक-जडेजा ना सिर्फ अच्छे बल्लेबाज हैं, बल्कि अपनी गेंदबाजी से भी मैच का पासा पलटने में माहिर हैं। उन्होंने कप्तान और विकेटकीपर के तौर पर एमएस धोनी को चुना, जिस पर किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिए। धोनी का इस लीग में अनुभव और लीडरशिप शानदार है, जो उन्हें इस पोजीशन के लिए सबसे बेहतर बनाती है।

बॉलिंग डिपार्टमेंट में मोईन ने साउथ अफ्रीका के कगीसो रबाडा और भारत के जसप्रीत बुमराह को तेज गेंदबाजों के रूप में चुना। दोनों खिलाड़ियों में विकेट लेने की क्षमता है और वे दबाव को अच्छी तरह से झेल सकते हैं। मोईन ने आखिर में स्पिन डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी राशिद खान को सौंपी, जो अपनी चतुर गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

मोईन अली की ऑल-टाइम आईपीएल 11: क्रिस गेल, विराट कोहली, कीरोन पोलार्ड, आंद्रे रसेल, हार्दिक पांड्या, ड्वेन ब्रावो, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, राशिद खान, कगीसो रबाडा, जसप्रीत बुमराह।

पहलवान योगेश्वर दत्त का विनेश फोगाट पर निशाना

बोले- मुंह पर मारने की बात वाले गिड़गिड़ा रहे; सरकार ने 4 करोड़ का ऑफर दिया

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में अब 'पहलवान' पॉलिटिक्स होने लगी है. रेस्लर से विधायक बनी विनेश फोगाट पर पहलवार योगेश्वर दत्त ने तंज कसा है. दत्त ने कांग्रेस विधायक विनेश का नाम लिए बगैर कहा कि समय बहुत बलवान होता है. अहंकार में आकर सम्मान राशि को सरकार के मुंह पर मारने की बात करने वाले आज उसी राशि (पैसे) को पाने के लिए विधानसभा में गिड़गिड़ा रहे हैं. दरअसल, विनेश फोगाट ने विधानसभा के बजट सत्र में अपने सम्मान को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ऐलान का मुद्दा उठाया था. उन्होंने सैनी को कहा था कि आपके ऐलान के 8 महीने बाद भी उन्हें पुरस्कार की राशि नहीं मिली है. इस पर योगेश्वर ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की.

इससे पहले हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट अपने गांव में बने स्टेडियम में बिजली, पानी और कोच की सुविधा नहीं होने का मुद्दा उठा रही थीं. ऐसे में बीजेपी के कुछ विधायकों ने उनके दावे को गलत बताया. इसके बाद विनेश ने सीएम सैनी से ही सवाल कर दिया. उन्होंने कहा, 'जब मैं पेरिस गई तो फाइनल में पहुंची. उसके बाद जो हुआ वो परमात्मा की मर्जी थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है. उस समय कई बातें की गईं. हमारे सीएम ने ऐलान किया था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे सिल्वर मेडल का सम्मान दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ.'

विनेश ने ये भी कहा कि बात पैसे की नहीं है, सम्मान की है. प्रदेश में मुझे कई लोग बोलते हैं कि आपका तो कैश अवॉर्ड आ गया. तो मैंने उन्हें कहती हूं कि न आपका आया न मेरा आया. हम मिलकर यही लड़ाई लड़ेंगे.

गौरतलब है कि सदन में विनेश फोगाट के मुद्दा उठाए जाने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उन्हें सरकारी नौकरी का ऑफर दे चुके हैं. नायब सैनी ने सत्र के बीच 25 मार्च को बुलाई गई कैबिनेट मीटिंग में विनेश को सिल्वर मेडलिस्ट जैसे सम्मान के तौर पर 3 चॉइस दी थीं, जिसमें नौकरी के अलावा 4 करोड़ कैश और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से प्लॉट का भी ऑफर दिया गया. यह ऑफर तब दिया गया है, जब वह कांग्रेस के टिकट पर विधायक बन चुकी हैं. इस वादे को याद दिलाने के बाद नाराजगी व्यक्त करते हुए योगेश्वर दत्त ने विनेश फोगाट पर निशाना साधा. अब देखना यह है क्या विनेश भी योगेश्वर को जवाबी प्रक्रिया देती है या फिर नहीं.

इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा ने चोट की फोटो दिखाई

बोलीं- पति हुड्डा कपड़े उतार पूरी रात पीटता, मोबाइल हैक किया, गाड़ी कब्जाई

हिसार, 31 मार्च (एजेंसियां)। हिसार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा का पूर्व कबड्डी प्लेयर पति दीपक हुड्डा के साथ विवाद बढ़ता जा रहा है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद स्वीटी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में खुद से मारपीट में लगी चोटों की तस्वीरें दिखाईं। स्वीटी ने कहा- दीपक कपड़े उतारकर मेरे साथ पूरी रात मारपीट करता था। घर से बाहर नहीं निकलने देता था। उसने मेरी गाड़ी भी कब्जाई हुई थी। घंटों तक कमरे में बंद रखता था। कब किससे फोन पर बात करनी है, यह भी वही तय करता था। स्वीटी ये यह भी दावा किया है कि दीपक के लड़कों के साथ रिलेशन हैं। शादी के एक महीने के बाद उन्होंने वीडियो देखी तो पता चला। उन्होंने कहा कि वह कोर्ट में इसका सबूत देंगी।

पेनड्राइव कोर्ट में देकर तलाक मांगूंगी: स्वीटी ने कहा- वीडियो के बारे में मैंने दीपक से सवाल किए तो मुझसे मारपीट की। दीपक पूरी-पूरी रात मेरे साथ मारपीट करता था। मेरे पास पेनड्राइव में सबूत हैं, जिसमें वह लड़कों के साथ संबंध बनाते दिख रहे हैं। यह सबूत मैं कोर्ट में रखूंगी और इस बिनाह पर दीपक हुड्डा से तलाक मांगूंगी। लव मैरिज की थी, इसलिए सब सहना पड़ा हमारे परिवार में आज तक किसी का रिश्ता नहीं टूटा। एक मैं अकेली लड़की हूं, जिसका रिश्ता टूटा है। हमारा परिवार जुबान का पक्का है। इसलिए, मैं सब सहते हुए भी चुप रही। उसने घरवालों को एक-दो बार मारपीट के बारे में बताया तो वह यही कहते थे कि तूने ही ढूंढा है, अब तू ही देख। इस कारण मैं चुपचाप सहती रही।

कपड़े उतरवाकर पूरी रात मारता था दीपक हुड्डा पूरी-पूरी रात कपड़े उतरवाकर मेरे साथ मारपीट करता था। तकिये से मुंह दबाकर मुक्के मारता था। मारपीट के सबूत मेरे पास हैं। एक बार मेरी बहन घर आई हुई थी, तब भी दीपक हुड्डा ने मेरे साथ मारपीट की। तब मेरी बहन ने फोन कर पुलिस बुलाई थी। मगर, पुलिस ने तब आकर कहा कि आप लोगों के घर का मामला है, आपको घर पर ही सुलझाना चाहिए। 5-5 दिन घर में बंद रखता था दीपक ने मेरा घर से बाहर निकलना बंद कर दिया था। वह 5-5 दिन तक घर में बंद रखता था। यहां तक की मेरी गाड़ी भी उसने अपने कब्जे में ली हुई थी। हम 14वीं मंजिल पर रहते थे। जब मैं नीचे उतरती, तब तक वह घर पर पहुंच जाता था। वह पूरी तरह नजर रखता था। यहां तक की मेरे फोन को उसने स्कैन कर रखा हुआ था। मैं किससे कितनी देर बात करूंगी, वही तय करता था।

सोशल मीडिया पर लिखा- अच्छाई या बुराई चुनने से पहली परीक्षा शुरू होती है स्वीटी बूरा ने सोशल मीडिया पर लिखा- पहले आपके इस दुनिया से संबंधित सारे अरमानों को जलाती है, फिर आपको इस दुनिया के लोगों की असलियत दिखाती है, फिर आपकी अच्छाई के ऊपर बुराई को हावी करवाती है, तुम चुनते किसको हो अच्छाई या बुराई, यहीं से आपकी उस ईश्वर तक पहुंचने की पहली परीक्षा शुरू हो जाती है।

इश्मीत सिंह ओपन एंड चिल्ड्रन प्राइज मनी शतरंज फेस्टिवल में ओपन श्रेणी में बने चैंपियन

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। इश्मीत सिंह 5.5 अंकों के साथ चंडीगढ़ शतरंज अकादमी ओपन एंड चिल्ड्रन प्राइज मनी शतरंज फेस्टिवल 2025 में ओपन श्रेणी में चैंपियन बने, जबकि अमोघ अग्रवाल ने 5.5 अंकों के साथ अंडर-14 श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया। माधव गर्ग ने 5.5 अंकों के साथ अंडर-10 श्रेणी में जीत हासिल की।

महिला और बालिका वर्ग में ओपन वर्ग में काम्या कुमारी को सर्वश्रेष्ठ महिला का खिताब दिया गया। अंडर-14 वर्ग में कृति अग्निहोत्री को सर्वश्रेष्ठ लड़की, अंडर-10 वर्ग में त्रिमन कौर गिल को सर्वश्रेष्ठ लड़की और अंडर-07 वर्ग में इनायत कौर को सर्वश्रेष्ठ लड़की का खिताब दिया गया। अंडर-07 वर्ग में दिव्यांश गर्ग को सर्वश्रेष्ठ लड़के का खिताब दिया गया। इस टूर्नामेंट का आयोजन चंडीगढ़ शतरंज अकादमी द्वारा किया गया था और इसमें उत्तरी भारत के विभिन्न राज्यों से 130 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इनमें से 41 अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के पूर्व डीजीपी डॉ. चंद्र शेखर, आईपीएस और विशिष्ट अतिथि के रूप में चंडीगढ़ बैपटिस्ट स्कूल, सेक्टर-45डी के प्रबंध निदेशक अरुण मसीह उपस्थित थे। शेखर ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और एक प्रेरक भाषण दिया।

'उन्हें जूते मारने चाहिए' बाबर की बैटिंग पोजीशन बदलने वालों पर भड़का पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर

इस्लामाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। पहले मैच में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। हार के बाद पाकिस्तान का पूर्व क्रिकेटर बाबर आजम के बल्लेबाजी नंबर को लेकर भड़कता हुआ दिखाई दिया। पाकिस्तान की टीम इन दिनों न्यूजीलैंड के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच फिलहाल 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच खेला जा चुका है, जिसमें पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं इस मैच में बाबर आजम ने नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक भी लगाया था, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए थे। वहीं अब बाबर की बल्लेबाजी पोजीशन बदलने की बात करने वालों पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली भड़कते हुए दिखाई दिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए बासित अली ने बताया "बाबर तीसरे नंबर पर क्यों खेले? वह चैंपियंस ट्रॉफी में ओपनिंग करने आए थे। वे प्रोफेसर कहां हैं जिन्होंने कहा था कि उन्हें ओपनिंग करनी चाहिए? उन्हें देश से माफ़ी मांगनी चाहिए। अब कोई भी सामने नहीं आएगा। जो लोग क्रिकेट के प्रोफेसर बनने की कोशिश करते हैं, उन्हें जूते मारने चाहिए।" दरअसल चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बाबर आजम को ओपनिंग में बल्लेबाजी करते हुए देखा गया था, इस दौरान बाबर का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। बासित अली ने आगे टीम चयन और रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा "बाबर और रिजवान को ओपनर बनाने वाला व्यक्ति पाकिस्तान क्रिकेट को नष्ट करने के लिए जिम्मेदार है। पाकिस्तान की टीम एक फ्रेंचाइजी टीम बन गई है। यह वरीयताओं पर आधारित टीम है।"

जोकोविच को हरा जैकब ने जीता मियामी ओपन

यह खिताब जीतने वाले सबसे युवा टेनिस खिलाड़ी अपना पहला एटीपी टाइटल भी हासिल किया

खेल डेस्क, 31 मार्च (एजेंसियां)। चेक रिपब्लिक के टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने सोमवार को मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। जैकब यह टाइटल जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। ये 19 साल के जैकब की पहली एटीपी ट्रॉफी भी है। उन्होंने फाइनल में पहली सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 7-6 (4), 7-6 (4) से हराया।

उन्हें 9.4 करोड़ की इनाम राशि मिली। इससे पहले मेनसिक को पिछले साल अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स में तीन सेटों से जोकोविच से हार मिली थी। मेनसिक ने टाइटल जीतने के बाद कहा, ₹जोकोविच के खिलाफ मैं यह मैच बहुत नर्वस होकर खेला था।

जोकोविच ने 2007 में पहला मियामी ओपन जीता, मेनसिक 2 साल के थे

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन का फाइनल इस बार हार गए हैं। जोकोविच इस टाइटल को 6 बार जीत चुके हैं। जब 2007 में उन्होंने पहली बार ये ट्रॉफी जीती थी तब मेनसिक केवल 2 साल के थे।

100 एटीपी टाइटल चूक गए जोकोविच

37 साल के जोकोविच मास्टर्स 1000 में शामिल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। अगर वे फाइनल जीत जाते तो यह उनका 100वां प्रोफेशनल एटीपी टाइटल होता।

जोकोविच ने अभी तक 99 इंटरनेशनल टाइटल जीते है। वहीं अमेरिका के जिमी कोनर्स (109) और स्विस खिलाड़ी रोजर फेडरर (103) केवल दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 का आंकड़ा पार किया है।

वैनगार्ड हैदराबाद में स्थापित करेगा पहला वैश्विक क्षमता केंद्र

2,500 कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निवेश प्रबंधन कंपनी वैनगार्ड ने सोमवार को घोषणा की कि उसने हैदराबाद में अपना पहला वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करने का निर्णय लिया है। वैनगार्ड का हैदराबाद कार्यालय इस साल के अंत में औपचारिक रूप से खुलने की उम्मीद है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले चार सालों में वह भारत में 2,300 से 2,500 क्रू सदस्यों को नियुक्त करेगी। सीईओ सलीम रामजी के नेतृत्व में वैनगार्ड के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। चर्चा के बाद, वैनगार्ड ने घोषणा की कि वह हैदराबाद कार्यालय का विस्तार करेगा, जहां वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा और एनालिटिक्स और मोबाइल इंजीनियरिंग पर विशेष ध्यान देने वाले इंजीनियरों को नियुक्त करेंगे। वेनगार्ड हैदराबाद कार्यालय एक नवाचार केंद्र बन जाएगा जो आईटी मिशन और लक्ष्यों का समर्थन करेगा और एआई रणनीति को आगे बढ़ाएगा, हमारे डेटा और एनालिटिक्स की क्षमता को अनलॉक करेगा, और फर्मों की मोबाइल-प्रथम पहल का समर्थन करेगा। वेनगार्ड वर्तमान में अपनी रणनीति तैयार कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह एआई, डेटा और एनालिटिक तथा मोबाइल इंजीनियरिंग पर विशेष ध्यान देते हुए अपने वैश्विक दल में सही प्रतिभाओं को शामिल कर सके।

सरूरनगर में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर के करमनघाट में रविवार रात एक युवक ने चाकू घोंपकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। पीड़ित की पहचान बी वेंकटेश्वरलू (47) उर्फ राजू के रूप में हुई है, जो सरूरनगर के करमनघाट में जानकी एन्क्लेव का एक फाइनेंसर था। वेंकटेश्वरलू पिछले दस महीने से एक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे और दोनों एक ही पते पर रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, महिला के बेटे एम. पवन (27) जो कि एक फोटोग्राफर है, वह भी जानकी एन्क्लेव का ही रहने वाला है, उसे वेंकटेश्वरलू अक्सर डांटता और गाली देता था। रविवार की रात को दोनों के बीच इसी बात को लेकर बहस हुई और पवन ने वेंकटेश्वरलू की पिटाई कर दी। रात करीब 11 बजे वेंकटेश्वरलू ने पुलिस को फोन करके बताया कि पवन उसे पीट रहा है। हालांकि, जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, पवन ने वेंकटेश्वरलू के सीने, पेट और कंधे पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से भाग गया। सरूरनगर पुलिस ने वेंकटेश्वरलू को एंबुलेंस से उस्मानिया जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मंच पर कम मेहमान, 45 मिनट की सीमा

ओयू ने कॉलेजों को कार्यक्रमों के लिए दिए निर्देश

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिसर में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद, उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) प्रशासन ने अब निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत कार्यशालाओं, सम्मेलनों या अतिथि व्याख्यानों के पोस्टर प्रकाशित करने के लिए पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है। हाल ही में ओयू के रजिस्ट्रार प्रो. जी नरेश रेड्डी द्वारा परिसर और घटक कॉलेजों को भेजे गए एक परिपत्र में, विश्वविद्यालय ने कहा कि हालांकि संस्थान कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुमति प्राप्त कर रहे थे, लेकिन वे आमंत्रित अतिथियों की सहमति और पुष्टि के बिना पोस्टर प्रकाशित कर रहे थे।

इसमें कहा गया है कि इससे शर्मनाक स्थिति पैदा हो रही है, क्योंकि अधिकांश समय अधिकारी सरकारी बैठकों में व्यस्त रहते हैं। विश्वविद्यालय चाहता था कि कॉलेज आमंत्रित अतिथियों और विशेषज्ञों का विवरण उपलब्ध कराएं, और उन्हें मंच पर बहुत से अतिथियों को आमंत्रित न करने की सलाह दी। उद्घाटन/समारोह कार्यक्रम को 45 मिनट तक सीमित करते हुए, ओयू ने कहा कि उद्घाटन/समारोह के बजाय विषय-वस्तु पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

इसमें कहा गया है कि प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम एक पृष्ठ का परिणाम और जियो-टैग्ड फोटो होना चाहिए। इसमें कहा गया है कि कार्यक्रम के प्रेस नोट केवल पीआरओ के माध्यम से जारी किए जाने चाहिए तथा उसकी एक प्रति आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ को भेजी जानी चाहिए। 13 मार्च को ओयू प्रशासन ने परिसर में विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने वाला एक सर्कुलर जारी किया।

इससे छात्रों में भारी रोष पैदा हो गया, जिन्होंने सर्कुलर की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशासन विश्वविद्यालय में मुद्दों के खिलाफ विरोध करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार को दबाने की कोशिश कर रहा है।

संगारेड्डी के कल्हेर में बीआरएस कार्यकर्ता की हत्या

संगारेड्डी, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के कल्हेर मंडल के कोत्ता चेरुवु थांडा के बाहरी इलाके में एक ग्राम स्तरीय बीआरएस कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। हरि सिंह (42) कोत्ता चेरुवु के रहने वाले थे। सूचना के बाद नारायणखेड़ के पूर्व विधायक और बीआरएस नेता एम भूपाल रेड्डी घटनास्थल पर पहुंचे और सिंह के परिजनों को सांत्वना दी।

बीआरएस नेताओं ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से बीआरएस कार्यकर्ताओं पर हमले बढ़ गए हैं। भूपाल रेड्डी ने पुलिस से पारदर्शी जांच करके सिंह की हत्या करने वालों का पता लगाने की मांग की। रेड्डी ने याद किया कि किस तरह हरि सिंह गांव स्तर पर पार्टी के लिए काम करते थे। बीआरएस नेता नरसिंह रेड्डी, राम सिंह, जालंधर, बलैया और अन्य मौजूद थे।

एसएलबीसी सुरंग : कन्वेयर बेल्ट पर पुनर्निर्माण कार्य में तेजी

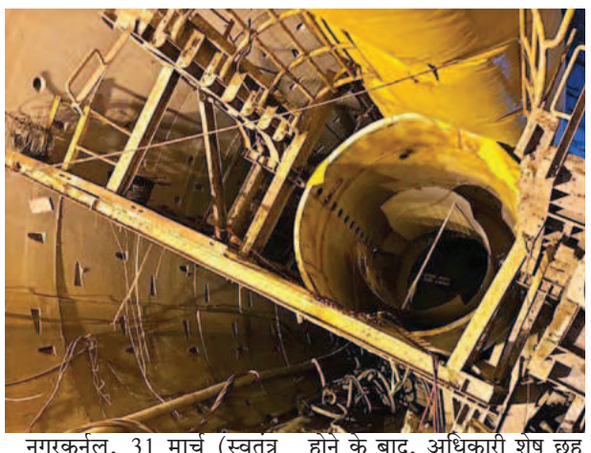

नगरकर्नूल, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डोमलपेंटा में एसएलबीसी सुरंग ढहने वाले स्थल पर कन्वेयर बेल्ट बहाली कार्य तेज किया जा रहा है, ताकि शेष छह लोगों का पता लगाने के लिए अभियान में तेजी लाई जा सके, जो 22 फरवरी को सुरंग में फंस गए थे। फंसे हुए दो श्रमिकों के शव बरामद होने के बाद, अधिकारी शेष छह लोगों का पता लगाने के लिए अभियान में तेजी लाने के लिए कन्वेयर बेल्ट बहाली कार्य तेज कर रहे हैं। एसएलबीसी सुरंग के विशेष अधिकारी शिव शंकर लोथेटी ने सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने जोर देकर कहा कि छुट्टियों के दौरान भी अभियान चलाया जा रहा है और उन्होंने अधिकारियों से उपायों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है।

सुरंग के अंदर कन्वेयर बेल्ट को 13,630 मीटर से 16,730 मीटर तक बहाल किया जा रहा है। बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए विशेषज्ञों से सुझाव लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे के कर्मचारी लोको ट्रेन के माध्यम से स्टील की बाधाओं को हटा रहे हैं और बचाव कार्यों में तेजी लाने में मदद कर रहे हैं। इसी तरह, सुरंग से गाद और जमा पानी को बाहर निकालने के लिए उच्च क्षमता वाले पंपों को काम पर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान में शामिल कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर से कूदकर दी जान

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के टैंक बंड स्थित तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर से कूदने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पीड़ित की पहचान अभी नहीं हो पाई है, वह फ्लाईओवर पर चढ़ा और लोअर टैंक बंड लैंडिंग साइड के पास से कूद गया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। डोमलागुडा इंस्पेक्टर श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि मृतक भिखारी होने का संदेह है। आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है। उसकी पहचान के प्रयास जारी हैं। शव को गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

छात्राओं की कथित पिटाई के मामले में केजीबीवी शिक्षक के खिलाफ जांच

मंचेरियल, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय-भीमिनी मंडल की एक शिक्षिका द्वारा छात्राओं की कथित पिटाई के मामले में सोमवार को जांच शुरू कर दी गई। बताया जा रहा है कि कलेक्टर कुमार दीपक ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शिक्षिका शारदा के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है और एक-दो दिन में रिपोर्ट सौंपने की संभावना है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षिका पर छात्राओं की पिटाई करने का आरोप लगा है। कथित तौर पर उसने दो दिन पहले कक्षा में शोर मचाने पर छात्राओं की पिटाई की थी।

केटीआर ने यूओएच से सटे हरित क्षेत्र के विनाश पर राहुल गांधी से मांगा जवाब

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद हैदराबाद विश्वविद्यालय से सटे भूभाग में कांग्रेस सरकार द्वारा हरियाली के निरंतर विनाश पर चिंता जताई। उन्होंने कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी से मांग की कि वे इस मामले पर बोलें या फिर इस विनाश की जिम्मेदारी लें। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अगर आप अभी नहीं बोलते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी आप पर है, मिस्टर राहुल गांधी। रामा राव ने पेड़ों को हटाने को पश्चिमी हैदराबाद में 400 एकड़ कीमती फेफड़ों की जगह को नष्ट करके बेशर्मी से हरित हत्या करार दिया। उन्होंने कहा कि लोग मोरों की मदद के लिए पुकार सुन सकते थे क्योंकि सरकार द्वारा तैनात बुलडोजर और जेसीबी चौबीसों घंटे पेड़ों को नष्ट करते रहे।

संगारेड्डी पुलिस ने बलात्कार का मामला सुलझाया

दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

संगारेड्डी, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने 25 मार्च की सुबह कंडी मंडल के ममीडिपल्ली में दर्ज बलात्कार मामले का खुलासा कर दिया और सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। संगारेड्डी में पत्रकारों से बात करते हुए एसपी परितोष पंकज ने बताया कि पीड़िता और उसका पति संगारेड्डी से पाटनचेरू की ओर जा रहे थे, तभी उसने मामीडिपल्ली के पास शौच के लिए ऑटो-रिक्शा रोका। आरोपी, जो उस जगह के पास शराब पी रहे थे, ने महिला का यौन शोषण करने का मौका देखा। जब उन्होंने महिला को खींचने की कोशिश की, तो उसके पति ने उनका विरोध किया। उन्होंने उसे तब तक पीटा जब तक वह बेहोश नहीं हो गया। इसके बाद वे उसे अपने स्कूटर पर ले गए और कई बार उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने महिला को छोड़ने से पहले भी पीटा और मौके से भाग गए। इसके बाद महिला और उसके पति ने पुलिस को फोन किया। आरोपियों को संगारेड्डी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के नाम नहीं बताए, क्योंकि जांच अभी भी जारी है। डीएसपी सतैया गौड़ व अन्य उपस्थित थे।

मंदिर के पास महिला से सामूहिक बलात्कार

पुलिस ने आठ में से छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

नागरकर्नूल, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के उरकोंडापेटा स्थित श्री अंजनेया स्वामी मंदिर में दर्शन के लिए गई 30 वर्षीय एक महिला के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया। हालांकि यह घटना शनिवार रात को घटी, लेकिन इसका खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने कुछ लोगों से पूछताछ शुरू की तथा कुछ अन्य को हिरासत में लिया। महिला अपने रिश्तेदार के साथ शनिवार रात मंदिर में दर्शन के लिए गई थी। दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर में ही रुकने का फैसला किया।

रिपोर्ट के अनुसार, आधी रात को जब महिला मंदिर के पास झाड़ियों में शौच के लिए गई तो आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और झाड़ियों में खींच लिया। जब उसका रिश्तेदार उसे बचाने आया तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया और उसे पेड़ से बांध दिया। बाद में उन्होंने महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया और इलाके से भाग गए। घटना के बाद, उरकोंडा पुलिस ने जांच शुरू की और छह लोगों को हिरासत में लिया। रिपोर्ट के अनुसार, घटना में आठ लोग शामिल थे और दो फरार हैं।

गायब गार्ड पति की तलाश में भटक रही पत्नी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक सिक्योरिटी कंपनी में काम करने वाला एक गार्ड 15 दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। पति की तलाश में बेगूसराय बिहार से हैदराबाद पहुंची पत्नी दर-दर भटक रही है। बड़ी मुश्किल से पत्नी ने किसी तरह गोपालपुरम पुलिस स्टेशन , सिकंदराबाद में पति के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस को दिए गए पत्र में बेगूसराय, बिहार निवासी अर्पणा कुमारी पत्नी संकेत सौरव ने कहा है कि मेरे पति संकेत सौरव को सिकंदराबाद स्थित गोल्डन सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, में नौकरी भी मिल गई थी। उन्होंने एम्सरी प्लाजा अपार्टमेंट, एसडी रोड, सिकंदराबाद में सुरक्षा गार्ड के रूप में 9 मार्च से काम करना शुरू कर दिया। मैं अपने पति से नियमित रूप से फोन पर बात करती थी। लेकिन, 17 मार्च को मेरे पति का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। मैंने कुछ समय तक इंतजार किया और मैंने गोल्डन सिक्योरिटी सर्विस से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने मुझे उचित जवाब नहीं दिया। इसलिए, 24 मार्च को अपने पति की तलाश में अपने पैतृक स्थान से सिकंदराबाद पहुंची। मैंने अपने पति की तलाश की और सभी संभावित स्थानों पर उनके बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हालांकि बामुश्किल पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित अर्पणा कुमारी का कहना है पति की तलाश में बेसहारा होकर शहर में भटकना पड़ रहा है।

दर्जन भर मामलों में शामिल चोर गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (दक्षिण-पूर्व) टीम ने हुमायूं नगर पुलिस के साथ मिलकर एक दर्जन मामलों में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है और सोमवार को 1.7 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। गिरफ्तार व्यक्ति शेख सद्दाम हुसैन (32) है, जो हबीबनगर के मल्लेपल्ली का एक बढ़ई है। हबीबनगर थाने में उसके खिलाफ एक संदिग्ध शीट भी सक्रिय है।

पुलिस के अनुसार, सद्दाम हुसैन वर्ष 2010 से अपने साथियों के साथ बंद घरों को निशाना बनाता था, उनमें सेंध लगाता था तथा भीड़भाड़ वाली आरटीसी बसों में यात्रियों के कीमती सामान चुराता था। इससे पहले वह 46 चोरी और अन्य संपत्ति अपराधों में शामिल था। वर्ष 2024 में उसे नारायणगुडा पुलिस ने आखिरी बार गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा था। जमानत पर रिहा होने के बाद भी वह बसों में चोरी करता रहा। हाल ही में उसने मेहदीपटनम बस स्टॉप पर एक महिला से सोने की चेन चुरा ली थी। शिकायत के बाद हुमायूं नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और उसकी पहचान कर उसे पकड़ लिया गया।

सीपी ने ईदगाह में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डीजी पुलिस कमिश्नर, हैदराबाद सी.वी. आनंद ने रमजान (ईद उल फितर) के अवसर पर मीरालम ईदगाह में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से, उन्होंने बच्चों को चॉकलेट वितरित की और सभी मुस्लिम भाइयों को रमजान की शुभकामनाएं दीं और कहा कि हम सभी की खुशी और शांति की कामना करते हैं। रमजान का महीना बिना किसी घटना के शांतिपूर्वक समाप्त हो गया। हमने मुस्लिम भाइयों के लिए बिना किसी समस्या के खरीदारी की व्यवस्था की है। हमने रमजान के महीने में नमाज के लिए विशेष व्यवस्था की है। कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी कानून और व्यवस्था, जोएल डेविस संयुक्त सीपी यातायात, श्रीमती स्नेहा मेहरा डीसीपी दक्षिण क्षेत्र और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बीआरएस के रजत जयंती समारोह की तैयारियां जारी

27 अप्रैल को होगी सार्वजनिक बैठक

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अपने रजत जयंती समारोह को भव्य बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पार्टी ने 27 अप्रैल को विशाल जनसभा के लिए हनमकोंडा जिले के एल्कथुर्ती को स्थान चुना है, जहां 10 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद है। कई सप्ताह से चल रही तैयारियों के बाद अब सभी की निगाहें 27 अप्रैल पर टिकी हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव, जो पहले ही दो पूर्व जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों की अध्यक्षता कर चुके हैं, जनसभा की तैयारियों पर चर्चा के लिए करीब आठ और बैठकें करने वाले हैं।

स्टॉक ट्रेडिंग धोखाधड़ी के लिए युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम यूनिट ने स्टॉक ट्रेडिंग धोखाधड़ी के सिलसिले में गुजरात से एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान गुजरात के अहमदाबाद निवासी व्यास रुत्विक स्मितल कुमार (26) के रूप में हुई है। वह तेलंगाना में 11 मामलों सहित पूरे भारत में 80 मामलों में शामिल है। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से पीड़ितों से संपर्क करता था और शेयर बाजार में ट्रेडिंग के माध्यम से कम समय में दोगुना या तिगुना मुनाफा कमाने का लालच देता था।

साइबर क्राइम अधिकारियों ने कहा कि वे शुरूआत में अपने आवेदन में भारी रिटर्न दिखाते हैं। बाद में, वे विश्वास बनाने के लिए एक निश्चित सीमा तक निकासी की अनुमति देते हैं। वे पीड़ितों को अधिक निवेश करने के लिए लुभाने के लिए आभासी लाभ दिखाते हैं। एक बार जब भारी निवेश हो जाता है, तो संदिग्ध खाते को ब्लॉक कर देते हैं और निवेशकों को धोखा देते हैं।

ईद-उल-फितर के जश्न के साथ हैदराबाद में उत्सव का माहौल

मीर आलम ईदगाह में देखी गई सबसे ज्यादा भीड़ * अधिकांश ईदगाह परिसरों में सुबह 10 बजे अदा की गई नमाज

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को ईद-उल-फितर के त्यौहार के अवसर पर पूरे शहर में उत्सव का माहौल है। इस अवसर पर ईदगाह और मस्जिदों में सुबह ईद-उल-फितर की नमाज अदा की गई। सबसे ज्यादा भीड़ बहादुरपुरा स्थित मीर आलम ईदगाह में देखी गई, जहां एक लाख से ज्यादा लोगों ने सामूहिक नमाज में हिस्सा लिया। नमाज़ का नेतृत्व मक्का मस्जिद के ख़तीब मौलाना हफ़ीज़ रिज़वान कुरैशी ने किया। टीजी वक्फ बोर्ड और अन्य सरकारी विभागों ने कार्यक्रम स्थल पर व्यापक व्यवस्था की थी।

सुबह से ही पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे लोग ईद-उल-फितर की नमाज अदा करने के लिए शहर की मस्जिदों और ईदगाहों में जुटने लगे। कुछ मस्जिदों में नमाज सुबह 7 बजे अदा की गई, जबकि अधिकांश ईदगाह परिसरों में नमाज सुबह 10 बजे अदा की गई। मदन्नापेट स्थित पुरानी ईदगाह, कुतुब शाही मकबरा ईदगाह, मसाब टैंक हॉकी ग्राउंड, सिकंदराबाद स्थित ईदगाह बलमराय तथा अन्य स्थानों पर भारी भीड़ देखी गई। राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों ने ईदगाह में नमाज अदा की तथा लोगों से मुलाकात की। मीर आलम ईदगाह में वरिष्ठ पुलिस और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों

ने नमाज के बाद लोगों से मुलाकात की और समुदाय को ईद की बधाई दी। ईद की नमाज के बाद लोग घर पहुंचे और अपने परिजनों से मिलकर मुबारकबाद दी। दूसरी ओर, बीती रात भर बाजारों में भीड़ रही और लोग आखिरी समय में खरीदारी करने के लिए उमड़ पड़े। चारमीनार के आसपास के बाजार सुबह से ही खरीदारों से भरे रहे, जबकि सूखे मेवे, दूध और सेवइयां बेचने वाली दुकानों पर भी भारी भीड़ देखी गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.